शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, गुरुवार 23 अक्तूबर 2025 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 03, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 193 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	30.7	19.6
डालटनगंज	34.6	20.7
धनबाद	32.6	22.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

अमेरिका में सरकारी शटडाउन का 21वां दिन

ट्रंप से मिले रिपब्लिकन सीनेटर, गतिरोध बरकरार

- सीनेट में फंडिंग प्रस्ताव फिर विफल, डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन के बीच टकराव और गहराया
- सीनेट अब तक 11 बार सरकार को 21 नवंबर तक फंडिंग देने वाले प्रस्ताव को पारित करने में विफल रही है

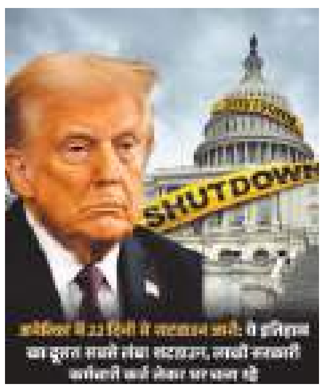

एजेंसी ।वाशिंगटन

अमेरिका में जारी सरकारी शटडाउन 21वें दिन में प्रवेश कर गया है और इसके समाप्त होने की कोई स्पष्ट संभावना नजर नहीं आ रही है. इस बीच, रिपब्लिकन सीनेटरों ने व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात कर डेमोक्रेट्स पर दबाव बनाने की रणनीति पर चर्चा की. सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने इस बैठक के दौरान स्पष्ट कर दिया कि रिपब्लिकन किसी भी हाल में डेमोक्रेट्स की शर्तों के आगे नहीं झुकेंगे. उन्होंने जोर देकर कहा कि डेमोक्रेट्स को ही शटडाउन समाप्त करने की दिशा में पहल करनी होगी. इस 'लंच डिप्लोमेसी' को डेमोक्रेटिक नेताओं ने एक महत्वपूर्ण मिलन बताया, लेकिन दोनों पक्षों के रुख में कोई खास बदलाव नहीं आया है.

अमेरिकी इतिहास में दूसरा सबसे लंबा शटडाउन लगा लाखों सरकारी कर्मचारी कर्ज लेकर घर चला रहे हैं

सीनेट अब तक 11 बार सरकार को 21 नवंबर तक फंडिंग देने वाले प्रस्ताव को पारित करने में विफल रही है. सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन और सीनेट में बहुमत के नेता जॉन थून ने मंगलवार को कहा कि अगर गतिरोध जारी रहा, तो फंडिंग की समयसीमा को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पड़ सकती है. जॉनसन ने डेमोक्रेट्स पर बातचीत में देरी का आरोप लगाते हुए कहा कि वे समय गंवा रहे हैं.

वहीं, डेमोक्रेटिक सीनेटर जेफ मर्कले ने सोमवार रात सीनेट में तीन घंटे से अधिक समय तक बोलते हुए ट्रंप प्रशासन पर तीखा हमला बोला. उन्होंने राष्ट्रपति की नीतियों, विश्वविद्यालयों की अनुसंधान फंडिंग पर रोक, राजनीतिक विरोधियों पर अभियोग और पोर्टलैंड में नेशनल गार्ड की तैनाती जैसे मुद्दों पर गंभीर चिंता जताई.

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, मर्कले की यह टिप्पणी डेमोक्रेटिक प्रतिरोध का प्रतीक है. पार्टी अब स्वास्थ्य सेवा सब्सिडी और सामाजिक कल्याण के मुद्दों पर आक्रामक रुख अपनाए हुए है, और उसने रिपब्लिकन प्रयासों को बार-बार अवरुद्ध किया है. यह गतिरोध अब चौथे सप्ताह में प्रवेश कर गया है, जो अमेरिकी इतिहास में दूसरा सबसे लंबा शटडाउन बन चुका है.

पुतिन-ट्रंप शिखर बैठक टली

रूस ने यूक्रेन पर दागे 50 से ज्यादा ड्रोन, छह लोगों की मौत

एजेंसी ।कीव

यूक्रेन के पूर्वी शहरों को निशाना बनाकर रात भर किए गए रूसी सेना के हवाई हमलों में कम से कम छह लोग मारे गए. हमलों में रूसी सेना ने ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल किया. इसके परिणामस्वरूप अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की शिखर बैठक टल गयी है. यूक्रेन की सेना ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि रूस की ओर से रात में 50 से ज्यादा ड्रोन और लगभग 10 मिसाइलें दागी गईं. इनमें से ज्यादातर को यूक्रेन की सेनाओं ने रोक लिया अथवा मार गिराया लेकिन खार्कीव और डिनप्रो इलाकों में इनके हमले कामयाब हुए . एक स्थानीय अधिकारी ने बताया, ये हमले नागरिक इलाकों को निशाना बना रहे हैं, जिससे कई घर तबाह हो गए. हालांकि रूस ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उसके हमले केवल सैन्य लक्ष्यों पर ही हो रहे हैं. इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच प्रस्तावित शिखर सम्मेलन को स्थगित कर दिया गया है. व्हाइट हाउस के एक प्रवक्ता ने कहा, यूक्रेन पर जारी हमलों के कारण यह बैठक टाल दी गई है. हम शांति के लिए बातचीत जारी रखेंगे, लेकिन हिंसा बंद होनी चाहिए.

ब्रीफ न्यूज

नीरज चोपड़ा को सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि दी गई

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की उपस्थिति में भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि प्रदान की गई. लेफ्टिनेंट कर्नल (मानद) नीरज चोपड़ा और उनके परिवार के सदस्यों के साथ बातचीत करते हुए रक्षा मंत्री ने उन्हें दृढ़ता, देशभक्ति और उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने की भारतीय भावना का प्रतीक बताया. -पेज 12 भी देखें

अभिनेता और गायक ऋषभ टंडन का निधन

नई दिल्ली । बॉलीवुड के अभिनेता गोवर्धन असरानी के निधन के बाद सिनेमा जगत से एक और दुखद खबर सामने आई है. जाने-माने अभिनेता और गायक ऋषभ टंडन का आज यहां दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया. वे 35 वर्ष के थे. ऋषभ टंडन को उनके मंच नाम 'फकीर' से भी जाना जाता था. उनकी असामयिक मृत्यु से भारतीय फिल्म और संगीत जगत सदमे में है. ऋषभ के करीबी दोस्त ने सोशल मीडिया पर उनके निधन की पुष्टि की. ऋषभ मुंबई से दीपावली मनाने अपने परिवार के साथ दिल्ली आए थे.

पश्चिमी युगांडा में दो बसों में टक्कर, 63 मरे

कंपाला । पूर्वी अफ्रीकी देश युगांडा में बुधवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में कम से कम 63 लोगों की मौत हो गई. यह हादसा देश के पश्चिमी हिस्से में गुलु हाईवे पर आधी रात के बाद हुआ, जब दो बसों और दो अन्य गाड़ियों की आमने-सामने टक्कर हो गई. पुलिस के अनुसार, दोनों बसें विपरीत दिशा से आ रही थीं और ओवरटेक करने की कोशिश में आमने-सामने भिड़ गईं. यह टक्कर किरियानडोंगो कस्बे के पास हुई. हादसे में कई लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

इंडिगो विमान के टैंक से लीक हुआ फ्यूल

नयी दिल्ली । इंडिगो की कोलकाता-श्रीनगर फ्लाइट '6E-6961' को फ्यूल टैंक में लीक के कारण बुधवार को वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजैंसी लैंडिंग करनी पड़ी. वाराणसी पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए कहा, 'विमान में सवार सभी 166 यात्रियों और क्रू मेम्बर्स को सुरक्षित बाहर निकाला गया. एयरपोर्ट अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं. स्थिति नियंत्रण में है और एयरपोर्ट पर सामान्य परिचालन फिर से शुरू हो गया है.'

पेरिस का विश्व प्रसिद्ध 'लूवर' संग्रहालय खुला

पेरिस । फ्रांस का प्रसिद्ध लूवर संग्रहालय बुधवार को पर्यटकों के लिए दोबारा खोल दिया गया गया. तीन दिन पहले ही संग्रहालय में दिनदहाड़े सनसनीखेज ढंग से फ्रांसीसी क्राउन के आभूषण लूटे जाने की घटना के बाद इसे बंद कर दिया गया था. संग्रहालय के अधिकारियों ने यहां बताया कि सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद दर्शक संग्रहालय के अंदर प्रवेश कर सकेंगे. चोरी की घटना में तीन नकाबपोश चोरों ने दोपहर के समय अलार्म बंद कर आभूषण कक्ष से मूल्यवान हीरे-मोती जड़े मुकुट और ताज चुरा लिए थे.

ईंधन टैंकर में विस्फोट 35 लोगों की हुई मौत

आबुजा । नाइजीरिया के उत्तरी राज्य में मंगलवार को एक ईंधन टैंकर के पलट जाने से हुए विस्फोट में कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई. संघीय सड़क सुरक्षा कोर ने राज्य में एफआरएससी सेक्टर कमांडर ऐशातु सादु के हवाले से यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि दुर्घटना उस समय हुई जब वाहन सड़क से फिसल गया और चारो तरफ पेट्रोल फैल गया . इसके बाद हुए भीषण विस्फोट के कारण उसमें आग लग गई. उन्होंने बताया कि पीड़ितों को पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले तेजस्वी यादव का बड़ा ऐलान

जीविका दीदियों को नौकरी 5 लाख का बीमा कराएंगे

- तेजस्वी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में केवल भ्रष्टाचार और अपराध हुआ है. कमाई, दवाई, सिंचाई के मामले में सरकार फेल है.
- माई बहिन मान योजना के तहत 2500 रुपये दिए जाएंगे.

संवाददाता ।पटना

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव से पहले बड़ा ऐलान किया. कहा कि जीविका दीदियों (कम्युनिटी मोबिलाइजर) को स्थायी नौकरी दी जाएगी और वेतन 30000 होगा. साथ ही जीविका दीदियों द्वारा लिए गए लोन के ब्याज को माफ किया जाएगा. पांच लाख तक बीमा करवाया जाएगा.

कमाई, दवाई, सिंचाई के मामले में सरकार फेल : तेजस्वी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में केवल भ्रष्टाचार और अपराध हुआ है. कमाई, दवाई, सिंचाई के मामले में सरकार फेल है. गरीबी, पलायन और बेरोजगारी से लोग परेशान हैं. तेजस्वी ने कहा कि हमारी सभी घोषणाओं की नकल सरकार ने की.

'माई बहिन मान' योजना का ऐलान किया तो इन्होंने (एनडीए सरकार) महिलाओं को 10000 रुपये रिश्वत के तौर पर दिया. तेजस्वी ने कहा कि जीविका दीदी का जितना शोषण हुआ है सरकार में शायद ही कहीं हुआ होगा.

हर घर में एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी : आरजेडी नेता ने कहा कि 'माई बहिन मान' योजना के तहत 2500 रुपये दिए जाएंगे. उन्होंने साफ किया कि यह कोई लोन नहीं होगा. उन्होंने यह भी कहा कि सरकार बनते ही 20 दिनों के अंदर अधिनियम और कानून बनाएंगे, हर घर में एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देंगे.

सरकार बनने पर 'मां' योजना लाएंगे तेजस्वी

दूसरी ओर तेजस्वी ने ऐलान किया है कि प्रदेश में कार्यरत सभी संविदाकर्मियों को स्थायी किया जाएगा. विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से शारीरिक, मानसिक और आर्थिक शोषण झेल रहे संविदाकर्मियों को अब एक साथ स्थायी किया जाएगा. उन्होंने कहा कि वे 'मां' योजना लाएंगे. एम- मकान, ए- अन्न और ए- आमदनी. प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तेजस्वी यादव ने एनडीए सरकार पर जमकर हमला बोला. उन्होंने कहा, तेजस्वी को प्रमाण देने की जरूरत नहीं, तेजस्वी जो कहता है वह करता है.

इधर, तेजस्वी से मिलने के बाद अशोक गहलोत बोले

बोले-5-10 सीटों पर फ्रेंडली फाइट हो सकती है

पटना । महागठबंधन में सीट बंटवारे पर फंसा पेच जल्द सुलझ सकता है. पटना में बुधवारको अशोक गहलोत ने तेजस्वी यादव से मुलाकात की. इसके बाद गहलोत ने कहा कि 5-10 सीटों पर फ्रेंडली फाइट हो सकती है. आज प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद सब साफ हो जाएगा. बता दें कि आरजेडी, कांग्रेस, सीपीएम के बीच 13 सीटों की गांठ फंसी हुई है, गहलोत उसे ही सुलझाने की कोशिश में जुटे हैं. बुधवार को अशोक गहलोत ने तेजस्वी यादव के घर जाकर मुलाकात की. करीब एक घंटे तक चली बैठक के बाद गहलोत बाहर निकले तो उन्होंने इतना ही कहा कि सब ठीक हो जाएगा. बता दें कि राजद और कांग्रेस के अलावा इंडिया गठबंधन के अन्य घटक दल यानी वाम दल, वीआईपी आदि के नेताओं की भी आपस में बैठक हो सकती है. महागठबंधन कल पटना में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद अपना चुनाव प्रचार शुरू करेंगा.

राजगीर में दीपंकर भट्टाचार्य बोले-तेजस्वी यादव के चेहरे पर लड़ा जाएगा चुनाव

नालंदा । बिहार विधानसभा चुनाव की गरमाहट बढ़ते हुए राजगीर विधानसभा

क्षेत्र में भाकपा माले के चुनाव कार्यालय के उद्घाटन के मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने इंडिया गठबंधन की ओर से जोरदार हमला बोलते हुए मौजूदा एनडीए सरकार के खिलाफ जनता के गुस्से को आवाज दी. भाकपा माले के उम्मीदवार विश्वनाथ चौधरी के समर्थन में आयोजित इस कार्यक्रम में भट्टाचार्य ने साफ तौर पर कहा कि यह चुनाव बिहार में सरकार बदलने वाला चुनाव है. मीडिया से विशेष बातचीत में दीपंकर भट्टाचार्य ने राजगीर की चुनावी चुनौती का आकलन करते हुए कहा कि पूरा बिहार इस समय बदलाव की मांग कर रहा है और राजगीर में तो अलग से ही बदलाव की जरूरत है. लंबे समय से भाजपा और जदयू के एनडीए गठबंधन से लोग परेशान हैं. विश्वनाथ चौधरी जी लोगों की इसी आकांक्षा को साकार करने के लिए मैदान में उतरे हैं. उन्होंने कहा कि नीतीश की सरकार के विकास के दावों पर करारा प्रहार करते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि बिहार में विकास का मतलब सिर्फ फ्लाईओवर और बाईपास बनाकर रह गया है.

भाजपा का पलटवार

तेजस्वी चुनावी प्रक्रिया का उड़ा रहे मखौल

नई दिल्ली : बिहार विस चुनाव में तेजस्वी यादव के चुनावी वादों पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि बिहार में चुनावी प्रक्रिया गतिमान है और महागठबंधन में आपस में छिड़ा घमासान है. न साझा घोषणा-पत्र बना पाए हैं और न ही साझा सीएम क्या, डिप्टी सीएम का भी निर्धारण नहीं कर पाए हैं. उन्होंने कहा कि इन समस्याओं से विचलित और दिग्भ्रमित होकर तेजस्वी अब वो सारी बातें करना शुरू कर दिए हैं जो न सिर्फ उनके दावों की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिन्ह लगाती है.

आरबीआई ला रहा है बैंकिंग सिस्टम में बड़े बदलाव

अब साइबर ठगी का नहीं रहेगा डर

एजेंसी ।नयी दिल्ली

शातिर ठग आए दिन भोले-भाले लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं. इसी बीच देशभर में बढ़ते साइबर फ्रॉड के मामलों को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों और ग्राहकों की सुरक्षा को ध्यान 3में रखते हुए ऐतिहासिक कदम उठाया है. आरबीआई ने एक साथ 238 नए सुधार प्रस्तावित किए हैं, जिनका मकसद बैंकिंग सेवाओं को ज्यादा पारदर्शी, सुरक्षित और ग्राहक-हितैषी बनाना है. आरबीआई ने इन प्रस्तावों पर जनता से सुझाव मांगे हैं, जिन्हें 10 नवंबर तक उसकी आधिकारिक वेबसाइट पर भेजा जा सकता है. नए नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे.

साइबर फ्रॉड के लिए बैंकों पर जिम्मेदारी तय : आरबीआई के मसौदे के अनुसार, अगर किसी ग्राहक के खाते से साइबर धोखाधड़ी के जरिए पैसे निकल जाते हैं और वह 3 दिन के अंदर बैंक को सूचित करता है, तो ग्राहक को कोई वित्तीय नुकसान नहीं उठाना होगा. पूरी भरपाई बैंक करेगा.

इसके साथ ही, यदि बैंक जांच या कार्रवाई में देरी करता है, तो उस पर 25,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा. इस प्रावधान से डिजिटल लेनदेन में उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ेगा.

बैंक लॉकर सुरक्षा पर नई गारंटी : अब बैंक लॉकर में रखी वस्तुएं चोरी, आग, डकैती या प्राकृतिक आपदा से नष्ट होने पर बैंक को जिम्मेदार ठहराया जाएगा. ऐसे मामलों में बैंक को ग्राहक को लॉकर किराये का 100 गुना तक मुआवजा देना होगा. पहले बैंक इस तरह के दायित्व से बचते थे, लेकिन अब ग्राहकों को सुरक्षा की कानूनी गारंटी मिलेगी.

सीनियर नागरिकों को मिलेगी विशेष सुविधा : 70 वर्ष से अधिक उम्र के सीनियर नागरिकों को अब बैंकिंग सेवाओं के लिए शाखाओं में जाने की आवश्यकता नहीं होगी. वे अपने घर से ही पासबुक अपडेट, चेक जमा और अन्य छोटे कार्य कर सकेंगे. आरबीआई ने सभी बैंकों को ब्याज दर तय करने के लिए एक समान फार्मूला अपनाने का निर्देश दिया है. इससे ब्याज दरों में भेदभाव खत्म होगा और ग्राहकों को स्पष्ट जानकारी मिलेगी. यानी ग्राहक चाहें तो लोन जल्दी चुका कर ब्याज का बोझ कम कर सकते हैं.

इसरो के वैज्ञानिक डॉ एकनाथ चिटनिस का 100 साल की उम्र में निधन

नयी दिल्ली । भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एकनाथ वसंत चिटनिस का बुधवार

को उनके आवास पर निधन हो गया. परिवार के सदस्यों ने बताया कि वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे. सुबह ही उन्हें हृदयाघात हुआ. डॉ. चिटनिस ने मंगलवार को ही अपना 100वां जन्मदिन मनाया था. उनका जाना भारतीय वैज्ञानिक समुदाय के लिए एक बड़ी क्षति है.

जीवन की शुरुआत और शिक्षा : डॉ. चिटनिस भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के शुरुआती दिनों के नायक थे. उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. यह समिति बाद में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) बनी. इसरो आज दुनिया का एक बड़ा अंतरिक्ष संगठन है, जो चंद्रयान और मंगलयान जैसी मिशनों के लिए जाना जाता है. डॉ. चिटनिस ने इसरो के जन्म में योगदान दिया था. वे केरल के थुम्बा में भारत के पहले रॉकेट लॉन्च स्थल को चुनने में भी मुख्य भूमिका निभाई.

देशभर में एसआईआर शुरू करेगा चुनाव आयोग

बंगाल समेत चुनावी राज्यों में होगी वोटर लिस्ट की सफाई

नई दिल्ली । एजेंसी

चुनाव आयोग ने देशभर में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया को शुरू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है. बुधवार से आयोग ने इस विषय पर दो दिवसीय उच्चस्तरीय बैठक की शुरुआत की है, जिसमें देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को शामिल किया गया है. इस अहम बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त एस.एस. संधु और विवेक जोशी के नेतृत्व में आगामी एसआईआर के कार्यान्वयन की रणनीति पर विचार किया जा रहा है. यह बैठक गुरुवार तक चलेगी और इसके बाद एसआईआर शुरू करने का अंतिम निर्णय लिया जाएगा.

पहले उन राज्यों में होगी शुरुआत जहां 2026 में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित : सूत्रों के अनुसार, चुनाव आयोग का मानना है कि एसआईआर को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाना चाहिए. इसके पहले चरण में

पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी जैसे राज्यों को शामिल किया जाएगा, जहां 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं. हालांकि, जिन राज्यों में स्थानीय निकाय चुनाव चल रहे हैं या जल्द प्रस्तावित हैं, वहां इस अभियान को स्थगित किया जा सकता है. इसका कारण यह है कि चुनावी तैयारियों में व्यस्त स्थानीय प्रशासन एसआईआर जैसे व्यापक अभियान को सही ढंग से संचालित नहीं कर पाएगा. बता दें कि एसआईआर प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य अवैध विदेशी घुसपैठियों की पहचान करना है. चुनाव आयोग के अनुसार, देश के कई हिस्सों में बांग्लादेश और म्यांमार से आए अवैध प्रवासी नागरिकों की मौजूदगी पाई गई है. एसआईआर के जरिए मतदाता सूची में दर्ज नागरिकों के जन्म स्थान, पते और नागरिकता का सत्यापन किया जाएगा.

भविष्यवाणी : ग्रह-नक्षत्र दे रहे संकेत-काशी के ज्योतिषविद का दावा

बिहार में एक बार फिर से एनडीए की सरकार बनेगी

एजेंसी ।वाराणसी

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण का नामांकन पूरा हो चुका है. सियासी सरगर्मी चरम पर है. सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्षी महागठबंधन अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं. इस बीच काशी के युवा ज्योतिषविद और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. श्वेतांक मिश्र ने अपने ज्योतिषीय आकलन के आधार पर बड़ा दावा किया है. उनका कहना है कि इस बार फिर बिहार की सत्ता एनडीए गठबंधन के हाथों में जाएगी. डॉ. मिश्र ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राजद नेता तेजस्वी यादव, चिराग पासवान, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और रणनीतिकार प्रशांत किशोर की उपलब्ध जन्मकुंडलियों के ज्योतिषीय विश्लेषण के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है. उन्होंने कहा कि 18 अक्टूबर को हुए महत्वपूर्ण खगोलीय परिवर्तन- बृहस्पति का कर्क राशि में प्रवेश- का असर चुनावी समीकरणों पर भी परिलक्षित होगा.

नीतीश को मिल रहा 'राजयोग' का साथ

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की कुंडली मिथुन लग्न और वृश्चिक

राशि की बनती है. 18 अक्टूबर से पूर्व तक बृहस्पति चंद्रमा से अष्टम भाव में स्थित थे, जो अनुकूल नहीं माना जाता. लेकिन अब बृहस्पति चंद्रमा से नवम (भाग्य) भाव में पहुंच चुके हैं, जिससे एक शक्तिशाली 'राजयोग' बन रहा है. इसके प्रभाव से नीतीश कुमार को एंटी-इनकंबेंसी के बावजूद चुनाव में कोई विशेष क्षति नहीं होगी.

मोदी की कुंडली सबसे सशक्त

डॉ. मिश्र के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कुंडली तुलनात्मक रूप से सबसे अधिक सशक्त है. वर्तमान समय उनके लिए मध्यम फलदायक है, लेकिन विपक्षी नेताओं की तुलना में यह उन्हें बढ़त देती है. दूसरी ओर, राहुल गांधी की कुंडली में राहु-शनि का 'शापित योग' बना हुआ है, जो उनके नेतृत्व में कांग्रेस के प्रदर्शन को सीमित कर सकता है. महागठबंधन में कांग्रेस की अपेक्षा अन्य दल बेहतर स्थिति में रहेंगे. तेजस्वी यादव की कुंडली को लेकर ज्योतिषीय मतभेद हैं, लेकिन यदि कुम्भ लग्न को आधार माना जाए, तो वे इस समय शनि की साढ़े साती के अंतिम चरण में हैं.

चिराग पासवान के चमक सकते हैं सितारे

मिश्र कहते हैं कि ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, लोजपा (रामविलास) नेता चिराग पासवान के लिए यह चुनाव बेहद खास साबित हो सकता है. वे एनडीए के भीतर एक उभरती हुई ताकत के रूप में सामने आ सकते हैं. चुनाव के बाद उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी सौंपे जाने की प्रबल संभावना बन रही है. डॉ. मिश्र के अनुसार सीमांचल जैसे क्षेत्रों में महागठबंधन को फायदा हो सकता है, लेकिन शहरी और मध्यमवर्गीय क्षेत्रों में एनडीए को बढ़त मिलने के स्पष्ट संकेत हैं. भाजपा, जदयू और लोजपा (रामविलास) का संयोजन शहरी मतदाताओं में मजबूत पकड़ बनाए हुए है.

एनडीए के पक्ष में ज्योतिषीय संकेत

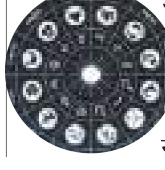

अब तक उपलब्ध समग्र ज्योतिषीय विश्लेषण और अध्ययन के आधार पर डॉ. श्वेतांक मिश्र का कहना है कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए गठबंधन एक बार फिर सरकार बनाने में सफल हो सकता है. यद्यपि राजनीतिक समीकरण समय-समय पर बदलते रहते हैं, परंतु ग्रह-नक्षत्रों का संदेश इस बार एनडीए के पक्ष में जाता दिख रहा है.

सोने और चांदी के दामों में आई बड़ी गिरावट

नयी दिल्ली । रिकॉर्ड हाई पर पहुंचने के बाद सोने और चांदी के भाव में बड़ी गिरावट आई है. लेकिन अभी ये गिरावट और बढ़ सकती है. ग्लोबल मार्केट में मंगलवार को आई एक दिन में रिकॉर्ड गिरावट के बाद एक्सपर्ट गुरुवार को भारतीय बाजार में भी सोने-चांदी की कीमतों में तेज गिरावट का अनुमान लगा रहे हैं. हालांकि उनका यह भी कहना है कि इन धातुओं में गिरावट ज्यादा लंबे समय तक नहीं रहेगी. भारतीय बाजार एमसीएक्स पर सोने-चांदी ने 17 अक्टूबर 2025 को रिकॉर्ड हाई लेवल टच किया था, जहां से देखा जाए तो चांदी करीब 20 हजार रुपये प्रति किलो और सोना करीब 4000 रुपये प्रति 10 ग्राम कम हो चुका है. लेकिन एक्सपर्ट मान रहे हैं कि अभी ये गिरावट और भी ज्यादा हो सकती है, क्योंकि 2 दिनों से ग्लोबल स्तर पर सोना-चांदी के दाम में गिरावट आ रही है और एमसीएक्स पर त्योहारों के कारण कारोबार बंद है.

घाटशिला उपचुनाव

लाइसेंसी हथियार 28 तक जमा कराएं, नहीं तो होगी सख्त कार्रवाई

शुभम संदेश। रांची/ घाटशिला

घाटशिला उपचुनाव को लेकर पार्टियों से लेकर चुनाव आयोग तक बड़ी तैयारियों में जुट गया है. इसी बीच चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन काफी सख्त नजर आ रही है. वहीं लाइसेंसी शस्त्रधारकों के खिलाफ भी सख्त हो गई है. जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने एक आखिरी चेतावनी देते उन सभी लाइसेंस धारकों को 28 अक्टूबर तक का समय दिया है और कहा है कि जिन्होंने अब तक अपने हथियार थाने में नहीं जमा कराये हैं वे तत्काल जमा करा लें.

निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि इससे पहले 8 अक्टूबर को जारी एक नोटिस में 15 अक्टूबर तक हथियार जमा करने का निर्देश दिया गया था. लेकिन काफी संख्या में लोगों ने इस आदेश का पालन अब तक नहीं किया है. और इसे देखते हुए, प्रशासन ने एक बार फिर हथियार जमा करने का अंतिम अवसर दिया है.

प्रशासन ने स्पष्ट कहा है कि यह अंतिम मौका है और इसके बाद किसी भी प्रकार की ढील नहीं दी जाएगी. जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा है कि यदि लाइसेंसधारक तय तिथि यानी 28 अक्टूबर तक अपने हथियार जमा नहीं कराते हैं, तो उनके खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी और उनका लाइसेंस रद्द भी किया जा सकता है.

जेएससीए स्टेडियम में 30 नवंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच वनडे मैच

यातायात दबाव को ध्यान में रखते हुए विशेष इंतजाम किए जाएंगे : डीसी

शुभम संदेश। रांची

झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) स्टेडियम, धुर्वा में 30 नवंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले वनडे क्रिकेट मैच के आयोजन को लेकर जिला प्रशासन और जेएससीए के पदाधिकारियों के बीच एक अहम बैठक की गई. इस बैठक का मुख्य उद्देश्य मैच के दौरान सुरक्षा, विधि-व्यवस्था और यातायात प्रबंधन को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करना था, ताकि मैच का आयोजन सुचारू और सुरक्षित रूप से हो सके.

बैठक में जेएससीए के अध्यक्ष अजयनाथ शाहदेव ने जिला प्रशासन के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि यह समन्वित प्रयास आयोजन की सफलता की नींव है. उन्होंने कहा कि इस प्रकार के बड़े स्तर के आयोजन में प्रशासन और आयोजन समिति के बीच सामंजस्य अत्यंत आवश्यक होता है. सचिव सौरभ तिवारी ने स्टेडियम की तैयारियों की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि सभी व्यवस्थाएं लगभग पूर्ण हो चुकी हैं और वे इस आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्यरत हैं.

उपायुक्त रांची मंजूनाथ भजंत्री ने भी इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए जिला प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया. उन्होंने कहा कि भारी भीड़ और यातायात दबाव को ध्यान में रखते हुए विशेष इंतजाम किए जाएंगे ताकि स्थानीय जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहे. उन्होंने बताया कि पुलिस और प्रशासन की टीम हर संभव सतर्कता और तत्परता के साथ इस आयोजन को सफल बनाएगी.

बैठक में जेएससीए के अध्यक्ष अजयनाथ शाहदेव, उपायुक्त रांची मंजूनाथ भजंत्री, वरीय पुलिस अधीक्षक रांची राकेश रंजन, जेएससीए के उपाध्यक्ष संजय पांडे, सचिव सौरभ तिवारी, सह सचिव शहबाज नदीम, कोषाध्यक्ष अमितावा घोष, अनुमंडल पदाधिकारी सदर रांची उत्कर्ष कुमार, पुलिस अधीक्षक यातायात रांची राकेश सिंह, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर राजेश्वर नाथ आलोक, डीएसपी हटिया प्रमोद कुमार मिश्रा सहित कई अन्य जेएससीए और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे.

इस बैठक में भारी भीड़ के दौरान यातायात व्यवस्थापन, सुरक्षा के कड़े इंतजाम, स्टेडियम के भीतर एवं बाहर निगरानी, आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता तथा दर्शकों की सुविधा से जुड़ी कई अन्य महत्वपूर्ण तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई. सभी संबंधित पक्षों ने इस आयोजन को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए अपने-अपने स्तर पर पूर्ण समर्पण और समन्वय का संकल्प लिया.

इस प्रकार, रांची में होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच की तैयारी पूरी गति से चल रही है और प्रशासन व जेएससीए के संयुक्त प्रयासों से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न होने की उम्मीद है.

खड़िया यूथ महासम्मेलन : झारखंड से लेकर अंडमान तक खड़िया युवाओं की एकजुटता का अनोखा संगम

युवा एकजुट होकर अपनी पहचान और संस्कृति की रक्षा करें: विक्सल कोंगारी

शुभम संदेश। रांची

खड़िया यूथ महासम्मेलन के तीसरे दिन का माहौल उत्साह और जोश से भरा रहा. मुख्य अतिथि के रूप में कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगारी, सिमडेगा विधायक भूषण बड़ा और सिसई विधायक जीग्गा सुसरण होरो ने शिरकत की. खड़िया समन्वय समिति के अध्यक्ष डॉ. चंद्र किशोर ने अतिथियों का स्वागत वीरू गमछा देकर किया. कोलेबिरा विधायक ने कहा कि आदिवासी समाज आज विकट परिस्थिति से गुजर रहा है. बाहरी ताकतें जमीन, जल और जंगल पर कब्जे की कोशिश में लगी हैं. उन्होंने युवाओं से एकजुट होकर अपनी पहचान और संस्कृति की रक्षा की अपील की.

स्वावलंबन से ही विकास संभव : ग्लैडसन डुंगडुंग

ग्लैडसन डुंगडुंग ने कहा कि आदिवासी समाज आत्मनिर्भर होता है, अपने खेतों और जंगलों से जीवनयापन करता है. नौकरी और पैसे के पीछे भागने से नहीं, बल्कि अपनी बनाई वस्तुओं को बाजार तक पहुंचाने से समाज का विकास होगा.

एकता ही सबसे बड़ी ताकत : कुलभूषण डंडों

रांची खड़िया महासभा के अध्यक्ष कुलभूषण डंडों ने कहा कि संगठन ही समाज की असली ताकत है. पुराने जमाने में हमारे पुरखे संगठित होकर हर काम करते थे. उन्होंने युवाओं से समाज को बचाने और एकजुट होकर कार्य करने की अपील की.

युवा ही समाज की दिशा तय करते हैं : भूषण बाड़ा

सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि युवाओं में समाज को दिशा देने की ताकत है, लेकिन आज कई युवा रास्ता भटक रहे हैं. उन्होंने युवाओं से समय की कीमत पहचानने और समाज के उत्थान में योगदान देने की अपील की.

सरकारी योजनाओं से जुड़े समाज : बसंती डुंगडुंग

जिला परिषद सदस्य बसंती डुंगडुंग ने सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और कहा कि जानकारी के अभाव में समाज योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहा. उन्होंने युवाओं से जागरूक होने और तकनीक का उपयोग कर विकास की राह पर बढ़ने का आह्वान किया.

नशे से समाज कमजोर हो रहा : झिग्गा सुसरण होरो

सिसई विधायक झिग्गा सुसरण होरो ने कहा कि नशे की गिरफ्त में आने से आदिवासी समाज कमजोर पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि बाहरी समाज इस कमजोरी का फायदा उठा रहा है. युवाओं से उन्होंने नशे से दूर रहने और समाज को संगठित करने का आग्रह किया.

खड़िया समाज ईमानदार और स्वच्छ है : सिप्रियन कुल्लू

सिप्रियन कुल्लू ने कहा कि खड़िया समाज छल-कपट से दूर, सादगी और ईमानदारी से भरा हुआ है. यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है.कार्यक्रम में मेरी क्लोड़्या सोरेंग, मथियास कुल्लू, बिपिन डुंगडुंग, संजय इंदवार, विश्वास टेटे, अंकिता कुल्लू, डेविड सोरेंग, सुशांत सोरेंग, नीलिमा बा, रेशमा केरकेट्टा सहित कई अन्य सामाजिक कार्यकर्ता व युवा प्रतिनिधि शामिल थे.

संस्कृति और युवाओं की प्रतिभा का संगम

सम्मेलन में सामूहिक नृत्य, लोकगीत, क्विज़, फैशन शो और पारंपरिक कार्यक्रम हुए. सिमडेगा कॉलेज ने सामूहिक नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया, कार्तिक उरांव महाविद्यालय गुमला ने द्वितीय स्थान पाया. सम्मेलन का लाइव टेलीकास्ट पूरे देश में देखा गया. झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, असम, बंगाल और अंडमान निकोबार से भी बड़ी संख्या में खड़िया युवा पहुंचे.

सम्मेलन में विवाह मिलान पहल भी हुई सफल

सम्मेलन में विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए आवेदन भरे गए. इस पहल के तहत तीन जोड़े विवाह के लिए राजी हुए, जिससे लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई.

छठ पर्व पर 12 हजार ट्रेन चलाने का मोदी सरकार का दावा खोखला : कैलाश यादव

रांची। छठ महापर्व के दौरान 12 हजार स्पेशल ट्रेनों के चलाने के मोदी सरकार के दावे को झारखंड प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने खारिज कर दिया है. यादव ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार का यह वादा जुमला साबित हुआ है और बिहार-झारखंड से घर लौटने वाले करोड़ों प्रवासी मजदूर ट्रेनों की कमी और भीड़ के कारण भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं. यादव ने बताया कि बिहार में छठ पर्व और विधानसभा चुनाव के बीच प्रवासियों में घर लौटने की मांग बढ़ गई है, लेकिन रेल मंत्रालय और केंद्र सरकार की लापरवाही से लोग निराश हैं. उन्होंने बेहतर व्यवस्था की तत्काल मांग की है. यादव ने कहा कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अगस्त में 12 हजार स्पेशल ट्रेनें चलाने और रिटर्न टिकट पर 20% छूट देने का दावा किया था, लेकिन जमीन पर इसका कोई असर नजर नहीं आ रहा है, जिससे बिहार के चुनावी माहौल में विवाद बढ़ सकता है.

पुलिस मुख्यालय ने झारखंड के पांच जिलों में एनडीपीएस थाना खोलने का आदेश जारी किया

रांची। झारखंड में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर लगाम लगाने के लिए एक अहम कदम उठाया गया है. पुलिस मुख्यालय ने राज्य के पांच जिलों, रांची, चतरा, जमशेदपुर, खूंटी और हजारीबाग में एनडीपीएस (नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेज) थाना स्थापित करने का आदेश जारी कर दिया है.आईजी मुख्यालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा इन जिलों में एक-एक एनडीपीएस थाना अधिसूचित कर दिया गया है. इस संबंध में अधिसूचना की कॉपी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई है.उल्लेखनीय है कि अफीम और अन्य मादक पदार्थों की तस्करी व अवैध खेती पर सख्ती से नियंत्रण के लिए यह कदम उठाया गया है. राज्य सरकार की कैबिनेट ने 24 सितंबर को इन थानों की स्थापना को मंजूरी दी थी. इन विशेष थानों के गठन से मादक पदार्थों से जुड़ी आपराधिक गतिविधियों पर शीघ्र और प्रभावी कार्रवाई संभव हो सकेगी.

जयराम महतो की भविष्यवाणी सच हुई, बिहार विस चुनाव में झामुमो को एक भी सीट नहीं मिली

रांची। बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू होते ही जेएलकेएम प्रमुख जयराम महतो ने स्पष्ट कहा था कि बिहार में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और आजसू को एक भी सीट नहीं मिलेगी. उन्होंने बताया था कि इनके सहयोगी दल भी चुनाव लड़ने के लिए किसी भी सीट की पेशकश नहीं करेंगे. यह भविष्यवाणी अब सच साबित हो गई है.बिहार में कांग्रेस और आरजेडी ने झामुमो को एक भी सीट नहीं दी, जबकि बीजेपी ने आजसू को चुनाव लड़ने के लिए सीट नहीं दी. कुछ महीने पहले एक सभा में जयराम महतो ने कहा था कि जो लोग 'बाहरी-भितरी' की बात करते हैं, वे समझ लें कि इस चुनाव में झामुमो और आजसू को एक भी सीट नहीं मिलेगी.अपनी भविष्यवाणी के सच होने पर जयराम महतो ने एक्स (ट्विटर) पर अपने वीडियो को साझा करते हुए लिखा, "जो बात कही थी, वो सच हो गई. आज झामुमो को एक भी सीट नहीं मिली.

छात्रों की हो रही अनदेखी, छात्रवृत्ति नहीं मिल रही,भविष्य हो रहा है बर्बाद: बाबूलाल मरांडी

रांची। झारखंड विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर छात्रों की अनदेखी का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि राज्य के छात्र छात्रवृत्ति के लिए सरकार से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन सरकार पूरी तरह बेपरवाह बनी हुई है. स्कॉलरशिप न मिलने से कई छात्र उच्च शिक्षा में प्रवेश नहीं ले पा रहे हैं और कुछ को कक्षा में शामिल होने या परीक्षा देने से रोका जा रहा है. मरांडी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कई छात्र अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए कर्ज लेने को मजबूर हैं, जो सरकार की संवेदनहीनता को दर्शाता है. उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार छात्रवृत्ति देने में सक्षम नहीं है, तो फॉर्म भरवाकर झूठी उम्मीद क्यों जगाई गई? उन्होंने कहा कि यह युवा पीढ़ी के भविष्य से खिलवाड़ है. मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जो सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और पेयजल जैसे बुनियादी मुद्दों को नहीं संभाल पा रही, वह केवल लोकलुभावन वादों के दम पर सत्ता में आई है और कोई योजना ठीक से लागू नहीं कर पा रही है.

झारखंड में भाजपा की बदहाली के जिम्मेदार बाबूलाल और रघुवर दास: डॉ. सूरज मंडल

शुभम संदेश ।रांची

अखिल भारतीय संपूर्ण क्रांति राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व सांसद डॉ. सूरज मंडल ने कहा है कि झारखंड में भारतीय जनता पार्टी की वर्तमान खराब स्थिति के लिए पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और रघुवर दास जिम्मेदार हैं. उन्होंने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से अपील की है कि वह झारखंड में पार्टी की जमीनी स्थिति सुधारने के लिए शीघ्र और कठोर निर्णय ले. डॉ. मंडल ने बताया कि नवगठित झारखंड में बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में भाजपा की पहली सरकार बनी थी, लेकिन इस सरकार ने ओबीसी आरक्षण को 27 प्रतिशत से घटाकर 14 प्रतिशत कर दिया और इसे अनुसूचित जनजाति के खाते में जोड़ दिया, जिससे ओबीसी वर्ग के अधिकारों को भारी नुकसान पहुंचा. इसी निर्णय के कारण ओबीसी वर्ग में भाजपा की स्थिति कमजोर हुई. इसके अलावा इस फैसले को तत्कालीन मंत्रिमंडल की बैठक में ज्यादातर मंत्रियों ने समर्थन दिया, जबकि केवल ऊर्जा मंत्री लालचंद महतो ने विरोध किया.

डॉ. मंडल ने कहा कि कांग्रेस के अहमद पटेल के प्रभाव में रहने वाले बाबूलाल मरांडी की नीतियों से भाजपा को झारखंड में काफी नुकसान हुआ. वहीं, रघुवर दास के मुख्यमंत्री बनने के बाद भी पिछली गलतियों को सुधारने की कोई कोशिश नहीं की गई. स्थानीय नीति लागू करने वाली समिति की सिफारिशों के विपरीत दास सरकार ने खतियान के आधार पर नीति को लागू करने के बजाए 1986 के आधार पर लागू किया, जिससे पार्टी को भारी नुकसान हुआ.

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं से आग्रह किया है कि वे शीघ्र निर्णय लेकर इन गलतियों को सुधारें और बाबूलाल मरांडी एवं रघुवर दास के प्रति अपनी रणनीति में बदलाव करें. डॉ. मंडल ने कहा कि झारखंड में भाजपा ही वह पार्टी है जो आम जनमानस की उम्मीदों के सबसे करीब है, और बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन के असली चेहरे सामने आने के बाद अब पार्टी को अपनी जमीनी स्थिति पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक है.

झारखंड हाईकोर्ट का अहम फैसला

1 जनवरी 2004 से पहले जारी विज्ञापनों के आधार पर चयनित कर्मी पुरानी पेंशन योजना के लाभों के हकदार

कोर्ट ने कहा

- नियुक्ति भले बाद में हो, यदि विज्ञापन पुरानी योजना के तहत जारी हुआ था, तो कर्मचारी को मिलेगा जीपीएफ-सह-पेंशन योजना का लाभ

शुभम संदेश। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा है कि 1 जनवरी 2004 से पहले जारी किसी भी सरकारी नौकरी के विज्ञापन के आधार पर चयनित कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना (जीपीएफ-सह-पेंशन) के हकदार होंगे, चाहे उनकी नियुक्ति या कार्यभार ग्रहण करने की तिथि नई पेंशन योजना (एनपीएस) लागू होने के बाद की ही क्यों न हो.मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने यह आदेश उस मामले में दिया, जिसमें भारतीय खनन विद्यालय (अब आईआईटी-आईएसएम धनबाद) द्वारा 2 सितंबर 2003 को सीनियर मेडिकल ऑफिसर की नियुक्ति के लिए निकाले गए विज्ञापन के तहत चयनित एक कर्मचारी को नई पेंशन योजना के अंतर्गत रख दिया गया था. जबकि विज्ञापन में स्पष्ट रूप से लिखा गया था कि इस पद पर चयनित व्यक्ति को सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) और पेंशन का लाभ मिलेगा. प्रतिवादी पहले इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज लिमिटेड में कार्यरत थे और उन्होंने इस पद के लिए आवेदन किया था. चयन प्रक्रिया में देरी के चलते उन्हें 3 अप्रैल 2004 को इंटरव्यू के लिए बुलाया गया और 30 जून 2004 को उन्होंने कार्यभार ग्रहण किया. इस बीच 22 दिसंबर 2003 को केंद्र सरकार ने नई पेंशन योजना अधिसूचित की, जो 1 जनवरी 2004 से प्रभावी हुई.

हालांकि, प्रतिवादी ने कई बार आग्रह किया कि उन्हें पुरानी पेंशन योजना के तहत लाया जाए, क्योंकि उनका चयन उस विज्ञापन के आधार पर हुआ था, जो नई पेंशन नीति के लागू होने से पहले जारी किया गया था. लेकिन संस्थान ने कोई कार्रवाई नहीं की. सिंगल बेंच ने प्रतिवादी के पक्ष में फैसला सुनाया. इसके खिलाफ आईआईटी-आईएसएम धनबाद ने डिवीजन बेंच में अपील की, जिसमें यह तर्क दिया गया कि कर्मचारी ने कार्यभार 30 जून 2004 को संभाला, इसलिए उस पर नई पेंशन योजना लागू होती है. लेकिन कोर्ट ने यह तर्क खारिज कर दिया. कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगर किसी पद के लिए विज्ञापन 1 जनवरी 2004 से पहले जारी किया गया है, तो उस पद पर नियुक्त सभी कर्मियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ मिलना चाहिए, भले ही उन्होंने बाद में कार्यभार ग्रहण किया हो.

AFFIDAVIT

Series No. 23-24/21.15310

I, MD. SHAHBAAZ son of SAMIM MISTRI resident of No. 73, Kumhar toli, Imam Bara, Doranda, P.O. and P. S Doranda, Dist. Ranchi, Jharkhand 834002 do hereby affirm and declare as follows:

1. That my Father name is SAMIM MISTRI which is mentioned in my Adhar no.2398868 41327.
2. That he is also known in the name of MD. SHAMIM
3. That SAMIM MISTRI and MD. SHAMIM is same and one person
4. That SALEHA KHATOON is my mother which as mentioned in Adhar no. 214392850856.
5. That she is also known in the name of SHALEHA KHATOON is same and one person who is my mother.
6. That SALEHA KHATOON and SHALEHA KHATOON is same and one person who is my mother.
7. That the information furnished is true and correct. Sworn and signed this at Renchi on the 21st day of Oct. 2025.

Affidavit no : 0482
Dtd : 21.10.2025

झारखंड में खत्म होने की कगार पर टीएसपीसी, बचा सिर्फ शशिकांत गंझू

गिरफ्तारी, लगातार हो रहे मुठभेड़ों और आत्मसमर्पण के कारण संगठन समाप्त

जैनेंद्र कुमार ।रांची/ मेदिनीनगर

देश से नक्सलवाद को समाप्त करने के केंद्र सरकार के मिशन को झारखंड में बड़ी सफलता मिलती दिख रही है. राज्य में सक्रिय प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) अब अपने अंत की ओर बढ़ रहा है. संगठन का इकलौता बड़ा चेहरा अब केवल शशिकांत गंझू बचा है. गंझू वर्तमान में पलामू, चतरा, लातेहार और गढ़वा जिलों के साथ-साथ बिहार के गया और औरंगाबाद के सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय है. एक समय 200 कैडरों वाला टीएसपीसी संगठन अब लगभग खत्म हो चुका है और उसके अधिकांश कमांडर या तो मारे जा चुके हैं, पकड़े गए हैं या आत्मसमर्पण कर चुके हैं.

पुलिस के दबाव में आत्मसमर्पण का सिलसिला

पुलिस के लगातार दबाव के चलते शशिकांत गंझू के दस्ते के दो अन्य प्रमुख सदस्य, रोहिणी गंझू और कुलदीप गंझू उर्फ पत्थल ने चतरा पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया. पलामू की एसपी रीष्मा रमेशन के अनुसार, फिलहाल टीएसपीसी के खिलाफ सघन सर्च अभियान जारी है और संगठन का कमांड ढांचा लगभग ध्वस्त हो चुका है.

मनातू मुठभेड़ बना टर्निंग प्वाइंट

पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के केदल जंगल में पिछले चार सितंबरको पुलिस और टीएसपीसी के बीच मुठभेड़ हुई थी, जिसमें पुलिस के दो जवान शहीद हो गए थे. इसके बाद सुरक्षा बलों ने टीएसपीसी के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाया.

14 सितंबर को इसी अभियान में 5 लाख रुपये के इनामी टीएसपीसी कमांडर मुखदेव यादव मारा गया. कुछ ही दिन बाद उत्तर प्रदेश एटीएस ने एक अन्य इनामी नक्सली नगीना को गिरफ्तार कर लिया. इन घटनाओं से टीएसपीसी संगठन को बड़ा झटका लगा.

कभी आतंक का पर्याय रहा था टीएसपीसी: टीएसपीसी का वर्चस्व कभी झारखंड के चतरा, पलामू, लातेहार, गढ़वा, रांची, हजारीबाग और रामगढ़ तक फैला हुआ था. खासकर पलामू-चतरा और पलामू-लातेहार की सीमा पर संगठन का सबसे मजबूत दस्ता मौजूद रहता था. लेकिन अब पूरे क्षेत्र में शशिकांत गंझू ही संगठन का अंतिम बड़ा कमांडर बचा है. पूर्व नक्सली सुरेंद्र यादव के अनुसार, टीएसपीसी अब पूरी तरह कमजोर हो चुका है और आने वाले समय में यह संगठन पूरी तरह से खत्म हो जाएगा. सरकार द्वारा 2026 तक देश से नक्सलवाद खत्म करने का जो लक्ष्य तय किया गया है, उसमें झारखंड में टीएसपीसी का लगभग सफाया एक बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है.

स्विट्जरलैंड में जेंडर इक्वलिटी कॉन्फ्रेंस में मंत्री दीपिका पांडेय सिंह लेंगी भाग

डिजिटल हिंसा पर रखेंगी अपनी बात

शुभम संदेश। रांची

झारखंड की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह स्विट्जरलैंड के ल्यूसेर्न में आयोजित होने वाले प्रोग्रेसिव अलायंस के वार्षिक जेंडर इक्वलिटी कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेंगी. यह आयोजन शनिवार 25 अक्टूबर को सुबह 9:15 से 10:45 बजे के बीच होगा.कॉन्फ्रेंस में दीपिका पांडेय सिंह "ऑनलाइन लैंगिक-आधारित हिंसा का मुकाबला करने के सबक" विषय पर एक पैनल में वक्ता के रूप में शामिल होंगी. उनके साथ मलेशिया, ग्वाटेमाला, न्यूज़ीलैंड, डेनमार्क और तंजानिया की महिला नेता भी चर्चा करेंगी.

इस सत्र का उद्देश्य डिजिटल उत्पीड़न के प्रति जागरूकता बढ़ाना है, खासतौर पर महिलाओं को ऑनलाइन निशाना बनाए जाने के संदर्भ में. चर्चा में यह भी शामिल होगा कि डिजिटल सुरक्षा, जवाबदेही और लोकतांत्रिक भागीदारी को कैसे सशक्त किया जाए.आयोजकों ने जानकारी दी है कि मंत्री से यह भी पूछा जाएगा कि राजनीति में महिलाओं के खिलाफ ऑनलाइन हिंसा के क्या कारण हैं और राजनीतिक दल व संसदें इसे रोकने के लिए क्या उपाय कर सकती हैं. साथ ही, अन्य क्षेत्रों के साथ सहयोग के अवसरों पर भी बातचीत होगी.कार्यक्रम में स्विट्जरलैंड की सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी भी साझेदार के रूप में शामिल होगी.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, गुरुवार 23 अक्टूबर 2025 । कार्तिक शुक्ल पक्ष 03, संवत 2082 । रांची एवं पटना से प्रकाशित । वर्ष : 3, अंक : 193 । मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

ब्रीफ न्यूज

पोती के साथ सोयी महिला की गला रेतकर हत्या

गोड्डा। गोड्डा जिले के बोआरीजोर थाना क्षेत्र के गोराडीह गांव में एक महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई. महिला की पहचान 65 वर्षीय महिला सोना भानु खातून के रूप में हुई है. घटना बीती रात की है. महिला अपनी चार साल की पोती के साथ सोई हुई थी. सुबह जब महिला देर तक नहीं उठी तो ग्रामीणों ने घर जाकर देखा तो सोना भानु खातून मृत मिलीं. गले पर धारदार हथियार से काटने का निशान था. मृतका के चार बच्चे हैं. एक बेटा जेल में है, जबकि दूसरा विक्षिप्त है. दो बेटियां दिल्ली में रहकर काम करती हैं. घटना की सूचना पर पुलिस पहुंची. महागामा एसडीपीओ चंद्रशेखर आज़ाद भी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी.

तालाब में डूबने से दो चचेरे मासूम भाइयों की मौत

धनबाद। धनबाद के टुंडी थाना क्षेत्र के हटिया रोड स्थित राजबाड़ी के नजदीक तालाब में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई है. हादसे में मारे गए दोनों बच्चे आपस में चचेरे भाई बताये गए हैं. मृतकों का नाम रामचरण भारती का 2 वर्षीय पुत्र सिद्धार्थ भारती और शंभू शरण भारती का ढाई वर्षीय पुत्र राजवीर बताया जा रहा है.
जानकारी के अनुसार मंगलवार को दोनों बच्चे खेलते हुए तालाब में चले गए और पानी में डूब गए. जब परिजनों ने काफी खोजबीन की तो कोई खबर नहीं मिली जिसके बाद किसी ने सूचना दी कि तालाब में एक बच्चे का शव तैर रहा है. जिसके बाद परिजन व स्थानीय मौके पर पहुंचे और के शव को बाहर निकाला गया.

पीडीएस केंद्र पर सड़ा चावल बांटने से हंगामा

पाकुड़। पाकुड़ प्रखंड के प्यादापुर गांव के पहाड़ी टोला स्थित पीडीएस केंद्र पर रविवार को उस समय हंगामा हो गया जब ग्रामीणों ने डीलर राजीव कुमार पंडित पर सड़ा और दुर्गंधयुक्त चावल बांटने का आरोप लगाया. ग्रामीणों ने विरोध में राशन लेने से इनकार कर दिया और दुकान के बाहर जोरदार नारेबाजी की. सूचना मिलने पर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सुमित मिश्रा मौके पर पहुंचे, चावल की गुणवत्ता की जांच की और डीलर को चावल बदलने का निर्देश दिया. साथ ही पूरे मामले की जांच की बात कही, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि लापरवाही कहां हुई.

स्कॉर्पियो की छत पर बैठकर प्रचार करना पड़ा महंगा

घाटशिला। घाटशिला उपचुनाव में प्रचार के दौरान नियमों की अनदेखी करना डुमरी विधायक जयराम महतो को भारी पड़ गया. उन्होंने एक रैली के दौरान स्कॉर्पियो वाहन के ऊपर बैठकर जनसंपर्क किया, जो चुनाव आयोग की गाइडलाइन का उल्लंघन है. इस पर उपायुक्त जमशेदपुर ने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि यह आचार संहिता और सुरक्षा मानकों का स्पष्ट उल्लंघन है. निर्वाचन पदाधिकारी ने संबंधित प्रत्याशी को 24 घंटे के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया है.

आदिवासियों का सोहराई परब : जीवित लक्ष्मी की आराधना

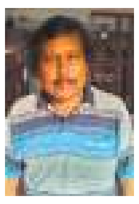

सुशील पाहन/ अर्जुन बड़ाईक

कार्तिक मास की अमावस्या के बाद जब दीपों की ज्योति से घर-आंगन जगमगाते हैं, उसी समय छोटानागपुर के पठारी क्षेत्रों में आदिवासी समाज अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान से जुड़ा एक प्रमुख पर्व मनाता है सोहराई परब. यह केवल एक पूजा या अनुष्ठान नहीं, बल्कि आदिवासी जीवन दर्शन, पशुप्रेम, कृषि संस्कृति और प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की गूंज है.

लोककथा से जुड़ी उत्पत्ति : आदिवासियों के बीच प्रचलित कथा के अनुसार, एक बार एक व्यक्ति रास्ते से जा रहा था. उसने एक बछड़े को धूल-मिट्टी में सना देखा और उसे नदी में स्नान कराकर स्वच्छ कर दिया. थोड़ी देर में जब गाय आई और अपने बछड़े को साफ-सुथरा देखी, तो वह प्रसन्न हुई और उस व्यक्ति को धन्यवाद देने गई. गाय और बैल ने उस व्यक्ति से कहा कि वे उसके साथ रहकर उसकी खेती-बाड़ी में मदद करेंगे. वह व्यक्ति उनके साथ रहकर खेती करने लगा और अच्छी उपज प्राप्त की. परंतु पहली फसल आने पर उसने पशुओं को अन्न का भाग नहीं दिया, जिससे वे नाराज होकर जंगल लौटने लगे. रास्ते में वे महुआ के पेड़ के नीचे बैठकर अपनी नाराजगी पर चर्चा करने लगे. तभी सिंङबोंगा वहां प्रकट हुए और कहा कि मनुष्य का दोष नहीं है, क्योंकि उसे यह धर्म नहीं बताया गया था. उन्होंने मनुष्य को निर्देश दिया कि वह अपने पशुओं की सेवा और सम्मान के लिए एक दिन निर्धारित करे. उसी दिन से कार्तिक मास में सोहराई परब मनाया जाने लगा.

गाय-बैल : जीवित लक्ष्मी

आदिवासी मान्यता के अनुसार, गाय-बैल केवल पालतू पशु नहीं, बल्कि जीवित लक्ष्मी हैं. वे ही खेती-बाड़ी के आधार हैं, अन्नदाता हैं, और समृद्धि के प्रतीक हैं. इसीलिए सोहराई पर्व को लक्ष्मी पर्व के रूप में भी प्रतिष्ठा मिली है.

पूजा की तैयारी और अनुष्ठान : सोहराई पर्व से एक सप्ताह पहले से ही गोहाल घर (गोहार) को साफ किया जाता है. गाय-बैल के शरीर में तेल लगाया जाता है और उनके सींगों को सजाया जाता है. दीपावली की रात से ही गोहाल में दीया जलाया जाता है. चतुर्दशी की शाम को कच्चा दीया, अमावस्या की रात को पक्का दीया और यह दीपक पूरी रात जलता रहता है.परिवारजन यह सुनिश्चित करते हैं कि गोहाल का दीपक न बुझे, क्योंकि यह समृद्धि और जीवन का प्रतीक माना जाता है.

सोहराई के दिन की विधि : सुबह जब गाय-बैल चरने के लिए जाने से पहले होते हैं, महिलाएं आंगन और गोहाल को गोबर और मिट्टी से लीपकर सजाती हैं. दरवाजे पर महुआ के पेड़ की डाली से 'गोरेया'बनाया जाता है, जिसके समीप पूजा होती है.
पूजा के दौरान एक रंगुवा मुर्गा की बलि दी जाती है. इसके बाद गाय-बैल को जल और तपान से स्नान कराया जाता है. उन्हें सखुआ पत्ते में नमक चिपकाकर खिलाया जाता है. फिर कुजरी के तेल और सिंदूर से सजाया जाता है और गेंदा फूल की माला पहनाई जाती है. इसके बाद घर की महिलाएं नए धान का चावल, उड़द और कोंहड़ा को नए मिट्टी के बर्तन में पकाती हैं, जिसे पाखवा या दाना कहा जाता है. यह भोजन पहले जीवित लक्ष्मी गाय-बैल को परोसा जाता है और फिर परिवारजन प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं.

सामुदायिक उत्सव और सांस्कृतिक रंग : पूजा के बाद मवेशियों को सजाकर मैदान में ले जाया जाता है, जहां ढोल, मांदर और नगाड़े की थाप पर ग्रामीण पारंपरिक नृत्य करते हैं. कई गांवों में सोहराई रास करम और सोहराई जतरा का आयोजन किया जाता है. यह सामूहिकता, परिश्रम और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का उत्सव है.

गैर-आदिवासी समुदाय भी मनाता है सोहराई परब

सोहराई पर्व अब केवल आदिवासी समाज तक सीमित नहीं रहा. क्षेत्र के अन्य समुदाय भी इसे लक्ष्मी पूजा के समान भावना के साथ मनाते हैं. बस उनकी पूजा पद्धति में कुछ भिन्नता होती है.

संदेश और दर्शन

सोहराई पर्व हमें यह सिखाता है कि कृषि, पशु और प्रकृति का सम्मान जीवन की समृद्धि का मूल है. यदि गाय-बैल न हों तो न खेती होगी, न अन्न मिलेगा. यही कारण है कि हमारे पूर्वजों ने इन्हें लक्ष्मी का स्वरूप माना और हर वर्ष इस पर्व के माध्यम से उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की. सोहराई केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि प्रकृति और मनुष्य के सह-अस्तित्व का प्रतीक पर्व है, जो बताता है कि समृद्धि केवल धन से नहीं, बल्कि पशु, प्रकृति और परिश्रम के सामंजस्य से आती है.

गढ़वा में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना में 29 लाख रुपये का घोटाला

पशुधन आपूर्तिकर्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज | जांच में तत्कालीन अधिकारी की भूमिका भी संदिग्ध

शुभम संदेश। रांची/गढ़वा

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं और दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा का मामला सामने आया है. गढ़वा जिले के जिला गव्य विकास पदाधिकारी गिरीश कुमार ने आपूर्तिकर्ता उपेन्द्र यादव पर 29 लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है. आरोप है कि यादव ने पशुधन आपूर्ति के नाम पर सरकारी धन की हेराफेरी की और संबंधित दस्तावेजों में गड़बड़ी की गई. पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है. यह मामला वित्तीय वर्ष 2020-21 से जुड़ा है. गढ़वा थाना में दर्ज शिकायत के अनुसार, उपेन्द्र यादव, जो ग्राम मड़वनियां (थाना रमना) के निवासी हैं, को जिले में 187 दुधारू पशुओं की आपूर्ति का ठेका दिया गया था. जांच में पता चला कि पशुओं की आपूर्ति तथा उनके मूल्यांकन में भारी गड़बड़ी की गई.
रांची स्थित गव्य विकास निदेशालय की रिपोर्ट (पत्रांक-907, दिनांक 08.10.2025) में तीन मुख्य फर्जीवाड़ों का खुलासा हुआ है :

1. पशुओं की कीमत कम दिखाकर 25,45,607 की धोखाधड़ी.
2. बीमा प्रीमियम में 2,61,392 की अतिरिक्त राशि वसूली.
3. उपस्कर (बाल्टी-रस्सी) में 1,00,626 का गबन.

इन तीन मदों में कुल 29,07,625 की अनियमित राशि हड़पने का आरोप उपेन्द्र यादव पर है. साथ ही, पशुपालन विभाग के क्षेत्रीय निदेशक, पलामू प्रमंडल, मेदिनीनगर द्वारा की गई जांच (पत्रांक-184, दिनांक 23.07.2025) में बीमा प्रक्रिया के दौरान तत्कालीन जिला गव्य विकास पदाधिकारी की भूमिका संदिग्ध पाई गई है. रिपोर्ट में अधिकारी और आपूर्तिकर्ता के बीच मिलीभगत की संभावना जताई गई है.
गव्य विकास पदाधिकारी गिरीश कुमार ने उपेन्द्र यादव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 316(5) और 318(5) के तहत एफआईआर दर्ज कराई है. गढ़वा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. सूत्रों के अनुसार, जांच में और भी नामों के सामने आने की संभावना है.

बोकारो स्टील प्लांट में हादसा

इलेक्ट्रिकल फ्लैश से दो मजदूर झुलसे,अस्पताल में भर्ती

शुभम संदेश। बोकारो

बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के स्टील मेल्टिंग शॉप-1 (एसएमएस-1) में सोमवार को एक गंभीर हादसा हो गया, जब एरिया रिपेयर शॉप में इलेक्ट्रिकल पैनल की मरम्मत के दौरान अचानक फ्लैश हो गया. इस हादसे में बीएसएल कर्मचारी देवव्रत यादव और एक ठेका मजदूर शक्ति पद वाउरी झुलस गए. दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद तत्काल बोकारो जनरल हॉस्पिटल (बीजीएच) में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है.
प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों मजदूर पैनल की मरम्मत कर रहे थे, तभी अचानक एक तेज इलेक्ट्रिकल फ्लैश हुआ, जिससे उन्हें झटका लगा और वे झुलस गए. हादसे के बाद कुछ देर के लिए प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई. मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने तत्परता से घायल मजदूरों को अस्पताल पहुंचाया.
बीएसएल के संचार प्रमुख मणिकांत धान ने बताया कि दोनों मजदूर खतरे से बाहर हैं और उन्हें सिर्फ मामूली बर्न इंजरी हुई है. डॉक्टरों की टीम उनके इलाज में जुटी हुई है और स्थिति अब नियंत्रण में है. हादसे की जानकारी मिलते ही दोनों के परिजन अस्पताल पहुंच गए और प्रबंधन से हालचाल लेते रहे.
बीएसएल प्रबंधन ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है और कहा है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सुरक्षा मानकों की समीक्षा की जाएगी और कड़े कदम उठाए जाएंगे. इस घटना ने प्लांट की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं.

लातेहार: निर्माणाधीन कॉलेज में खड़े जेसीबी और ट्रैक्टर को लगाई आग

शुभम संदेश। लातेहार

लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र के सुदूरवर्ती बेतर गांव में बीती रात अज्ञात लोगों ने एक निर्माणाधीन निजी कॉलेज परिसर में खड़े जेसीबी और ट्रैक्टर को आग के हवाले कर दिया. दोनों वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गए हैं. घटना के पीछे नक्सलियों का हाथ है या किसी आपराधिक गिरोह की साजिश है, इसका पता लगाने में पुलिस जुटी हुई है. ग्रामीणों के मुताबिक, देर रात कुछ लोग परिसर में घुसे और अचानक वाहनों में आग लगा दी. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे. दुर्गम इलाके और थाना से दूरी के चलते यह क्षेत्र अक्सर अपराधियों के निशाने पर रहता है. पुलिस पिकेट की मौजूदगी के बावजूद यह घटना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है.

कुख्यात राहुल सिंह के पांच गुर्गे चढ़े पुलिस के हत्थे, रेलवे साइडिंग पर गोलीबारी की तैयारी में थे

शुभम संदेश। लातेहार

लातेहार पुलिस ने कुख्यात राहुल सिंह के गैंग को बड़ा झटका दिया है. पुलिस ने उसके गैंग के पांच सक्रिय गुर्गों विश्वनाथ उरांव, संदीप यादव, फुलचन्द खलखो, तुलसी मुंडा और तनवीर अंसारी को गिरफ्तार कर लिया है. इनकी उम्र 19 से 33 साल के बीच है. संदीप यादव गुमला का निवासी है, जबकि बाकी चार रांची के विभिन्न इलाकों से हैं. गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने दो देसी पिस्तौल, पांच गोलियां और पांच मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं.
पुलिस ने बताया कि ये सभी मिलकर टोरी रेलवे स्टेशन पर कोयला लोडिंग में लगे लोगों पर फायरिंग की साजिश रच रहे थे, ताकि दहशत फैलाकर रंगदारी वसूली जा सके. इस खुलासे की जानकारी लातेहार पुलिस कप्तान कुमार गौरव ने दी. उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एसडीपीओ अरविंद कुमार की निगरानी में एसआई गठित की गयी, जिसने परसही डगडगी पुल के पास छापेमारी कर अपराधियों को गिरफ्तार किया.

सिमडेगा में 3 करोड़ का गांजा जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

शुभम संदेश। सिमडेगा

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मादक पदार्थों की तस्करी की एक बड़ी साजिश को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और सिमडेगा पुलिस ने मिलकर नाकाम कर दिया है. इस संयुक्त कार्रवाई में ओडिशा से बिहार ले जाई जा रही 441 किलोग्राम गांजे की भारी खेप को जब्त किया गया है, जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत करीब तीन करोड़ रुपये बताई जा रही है.
गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस और एनसीबी की टीम ने कोलेबिरा थाना क्षेत्र के छगरबंधा के पास एनएच 143 पर घेराबंदी कर हरियाणा नंबर की एक ट्रक को रोका. जांच के दौरान ट्रक के अंदर एक गुप्त केबिन से 85 पैकेटों में छिपाकर रखा गया गांजा बरामद हुआ.पकड़े गए गांजे के साथ ट्रक चालक और एक तस्कर को मौके से गिरफ्तार किया गया है.
एनसीबी के बिहार-झारखंड जोनल डायरेक्टर और सिमडेगा एसपी एम. अर्शी ने बताया कि यह कार्रवाई चुनाव से पहले नशे की खेप पहुंचाने की साजिश को विफल करने के उद्देश्य से की गई थी.अधिकारियों ने कहा कि तस्करी की यह खेप यदि बिहार पहुंच जाती, तो इसका उपयोग चुनाव को प्रभावित करने के लिए किया जा सकता था। एनसीबी और पुलिस का मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा.

घाटशिला उप चुनाव

तीन का नामांकन रद्द, अब कुल 14 प्रत्याशी मैदान में

शुभम संदेश ।घाटशिला

घाटशिला विधानसभा के उप चुनाव में स्क्रूटनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद तीन प्रत्याशियों के नामांकन तकनीकी कारणों से रद्द कर दिए गए हैं. जिन प्रत्याशियों के नामांकन रद्द हुए उनमें मालती टूडू (निर्दलीय), दुखी राम मांडी (आपकी विकास पार्टी), मंगल मुर्मू (राष्ट्रीय सनातन पार्टी) शामिल हैं. इसके बाद चुनाव मैदान में अब कुल 14 प्रत्याशी बचे हैं. इनमें निर्दलीय और विभिन्न पार्टियों के उम्मीदवार शामिल हैं. यदि कोई भी प्रत्याशी नामांकन वापस नहीं लेता है, तो 14 नवंबर को मतगणना के बाद इन 14 प्रत्याशियों का भविष्य तय होगा.

जिन उम्मीदवारों के नामांकन सही पाए गए

परमेश्वर टुडू (निर्दलीय), श्रीलाल किस्कू (निर्दलीय), बाबूलाल सोरेन (भाजपा), सोमेश चंद्र सोरेन (झामुमो), पार्वती हांसदा (पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया - डेमोक्रेटिक), मनसा राम हांसदा (निर्दलीय), नारायण सिंह (निर्दलीय), विकास हेंब्रम (निर्दलीय), पंचानन सोरेन (भारत आदिवासी पार्टी), बसंत कुमार तोपनो (निर्दलीय), रामदास मुर्मू (जेएलकेएम), मनोज कुमार सिंह (निर्दलीय), विक्रम किस्कू (निर्दलीय), रामकृष्ण कांति महली (निर्दलीय).

हजारीबाग: सदियों पुरानी 'दशामशा जो-जो' परंपरा के साथ दीपावली के बाद होती है अशुभता की विदाई

परंपरागत रीति-रिवाजों से जुड़ी ग्रामीण परंपरा में नकारात्मक ऊर्जा को किया जाता है दूर

शुभम संदेश। हजारीबाग

हजारीबाग के ग्रामीण इलाकों में दीपावली का त्योहार आज भी पुरानी आस्था, श्रद्धा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है. दीपावली की रौनक के बाद गांव में एक खास और सदियों पुरानी परंपरा निभाई जाती है, जिसे स्थानीय भाषा में ₹दशामशा भगाने₹ की परंपरा के नाम से जाना जाता है. इस अनूठी परंपरा का उद्देश्य अशुभता, नकारात्मक ऊर्जा और बुरी शक्तियों को घर-परिवार से दूर भगाना और आने वाले समय में सुख-शांति, समृद्धि तथा खुशहाली की कामना करना होता है.
दशामशा भगाने के दिन गांव के लोग पुराने बांस से बने सूप, डलिया, टोकरी, दौरा जैसी वस्तुओं को लेकर अपने-अपने घरों से निकलते हैं. ये बांस की वस्तुएं एक लंबी छड़ी में बांधकर या हाथ में लेकर पूरे गांव का सामूहिक रूप से भ्रमण किया जाता है. इस यात्रा में गांव के बुजुर्ग, युवा, महिलाएं और बच्चे सभी उत्साह, श्रद्धा और परंपरा के साथ भाग लेते हैं. बांस की ये वस्तुएं बजाई जाती हैं, जिससे माहौल में एक खास तरह की मधुर और आध्यात्मिक ध्वनि उत्पन्न होती है, जो पूरे गांव को एक सकारात्मक ऊर्जा से भर देती है.
गांव का भ्रमण पूरा करने के बाद सभी लोग मुख्य चौराहे पर एकत्रित होते हैं, जहां इन बांस की वस्तुओं को विधिपूर्वक आग के हवाले किया जाता है. इस दौरान ₹दशामशा जो-जो !₹ जैसे पारंपरिक नारे लगाए जाते हैं, जो इस कार्यक्रम को एक विशेष आध्यात्मिक रूप देते हैं. स्थानीय लोगों का मानना है कि इस प्रक्रिया से घर-परिवार की दरिद्रता, कलह और नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है. बांस की वस्तुओं का जलना बीते हुए दोषों, बुराइयों और दुर्भाग्य के समाप्ति का प्रतीक होता है.
यह परंपरा न केवल धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह सामाजिक एकता और सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत करती है. दशामशा भगाने की यह अनूठी परंपरा नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ती है और यह दर्शाती है कि ग्रामीण भारत आज भी अपनी सांस्कृतिक विरासत को कितनी मजबूती से संजोए हुए है. ऐसे उत्सव और परंपराएं गांवों में सामाजिक मेलजोल और सांस्कृतिक समरसता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं.
इस प्रकार, हजारीबाग के गांवों में दीपावली के बाद दशामशा भगाने की यह पुरानी परंपरा न केवल अशुभता का अंत करती है, बल्कि नयी आशाओं और खुशियों का संदेश भी लेकर आती है, जो ग्रामीण जीवन की जीवंतता और सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाती है.

छठ महापर्व पर रांची में बदलेंगे ट्रैफिक नियम शहर में भारी वाहनों की एंट्री पर भी रहेगी रोक

शुभम संदेश। रांची

आस्था के महापर्व छठ को लेकर राजधानी रांची पूरी तरह तैयार है. छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के मद्देनजर रांची ट्रैफिक पुलिस ने शहर में विशेष यातायात योजना लागू की है. 27 और 28 अक्टूबर को भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए ट्रैफिक रूट में कई अहम बदलाव किए गए हैं. इन दो दिनों के लिए भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक के साथ-साथ कुछ मार्गों पर छोटे वाहनों और ऑटो-रिक्शा के संचालन पर भी प्रतिबंध लगाया गया है.

शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर दो दिन तक रोक : रांची के ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह की ओर से जारी आदेश के अनुसार 27 अक्तूबर को सुबह 8 बजे से रात 11 बजे तक और 28 अक्तूबर को तड़के 2 बजे से सुबह 10 बजे तक शहर की सीमाओं में भारी मालवाहक वाहनों का प्रवेश पूरी तरह वर्जित रहेगा. इन वाहनों को रिंग रोड मार्ग से होकर अपने गंतव्य तक जाने की अनुमति होगी. सामान्य दिनों की तरह नो-एंट्री का समय पहले जैसा ही रहेगा.

छठ घाटों के पास की गयी पार्किंग व्यवस्था

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शहर के प्रमुख छठ घाटों के आस-पास विशेष पार्किंग जोन बनाए गए हैं. नगर निगम पार्क, रॉक गार्डन, शालीमार बाजार, शहीद मैदान, देवेंद्र मांझी चौक और अन्य स्थानों पर वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की गई है. पार्किंग स्थल का निर्धारण इस प्रकार किया गया है कि घाटों तक पैदल पहुंच पाना आसान हो और ट्रैफिक जाम की स्थिति न बने.

क्रम	स्थान / मार्ग	निर्धारित पार्किंग स्थल
1	रणधीर वर्मा चौक – हटनिया तालाब मार्ग	नगर निगम पार्क के सामने / रोड किनारे
2	एसएसपी आवास चौक – हटनिया तालाब मार्ग	रोड किनारे
3	जकिर हुसैन पार्क – हटनिया तालाब मार्ग	नगाबाबा खटाल / रोड किनारे
4	राम मंदिर – कांके डैम मार्ग	सीएमपीडीआई, गांधी नगर, रॉक गार्डन
5	शालीमार बाजार – छठ तालाब मार्ग	शालीमार बाजार पार्किंग स्थल
6	शहीद मैदान – छठ तालाब मार्ग	शहीद मैदान पार्किंग स्थल
7	जेल चौक के पास	भगवान बिरसा मुंडा प्रतिमा के पास / रोड किनारे
8	लालपुर यातायात थाना क्षेत्र	रोड किनारे
9	सर्जना चौक – बड़ा तालाब मार्ग	फिरायालाल और सर्जना चौक के बीच पार्किंग स्थल
10	चुटिया – स्वर्णरेखा नदी घाट मार्ग	सरस्वती शिशु मंदिर के बगल में
11	बनस तालाब, चुटिया	रोड किनारे
12	किशोरगंज चौक – बड़ा तालाब मार्ग	रोड किनारे
13	देवेंद्र मांझी चौक क्षेत्र	निवारणपुर में पार्किंग व्यवस्था

छोटे वाहन और ऑटो-रिक्शा पर भी रोक

27 अक्तूबर को दोपहर 2 बजे से रात 8 बजे तक छोटे मालवाहक वाहन शहर में नहीं चल पाएंगे. इसी दिन दोपहर 3 बजे से रात 8 बजे तक चांदनी चौक, कांके और राम मंदिर के बीच ऑटो व ई-रिक्शा के परिचालन पर रोक रहेगी. इसके अलावा अलबर्ट एक्का चौक (फिरायालाल चौक) से चढरी तालाब और जेल चौक से अलावा अलबर्ट एक्का चौक(फिरायालाल चौक) की ओर जाने वाली सड़क पर सभी वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित होगी. ट्रैफिक पुलिस ने बताया है कि जरूरत पड़ने पर अन्य सड़कों को भी कुछ समय के लिए डायवर्ट या अस्थायी रूप से बंद किया जा सकता है

जरूरत पड़ने पर हो सकते हैं और बदलाव

ट्रैफिक पुलिस ने बताया है कि भीड़ की स्थिति को देखते हुए अन्य मार्गों को भी अस्थायी रूप से बंद या डायवर्ट किया जा सकता है. ट्रैफिक व्यवस्था को लचीला रखा गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत बदलाव किया जा सके.

जनता से ट्रैफिक पुलिस की अपील

रांची ट्रैफिक पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से निजी वाहन लेकर घाटों की ओर न जाएं, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें और ट्रैफिक कर्मियों के निर्देशों का पालन करें. पुलिस का कहना है कि जनता के सहयोग से ही छठ पर्व शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराया जा सकता है.

छठ महापर्व को लेकर जिला प्रशासन सतर्क : उपायुक्त और एसएसपी ने किया घाटों का निरीक्षण

ड्रोन से होगी निगरानी, साफ-सफाई, सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था के दिए निर्देश

- महिला सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण पर रहेगा विशेष जोर

शुभम संदेश। रांची

महापर्व छठ पूजा को लेकर राजधानी रांची में तैयारियां जोरों पर हैं. श्रद्धा और आस्था के इस पर्व को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है. इसी कड़ी में बुधवार को रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और एसएसपी राकेश रंजन ने शहर के प्रमुख छठ घाटों का निरीक्षण किया. उन्होंने कांके डैम और राजभवन के पास स्थित हटानिया तालाब का विशेष रूप से जायजा लिया.

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने नगर निगम और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी छठ घाटों पर सफाई, पेयजल, लाइटिंग, अस्थायी शौचालय और चेंजिंग रूम जैसी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए. उन्होंने कहा, “छठ पूजा केवल आस्था का नहीं, बल्कि स्वच्छता का भी प्रतीक है. सभी घाटों की सफाई पूजा प्रारंभ होने से पूर्व पूरी हो जानी चाहिए और जलभराव जैसी समस्याएं नहीं होनी चाहिए.”

महिला श्रद्धालुओं और बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि : एसएसपी

एसएसपी राकेश रंजन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की. उन्होंने कहा कि छठ पूजा के दौरान महिला श्रद्धालुओं और बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि रहेगी. इसके लिए पर्याप्त संख्या में महिला पुलिसकर्मियों, पुलिस बल और होमगार्ड की तैनाती की जाएगी. साथ ही, भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग और निगरानी के विशेष इंतजाम किए जाएंगे. एसएसपी ने बताया कि ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए मुख्य घाटों पर ट्रैफिक पुलिस की तैनाती होगी. वाहन चालकों के लिए वैकल्पिक मार्ग और पार्किंग की व्यवस्था भी की जा रही है. इसके अलावा, भीड़ पर निगरानी रखने के लिए ड्रोन कैमरों की मदद ली जाएगी.

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने विभिन्न तालाबों का निरीक्षण किया

शुभम संदेश। रांची

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बुधवार को रांची के विभिन्न तालाबों का निरीक्षण किया. लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारी को लेकर स्वामी विवेकानंद सरोवर (बड़ा तालाब) धुर्वा डैम, बटन तलाव डोरंडा, जगन्नाथपुर तालाब ,स्वर्णरेखा नामकुम, तेतरी टोली हाई टेंशन कॉलोनी, मत्स्य अनुसंधान केंद्र शालीमार ,छोटा डैम, आदर्श नगर धुर्वा, स्मार्ट सिटी तलाव, सहित विभिन्न स्थान के छठ घाटों का निरीक्षण किया। यहां चल रही तैयारी का जायजा लिया. छठ घाट समितियों के प्रतिनिधियों से छठ की तैयारी और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर चर्चा हुई. सेठ ने बड़ा तालाब के तोरण द्वार के मरमती कारण करने एवं सभी तालाब में लाइट की व्यवस्था साफ सफाई की व्यवस्था महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम के प्रशासक से बात की केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ द्वारा बड़ा तालाब एवं स्वर्णरेखा घाट नामकुम में सोलर हाई मास्क अभिलंब लगाया जाएगा.

सेठ ने कहा एनडीआरएफ की टीम पूरी मुस्तादी के साथ सभी छठ घाटों पर मौजूद रहेगी. सेठ ने सभी पूजा समितियों से कहा किसी प्रकार की छठ वर्तियो को कोई कठिनाई नहीं होगी. उन्हें हर संभव मदद किया जाएगा. इस अवसर पर राजीव रंजन मिश्रा, ऋषभ कक्कड़, रवि कुमार, पिंकू उमेश यादव नवीन सोनी सुचिता रानी दीपक लोहरा, नकुल तिर्की पिंटू सिंह रिंकू सिंह प्रमोद सिंह जुगनू साहू धर्मेंद्र सिंह सहित दर्जनों समिति के लोग मौजूद रहे.

व्यापारियों को डराकर वसूली मामले में प्रिंस खान व सुजीत सिन्हा का गठजोड़ बेनकाब

रांची पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 4 अपराधी गिरफ्तार, हथियार और कार भी जब्त

- पूछताछ में अंतरराष्ट्रीय रंगदारी नेटवर्क का खुलासा
- पाकिस्तान से पंजाब के मोगा में ड्रोन से आते हैं हथियार
- यूएई के रास्ते पाकिस्तान भेजे जाते हैं पैसे

शुभम संदेश। रांची

राजधानी रांची में संगठित अपराध के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है. रांची पुलिस ने बताया है कि शहर में व्यापारियों को धमकाकर रंगदारी वसूलने के लिए दो कुख्यात अपराधिक गिरोह के गैंगस्टर प्रिंस खान और सुजीत सिन्हा ने आपस में हाथ मिला लिया है.। इस आपराधिक गठजोड़ के खिलाफ की गई कार्रवाई में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें बबलू खान, मो. शाहिद, मो. सेराज और रवि आनंद शामिल है. पुलिस ने गिरफ्तार अपराधियों के पास से हथियार और एक कार भी बरामद किए हैं. एसएसपी राकेश रंजन के नेतृत्व में गठित विशेष टीम को यह सफलता मिली है. जानकारी के मुताबिक, यह गिरोह “कोयलांचल शांति सेना” के नाम पर शहर के बड़े व्यापारियों को लगातार धमकी देता रहा है. पुलिस को मिले इनपुट के बाद कई दिनों से इन अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी.

ड्रोन से पाकिस्तान से आ रहे हैं हथियारछ : पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अपराधियों ने जो खुलासे किए हैं, वे चौंकाने वाले हैं. बताया कि जिन हथियारों का इस्तेमाल रांची और अन्य जगहों पर किया जा रहा है, वे पाकिस्तान से पंजाब के मोगा जिले के रास्ते ड्रोन के माध्यम से भारत में भेजे जाते हैं. इन हथियारों का इस्तेमाल व्यापारियों में भय फैलाने और रंगदारी वसूलने में किया जा रहा है.

सत्यभामा अपार्टमेंट फायरिंग में भी कनेक्शन : पुलिस के अनुसार, डोरंडा थाना क्षेत्र स्थित सत्यभामा अपार्टमेंट के बाहर हुई फायरिंग की घटना में भी इन्हीं गिरफ्तार आरोपियों द्वारा हथियार मुहैया कराए गए थे. इससे यह स्पष्ट होता है कि यह गिरोह कितनी गंभीर घटनाओं में संलिप्त है.पुलिस अब इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों और विदेशी कनेक्शन की गहन जांच में जुटी है. जांच एजेंसियां यह पता लगाने में लगी हैं कि हथियारों की आपूर्ति और धन के लेन-देन की श्रृंखला में और कौन-कौन शामिल है.

इंटरनेशनल नेटवर्क: यूएई के रास्ते पाकिस्तान तक पैसा

पुलिस के अनुसार, रंगदारी वसूली में बबलू खान की अहम भूमिका है. वह अपने साथियों की मदद से रांची में कारोबारियों से पैसा वसूलता है और फिर वह रकम सुजीत सिन्हा के गुर्गों के जरिए प्रिंस खान तक पहुंचती है. प्रिंस खान उस पैसे को यूएई के जरिए पाकिस्तान भेजता है, जहां उसका इस्तेमाल अवैध हथियारों की खरीद और अन्य आपराधिक गतिविधियों के लिए किया जाता है. पुलिस का कहना है कि यह नेटवर्क सिर्फ स्थानीय अपराध तक सीमित नहीं है, बल्कि एक संगठित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक गिरोह के रूप में काम कर रहा है. यह गिरोह भारत में दहशत फैलाकर पैसे वसूलता है और उस पैसे का उपयोग विदेशी धरती पर आतंक और अपराध फैलाने के लिए करता है.

किशोरगंज-श्री डोरंडा बाजार काली पूजा समिति ने मां काली को अर्पित किया खिचड़ी भोग

शुभम संदेश। रांची

हरमू रोड किशोरगंज काली पूजा समिति के साथ ही साथ श्री डोरंडा बाजार काली पूजा समिति, डोरंडा द्वारा आयोजित भव्य मां काली पूजनोत्सव के चौथे दिन की शुरुआत प्रातः 9 बजे मां काली की नित्य पूजन-अनुष्ठान से हुई. विधिवत पूजा-अर्चना, आरती एवं पुष्पांजलि के माध्यम से माता की आराधना की गई. दोपहर में मां काली को खिचड़ी, सब्जी, चटनी और विभिन्न प्रकार के भाजा का भोग अर्पित किया गया. शाम 7 बजे भक्तिमय माहौल में माता की आरती संपन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए. किशोरगंज के पूजा पंडाल में अध्यक्ष प्रेम वर्मा, अंकित सिंह के अगुवाई में समिति के सदस्यों ने आगंतुकों को स्वागत कियाउधर डोरंडा काली पूजी समिति के पंडाल में सांसद आदित्य प्रसाद साहू, भाजपा नेता मनोज सिंह, सरोज सिंह, श्रीहरि दास, सतीश जी, रांची के उपायुक्त, वरीय आरक्षी अधीक्षक, सदर अनुमंडल पदाधिकारी व श्री महावीर मंडल रांची के अध्यक्ष जयसिंह यादव प्रमुख रूप से पूजा पंडाल पहुंचे और मां काली का दर्शन किया. खिचड़ी भोग वितरण सहित अन्य आयोजन में समिति के अध्यक्ष राजू चौरसिया, सचिव जयदेव घोष के साथ-साथ प्रदीप पांडेय, निर्मल गुप्ता, प्रदीप कुमार मुन्ना, प्रकाश मामा, प्रकाश वर्मा, अशोक पासवान, श्यामल घोष, नवीन मल्होत्रा, विवेक सहाय, विजय सिन्हा, सुनील सिन्हा, चंदन सिंह, कुंदन प्रसाद, सन्टू, सुभाष, महादेव घोष, राहुल चौरसिया, अभिषेक घोष, संजय घोष, मुन्ना लाल, दीपक राम, राकेश पाल, महेश विजय, विश्वनाथ राम, उत्तम ठाकुर, सुजीत मालाकार जुटे रहे.

बदलती दुनिया में कायस्थों की भूमिका हमेशा की तरह बहुत ही प्रभावी है

डॉ. प्रणव कुमार बब्बू

ऋषियों में उत्तम ऋषि सुशर्मा ने ब्रह्माजी का ध्यान किया. तब ब्रह्माजी ने प्रसन्न हो इरावती नाम की कन्या को पाकर चित्रगुप्त के साथ उसका विवाह किया. उस कन्या से चित्रगुप्त के आठ पुत्र उत्पन्न हुए. उनके नाम चारु, सुचारु, चित्र, मतिमान, हिमवान, चित्रचारु, अरुण और अतीन्द्रिय हैं. दूसरी जो मनु की कन्या दक्षिणा थीं, उनका विवाह श्री चित्रगुप्त से हुआ, जिनसे उनके चार पुत्र हुए. उनके नाम भानु, विभानु, विश्वभानु और वीर्य्यावान् हैं. चित्रगुप्त के ये 12 पुत्र विख्यात हुए और पृथ्वी-तल पर विचरे.

चित्रगुप्त के पुत्रों में से चारू मथुराजी गये और वहां रहने से माथुर कहलाए. हे राजन, सुचारु गौड़ बंगाल गए और वे गौड़ कहे गए. चित्रभट्ट नदी के पास के नगर को गए, जिससे वे भटनागर कहलाए. श्रीवास नगर में भानु बसे, इससे वे श्रीवास्तव कहलाए. हिमवान मां अंबा दुर्गाजी की आराधना कर अंबा नगर में ठहरे, इससे वे अंबष्ठ कहलाये. सखसेन नगर में अपनी भार्या के साथ मतिमान गए, जिससे वे सूर्यध्वज कहलाए.

2020 में वैश्विक महामारी कोरोना के कारण दुनिया की परेशानी, समस्याएं और विकट परिस्थितियां बढ़ीं और तब कायस्थों की भूमिका भी बहुत अधिक बढ़ गयी. आज भगवान श्री चित्रगुप्त जी महाराज के पूजन की सबसे अधिक सार्थकता इसी बात में है कि बदली हुई दुनिया में हम स्वयं को किस प्रकार से ढालें और अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें. बल्कि ना सिर्फ योगदान पर इससे कहीं बढ़कर समाज के सभी क्षेत्रों में सभी के हित में कार्य करें, जो कि इस दुनिया को बेहतर स्वरूप में ढाल सकें. एक बात निश्चित मानकर चलें चाहे अबतक के हमारे खाते में जितनी भी उपलब्धियां हों, मगर दुनिया को अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देना अबतक बाकी है और यह बात जितना मेरे मामले में सत्य और सार्थक है, उतना ही आप सभी के मामले में भी.

(-लेखक वरीय अधिवक्ता, रांची बार एसोसिएशन के सदस्य और कायस्थ काउंसिल ऑफ इंडिया (केसीआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं)

श्री चित्रगुप्त पूजा पर विशेष

दुनिया के कोने-कोने में हैं भगवान श्री चित्रगुप्त के वंशज

भगवान श्री ब्रह्मा जी की नाभि से उत्पन्न हुए भगवान श्री चित्रगुप्त के वंशज अर्थात कायस्थ अथवा चित्रांश आज दुनिया के कोने-कोने में हैं. वह अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दे रहे हैं. विज्ञान, तकनीक, अनुसंधान, राजनीति, शासन-प्रशासन, साहित्य, कला, खेलकूद अर्थात दुनिया का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है, जहां कायस्थों की महत्वपूर्ण भूमिका न हो. हकीकत यह है कि पूरी दुनिया में कायस्थों की समृद्ध परंपरा रही है और बदलते परिप्रेक्ष्य में यह और भी प्रभावी होकर उभर रही है.

कायस्थों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की है अमिट छाप

भारत के संदर्भ में यदि बात की जाए, तो केवल तीन सशक्त उदाहरण हैं. साहित्य शिरोमणि मुंशी प्रेमचंद की बात हो या फिर राजनीति में सादगी के प्रतीक लाल बहादुर शास्त्री या देशरत्न भारत रत्न डॉ.राजेंद्र प्रसाद जैसे व्यक्तित्व की. हर स्थान पर कायस्थों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की अमिट छाप है.

श्री श्याम मंदिर अग्रसेन पथ में कार्तिक माह के पावन अवसर पर अन्नकूट भोग अर्पित

रांची। श्री श्याम मंडल, रांची द्वारा अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में बुधवार को कार्तिक माह के पावन अवसर पर प्रातः 11 बजे खाटू नरेश श्याम बाबा को भव्य अन्नकूट भोग अर्पित किया गया. मुख्य यजमान बबीता मोदी ने अपने पूरे परिवार निकिता मोदी, अंशुल मोदी, ललित मोदी एवं केशव मोदी के साथ श्री श्याम प्रभु को अन्नकूट भोग अर्पित किया. शुरुआत मंडल के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश बागला, मंत्री धीरज बंका व मोदी परिवार द्वारा गणेश पूजन से हुई, इसके पश्चात मंदिर में विराजित वीर बजरंगबली एवं शिव परिवार का विधिवत पूजन कर फल और मिष्ठान अर्पित किए गए, पूरे मंदिर परिसर में “हारे के सहारे की जय” और “लखदातार की जय-जयकार” की गूंज सुनाई देती रही. अन्नकूट भोग मंदिर में ही तैयार किया गया था, जिसमें 500 से अधिक भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया. कार्यक्रम के सफल आयोजन में विकास पाड़िया, प्रमोद बगड़िया, मनोज ढांढनीयाँ, प्रदीप अग्रवाल, अभिषेक डालमिया, प्रियांश पोद्दार, बालकिशन परसरामपुरिया, नितेश केजरीवाल, राजेश सारस्वत एवं नितेश लखोटिया का सहयोग रहा.

उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने और अंबेडकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में पलामू में हुआ प्रदर्शन

शुभम संदेश ।पलामू

पलामू जिले के हुसैनाबाद में उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर न्यायालय परिसर में जूता फेंकने की घटना और ग्वालियर में अनिल मिश्रा द्वारा भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के विरोध में अंबेडकर चेतना परिषद और यूनाइटेड मिल्ली फोरम ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया.
दोनों संगठनों के पदाधिकारी और सदस्य बुधवार को जपला क्षेत्र में एकत्रित हुए और दोनों घटनाओं के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी व्यक्त की. उन्होंने कहा कि ये घटनाएं निंदनीय, अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक हैं, जो न केवल संवैधानिक मर्यादाओं का उल्लंघन हैं, बल्कि समाज की भावनाओं को भी गहरा आघात पहुंचाती हैं. ऐसे कृत्य सामाजिक सौहार्द और शांति को भंग करने का कारण बन सकते हैं. प्रदर्शन के दौरान अंबेडकर चेतना परिषद एवं यूनाइटेड मिल्ली फोरम के सदस्यों ने प्रशासन को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में मांग की

गई है कि मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता फेंकने वाले व्यक्ति और बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले अनिल मिश्रा को तत्काल गिरफ्तार किया जाए. साथ ही, इन दोनों मामलों में दोषियों के खिलाफ कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि ऐसी घटनाओं को पुनः होने से रोका जा सके और समाज में कानून का राज कायम रहे. प्रदर्शन में शामिल संगठनों के पदाधिकारियों ने कहा कि न्यायालय और संविधान के प्रति सम्मान बनाए रखना हर नागरिक का कर्तव्य है और किसी भी प्रकार का अपमान लोकतंत्र के खिलाफ है. इस प्रकार के कृत्य समाज में विभाजन और असहिष्णुता को बढ़ावा देते हैं, जिसे हर स्तर पर रोकना जरूरी है.

इस अवसर पर अंबेडकर चेतना परिषद के प्रमुख सदस्य और यूनाइटेड मिल्ली फोरम के कार्यकर्ता मौजूद थे, जिन्होंने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग को लेकर एकजुट होकर आवाज बुलंद की.

एक नजर

सांसद ने समिति में रखीं कोयला कॉरिडोर पुनर्वास और विकास से जुड़ी अहम मांगें

लातेहार । चतरा सांसद कालीचरण सिंह ने लोकसभा सचिवालय में आयोजित कोयला, खान एवं इस्पात संबंधी स्थायी समिति की बैठक में चतरा लोकसभा क्षेत्र के कई ज्वलंत मुद्दों को मजबूती से उठाया. उन्होंने अम्रपाली, मगध, अशोका, पिपरवार समेत अन्य परियोजनाओं के लिए अलग कोयला ढुलाई कोरिडोर की मांग करते हुए कहा कि आम सड़कों पर कोयला ट्रकों का दबाव बढ़ने से जनजीवन प्रभावित हो रहा है. सांसद ने प्रदूषण नियंत्रण और स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य की चिंता जताई और प्रभावी कदमों की मांग की. उन्होंने विस्थापित परिवारों के पुनर्वास और रोजगार सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया. श्री सिंह ने समिति को बताया कि चतरा क्षेत्र सीसीएल के कुल उत्पादन में 67% योगदान देता है, लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार जैसी सुविधाएं बेहद सीमित हैं. उन्होंने क्षेत्र के समग्र विकास के लिए मास्टर प्लान तैयार करने और विकास का रोडमैप बनाने का आग्रह किया.

अज्ञात लोगों ने जेसीबी-ट्रैक्टर में लगाई आग, नक्सली कनेक्शन की जांच में जुटी लातेहार पुलिस

लातेहार । चंदवा थाना क्षेत्र के बेतर गांव में निर्माणाधीन निजी कॉलेज परिसर में खड़े एक जेसीबी और ट्रैक्टर को अज्ञात लोगों ने आग के हवाले कर दिया. घटना बुधवार रात की है. पुलिस के अनुसार, नक्सलियों द्वारा लेवी के लिए घटना को अंजाम दिए जाने की आशंका है, हालांकि कोई पोस्टर या पर्चा बरामद नहीं हुआ है. मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारी एसडीपीओ अरविंद कुमार ने बताया कि घटना की हर एंगल से जांच की जा रही है और दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा. स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक दोनों वाहन जलकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके थे.

एसएसबी ने औरंगा नदी छठ घाट पर किया श्रमदान

लातेहार । लातेहार में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 32वीं वाहिनी के कमांडेंट राजेश कुमार के निर्देश पर अधिकारी और जवानों ने बुधवार सुबह औरंगा नदी स्थित मुख्य छठ घाट में श्रमदान किया. जवानों ने नदी की रेत को समतल कर छठ व्रतियों के लिए बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की. श्री सूर्यनारायण पूजा समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने एसएसबी के जवानों को धन्यवाद दिया. अधिवक्ता राजीव रंजन पांडेय ने भी समिति के काम की सराहना की और शहरवासियों से श्रमदान में भाग लेने की अपील की. थाना प्रभारी रामाकांत गुप्ता और एसआई कुबेर पोद्दार ने भी सहायता का आश्वासन दिया. इस वर्ष छठ घाटों पर प्रकाश व्यवस्था, ध्वनि विस्तारक, तोरण द्वार और अस्थायी स्नानागार की व्यवस्था की जा रही है. सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने नगरवासियों से सहयोग की अपील की. मौके पर समिति के कई सदस्य भी मौजूद थे.

हुसैनाबाद और हैदरनगर में छठ पर्व की तैयारी सूप-दउरा की खरीदारी के लिए बाजार में बढ़ी भीड़

हुसैनाबाद । अनुमंडल और हैदरनगर बाजार में छठ पर्व से पहले सूप व दउरा खरीदने वालों की भारी भीड़ देखी जा रही है. अंबेडकर चौक और हैदरनगर के मुख्य बाजार में कई दुकानदार सूप व दउरा की बिक्री कर रहे हैं. इस बार छठ व्रत करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने का अनुमान है. विक्रेता भरत चंद्रवंशी ने बताया कि सूप की कीमत 80 से 100 रुपए तथा दउरा 100 से 120 रुपए के बीच बिक रहा है. उन्होंने कहा कि इस बिक्री से स्पष्ट होता है कि इस वर्ष क्षेत्र में ज्यादा लोग छठ पर्व मनाने के लिए तैयार हैं. महंगाई के बावजूद भी श्रद्धालु अपनी आस्था के कारण छठ पर्व उत्साह से मना रहे हैं. बाजार में व्रतधारियों की बढ़ती भीड़ इसके स्पष्ट संकेत हैं.

चंदवा माल्हन मैक्लुस्कीगंज सड़क पर बिना नंबर अर्टिगा वाहन के साथ विवाद, पुलिस जांच में जुटी

चंदवा । चंदवा माल्हन मैक्लुस्कीगंज सड़क के डोड़का पुलिया के पास बिना नंबर और कोयले की धूल से सनी एक सफेद अर्टिगा वाहन लावारिश मिली. वाहन पर नंबर प्लेट नहीं होने से संदेह बढ़ा. भीम आर्मी प्रदेश सचिव बीरेन्द्र कुमार ने यह सूचना लातेहार पुलिस अधीक्षक को दी. पुलिस के पहुंचने से पहले अमित दूबे नामक व्यक्ति एक अन्य व्यक्ति को पेट्रोल लेकर आया और उस वाहन में पेट्रोल डलवाकर ड्राइवर ने वाहन स्टार्ट कर भागने की कोशिश की. बाद में वह वाहन चंदवा थाना परिसर में मिला. पुलिस ने वाहन और आरोपियों को जप्त कर लातेहार जेल भेजा. बताया गया कि अमित दूबे, जो पुलिस संरक्षण में अवैध वसूली करता था, घटना के बाद फरार हो गया. पुलिस अधीक्षक ने जांच का आदेश दिया है. जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होगी.

पाटन के नावा जयपुर में ग्रामीणों ने आपस में चंदा कर बनवाई मिट्टी-मोरम की सड़क, आवागमन हुआ सुगम

पाटन/पलामू । पाटन प्रखंड के नावाजयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत महुलिया पंचायत के चुरादोहर गाँव में विकास की कमी के कारण सड़क न होने से लोगों को आवागमन में कड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा था. कई बार ग्रामीणों ने इस समस्या को जनप्रतिनिधियों के समक्ष रखा, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया. इसके बाद गाँव के राजी पढ़ा सारना प्रार्थना सभा के अध्यक्ष एवं पाहन छठन उरांव के नेतृत्व में ग्रामीणों ने बैठक कर निजी खर्च से सड़क निर्माण करने का निर्णय लिया. यह सड़क मिशन स्कूल चुरादोहर चौक से चुरादोहर बाजार तक लगभग 1 किलोमीटर लंबी है. ग्रामीणों ने मिशन स्कूल से अमर उरांव के घर तक और राजेश उरांव के घर से सत्यनारायण उरांव के घर तक सड़क बनवाई. ग्रामीणों ने बताया कि चुनाव के समय जनप्रतिनिधि वोट मांगने आते हैं, लेकिन जीतने के बाद गाँव की सुध नहीं लेते. इस पहल में पनपत्ति देवी, किरण उरांव, निर्मला उरांव, शांति उरांव, सुनीता उरांव, फूलमती कुंवर, अमर उरांव, राजेश उरांव, पूजा उरांव, अमरेश राम, नागेश उरांव, विनय उरांव, सत्यनारायण उरांव, निरंजन कुमार रवि सहित कई ग्रामीण सक्रिय रूप से शामिल रहे. अब यह सड़क बनने से ग्रामीणों का आवागमन सुगम हो गया है और उन्हें राहत मिली है.

शिक्षकों के लिए दो दिनी कक्षा प्रबंधन कार्यशाला

मेदिनीनगर ।संत मरियम स्कूल में शिक्षकों के लिए दो दिवसीय कक्षा प्रबंधन कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई. इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को प्रभावी कक्षा प्रबंधन तकनीकों से अवगत कराना और शिक्षण की गुणवत्ता को बढ़ाना था. मुख्य प्रशिक्षकों चिंशू सिंह और उमाशंकर सिंह ने शिक्षकों को कक्षा व्यवस्थित रखने, छात्रों को सक्रिय रूप से सीखने के लिए प्रेरित करने तथा सकारात्मक और सहयोगात्मक शैक्षिक वातावरण बनाने की व्यावहारिक विधियाँ सिखाईं. उन्होंने विशेष रूप से सकारात्मक पुनर्बलन और प्रभावी शिक्षण-अधिगम रणनीतियों पर जोर दिया. विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने कहा कि यह कार्यशाला केवल अनुशासन तक सीमित नहीं थी, बल्कि छात्रों के नैतिक विकास, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व निर्माण में शिक्षकों की भूमिका को भी उजागर करती है. प्राचार्य कुमार आदर्श ने प्रशिक्षकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन शिक्षक समुदाय के सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं. इस अवसर पर उप प्राचार्य एस.बी. शाहा, प्रवीण दुबे, समन्वयक अमरेंद्र कुमार, रोशन राज, रिजवाना प्रवीण, एकता सहाय सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे.

झारखंड क्रांति मंच ने वित्त मंत्री से इस्तीफा मांगा

मेदिनीनगर । झारखंड क्रांति मंच के केंद्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु ने राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर से इस्तीफा देने की मांग की है. उन्होंने कहा कि यदि मंत्री अनुसूचित जाति आयोग का गठन नहीं करा सकते और अनुसूचित जातियों पर हो रहे अत्याचार रोक नहीं पाते हैं, तो उन्हें मंत्री पद से तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए. शत्रु ने आरोप लगाया कि हेमंत सरकार ने संवैधानिक रूप से अनुसूचित जाति आयोग के गठन पर ध्यान नहीं दिया, जो निंदनीय है. उन्होंने पलामू जिले में एक प्रतिष्ठित दलित महिला के साथ पलामू एसपी रिष्मा रमेशन के दुर्व्यवहार की भी निंदा की. कहा कि एसपी ने उस महिला से शारीरिक हिंसा की और मोबाइल छीन लिया. साथ ही, पुलिस के पुरुष कर्मियों द्वारा अनुसूचित जाति महिलाओं के खिलाफ की गई पिटाई को भी मानवाधिकार उल्लंघन बताया. शत्रु ने जेएमएम के कुछ नेताओं की मानसिकता पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसी मानसिकता वाले नेताओं को शर्मसार होना चाहिए. उन्होंने राज्य सरकार से दलितों के सम्मान और सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया.

लक्ष्मी पूजा पर सुआ ठाकुर टोला में सांस्कृतिक कार्यक्रम

मेदिनीनगर । लक्ष्मी पूजा के अवसर पर सदर प्रखंड के सुआ ठाकुर टोला में नवरंग क्लब द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि मुकेश कुमार गुप्ता, सुआ मुखिया दुलारी देवी, पूर्व जिला परिषद सदस्य अर्जुन सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने फीता काटकर किया. मुख्य अतिथि मुकेश कुमार गुप्ता ने कहा कि धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने से क्षेत्र में एकता, भाईचारा और सौहार्द बढ़ता है. उन्होंने कलाकारों की प्रतिभा निखारने पर जोर दिया और धार्मिक कार्यों में सहयोग की बात कही. सुआ मुखिया दुलारी देवी ने कहा कि दीपावली का पर्व भगवान श्रीराम के अयोध्या आगमन की खुशी में मनाया जाता है. कार्यक्रम में अजय सिंह, शक्तिमान विश्वकर्मा, सिद्धार्थ पाल सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे. इस आयोजन से सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा मिला और सभी ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया.

मनिका में भू-माफियाओं का आतंक : थाने में सुरक्षा की गुहार

पत्रकार और नेता को मिली जान से मारने की धमकी

लातेहार (मनिका)

जिले के मनिका प्रखंड में भू-माफियाओं का हौसला इस कदर बुलंद हो गया है कि अब वे न सिर्फ सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा कर रहे हैं, बल्कि इस अनियमितता को उजागर करने वाले पत्रकारों और नेताओं को जान से मारने की धमकी देने लगे हैं. हाल ही में एक स्थानीय पत्रकार ने 10 एकड़ सरकारी जमीन पर हो रहे अवैध कब्जे की खबर एक अखबार में प्रमुखता से प्रकाशित की. इसके बाद से भू-माफिया प्रदुमन प्रसाद ने पत्रकारों और मुद्दा उठाने वाले नेताओं को धमकाना शुरू कर दिया.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पत्रकार को खुलेआम धमकी दी गई कि ₹दस-बीस हजार रुपये में आजकल शूटर मिल जाते हैं₹, जिससे पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं में दहशत का माहौल है. मामला गंभीर होते देख पीड़ित पत्रकार ने स्थानीय नेताओं को इसकी जानकारी दी. इसके बाद कांग्रेस नेता सुरेंद्र पासवान और भाजपा नेता लव कुमार दुबे ने मनिका थाना में लिखित शिकायत देकर अपनी जान-माल की सुरक्षा की मांग की है.

नेताओं ने बताया कि वे प्रखंड मुख्यालय के पीछे स्थित करीब 10 एकड़ सरकारी भूमि की बंदोबस्ती को लेकर आवाज उठा रहे थे. इसी को लेकर भू-माफिया ने उन्हें भी गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी. दोनों नेताओं ने मनिका थाना में आवेदन देकर सुरक्षा की मांग की है.

शिकायत दर्ज कराने के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष मनदीप कुमार, पूर्व जिला परिषद सदस्य महेश सिंह, भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष छोटू राजा मिथिलेश पासवान, विकास कुमार, बजरंगी कुमार, बसंत कुमार सहित कई भाजपा नेता उपस्थित थे.

इस पूरे मामले पर लातेहार के एसडीएम अजय कुमार रजक ने कहा है कि किसी भी सूरत में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. प्रशासन पूरे मामले की जांच कर रहा है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

स्थानीय लोगों और नेताओं ने जिला प्रशासन से भू-माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और क्षेत्र में कानून व्यवस्था कायम रहे.

मेदिनीनगर : कोयल नदी का अतिक्रमण करवा रहे नगर आयुक्त : भाकपा नेता रूचिर तिवारी

मेदिनीनगर । भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के जिला सचिव रूचिर कुमार तिवारी ने छठ पर्व को लेकर कोयल नदी घाट का निरीक्षण किया. निरीक्षण के बाद उन्होंने आरोप लगाया कि जवाहर नवोदय विद्यालय के सामने नदी किनारे लगभग 100 फीट लंबी दीवार खड़ी कर दी गई है, जो अतिक्रमण है. उन्होंने कहा कि यह स्थान पहले सैकड़ों छठ व्रतियों का ठहराव स्थल था, विशेष रूप से मध्यमवर्गीय और गरीब तबके के लोग यहां पूजा करते थे. श्री तिवारी ने सवाल उठाया कि यदि यह निर्माण नगर निगम द्वारा कराया गया है, तो क्या निगम स्वयं कोयल नदी की जमीन पर अतिक्रमण कर रहा है? उन्होंने कहा कि आम जनता यदि एक छोटा सा मकान बनाती है, तो निगम तुरंत टैक्स और नक्शे का हवाला देकर कार्रवाई करता है, लेकिन यहां कोई जांच नहीं हो रही. उन्होंने मांग की कि मामले की गहन जांच हो और दोषियों पर कार्रवाई हो. भाकपा इस मुद्दे पर जनहित याचिका दायर कर कोयल नदी को अतिक्रमण मुक्त कराने की पहल करेगी.

मेदिनीनगर में लाखों के आभूषण चोरी, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की तलाश कर रही पुलिस

मेदिनीनगर ।शहर थाना क्षेत्र के रेडमा पांकी रोड स्थित सुरेश सिंह चौक के पास अभिमन्यु सिंह के घर में अहले सुबह चोरी की बड़ी घटना घटी. अज्ञात चोर ने घर में घुसकर सोने की चेन, कंगन, अंगूठी और झुमका समेत लगभग 50 ग्राम से अधिक वजनी आभूषण चुरा लिए. घटना की जानकारी मिलते ही टोपी-2 की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी. बताया जा रहा है कि घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में एक संदिग्ध व्यक्ति का फुटेज कैद हुआ है, जिसके आधार पर पुलिस चोर की पहचान में जुटी है. घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है.

मेदिनीनगर के विष्णु मंदिर में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया अन्नकूट महोत्सव, पूजा हुई

मेदिनीनगर ।शहर के विष्णु मंदिर में बुधवार को अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया. इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन भोग अर्पित किए गए. सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. भोग के उपरांत सभी भक्तों के बीच प्रसाद वितरित किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया. श्री विष्णु मंदिर ट्रस्ट द्वारा यह परंपरा पिछले 90 वर्षों से निभाई जा रही है. पूरे मंदिर परिसर में श्रीकृष्ण के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया. ट्रस्ट सदस्यों के अनुसार अन्नकूट पर्व अन्न का त्योहार है, जिसमें विविध व्यंजन अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की जाती है.

दो दिन से लापता युवक का शव मुरुमदाग गांव में कुएं से बरामद, मामले की जांच में जुटी पुलिस

छतरपुर (पलामू) ।थाना क्षेत्र के मुरुमदाग गांव में मंगलवार को एक कुएं से युवक का शव बरामद हुआ. मृतक की पहचान बिरेंद्र सिंह (22 वर्ष), पिता अर्जुन सिंह, निवासी मुरुमदाग के रूप में हुई है. वह पिछले दो दिनों से लापता था और परिजनों ने सोमवार को उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी. मंगलवार को ग्रामीणों ने कुएं में शव को तैरते देखा और पुलिस को सूचना दी. सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला. थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि यह आत्महत्या है या हत्या. फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है.

श्रीबंशीधर नगर में छठ महापर्व की तैयारियां जोरों पर, सूर्य मंदिर बना श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र

गढ़वा।लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारियां श्रीबंशीधर नगर में पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ चल रही हैं. बांकी नदी के तट पर स्थित ऐतिहासिक सूर्य मंदिर एक बार फिर श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनने जा रहा है. यहां न केवल गढ़वा जिले से, बल्कि झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ से भी भारी संख्या में छठव्रती पहुंचते हैं. नगर पंचायत द्वारा घाटों की साफ-सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है. ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव और नालियों की सफाई कराई जा रही है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो. साथ ही बिजली विभाग द्वारा घाटों पर आकर्षक रोशनी की व्यवस्था की जा रही है. प्रभात क्लब के अध्यक्ष हजारी प्रसाद ने बताया कि 1967 से यहां सूर्य मंदिर पर छठ पूजा की परंपरा चली आ रही है, जिसे श्रीबंशीधर सूर्य मंदिर ट्रस्ट आगे बढ़ा रहा है. प्रभात क्लब और फ्रेंड्स रॉक ग्रुप के सदस्य आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय हैं. फ्रेंड्स रॉक ग्रुप के सचिव आयुष राज ने बताया कि व्रतधारियों के लिए सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं.

डंडई हाट में महापर्व की धूम, सूप-दउरा की खरीदारी

गढ़वा।प्रखंड मुख्यालय स्थित डंडई गांव में बुधवार को आयोजित साप्ताहिक हाट में छठ महापर्व को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा गया. हाट में सुबह से शाम तक भारी भीड़ उमड़ी रही. श्रद्धालुओं ने छठ पूजा के लिए आवश्यक सामग्रियों की जमकर खरीदारी की, खासकर सूप और दउरा की दुकानों पर लोगों की भीड़ बनी रही. इस मौके पर रंग-बिरंगे और आकर्षक डिजाइनों वाले सूप और दउरा की खूब बिक्री हुई. दुकानदारों के अनुसार इस बार भी इन पारंपरिक सामग्रियों की कीमतों में इजाफा हुआ है, बावजूद इसके खरीददारों की संख्या में कोई कमी नहीं आई. सूप 130 से 300 रुपये तक और दउरा 180 से 370 रुपये तक बिके. दुकानदार कश्यप साह ने बताया कि वे पिछले 15-20 वर्षों से इस हाट में सूप और दउरा की बिक्री कर रहे हैं और हर साल बिक्री में वृद्धि हो रही है.

हत्या का आरोपी टुनटुन मिश्रा गिरफ्तार जेल भेजा गया

मेदिनीनगर । लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के राजोगाड़ी अखौरी पतरा गांव में हुई हत्या के मुख्य आरोपी टुनटुन मिश्रा को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. टुनटुन मिश्रा की गिरफ्तारी मंगलवार को विशेष छापेमारी के दौरान हुई. यह मामला 16 अक्टूबर 2025 को दर्ज किया गया था, जिसमें मृतका मीना देवी ने टुनटुन मिश्रा और नरेश तिवारी पर मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया था. पूछताछ में टुनटुन मिश्रा ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया. पुलिस ने दूसरे आरोपी नरेश तिवारी की तलाश जारी रखी है और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है. पुलिस जल्द ही नरेश को भी गिरफ्तार करने का दावा कर रही है.

बैठक — वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान को लेकर कांग्रेस की रणनीतिक बैठक, जिलाध्यक्ष ने कहा

भाजपा की तानाशाही नीतियों के खिलाफ जनमत तैयार होगा

शुभम संदेश ।बालूमाथ

(लातेहार)

प्रखंड मुख्यालय स्थित कांग्रेस कार्यालय में बुधवार को कांग्रेस पार्टी की एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक संपन्न हुई. बैठक की अध्यक्षता प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष अमीर हयात ने की, जिसमें लातेहार जिला कांग्रेस अध्यक्ष कामेश्वर यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे. इसके अलावा सेवा दल जिला अध्यक्ष बृंद बिहारी यादव, एससी मोर्चा के जिलाध्यक्ष रविंद्र राम, यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष अमित यादव, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोतिउर रहमान, मो जुबैर तथा हेरहंज प्रखंड अध्यक्ष लाडले खान भी मौजूद थे.

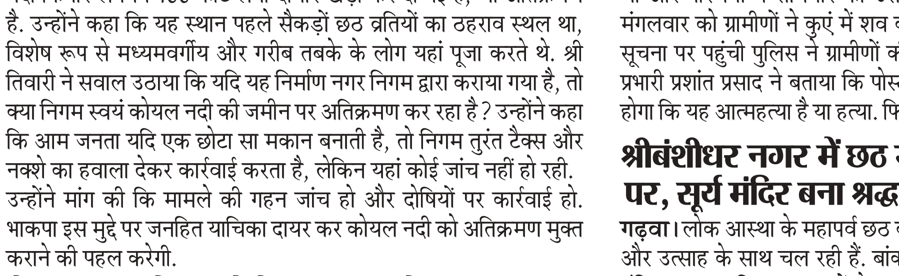

बैठक में प्रखंड अध्यक्ष अमीर हयात ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सच्चाई और संविधान की रक्षा के लिए मैदान में है. जनता अब समझ चुकी है कि उनके वोटों की चोरी कर सत्ता पर बैठे लोग लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं. यह हस्ताक्षर अभियान जनता की आवाज बनेगा और सत्ता के अहंकार को जवाब देगा. जिला अध्यक्ष कामेश्वर यादव ने कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र बचाने की लड़ाई लड़ रही है. हर पंचायत में जाकर भाजपा की तानाशाही नीतियों के खिलाफ जनमत तैयार किया जाएगा. अब जनता निर्णायक जवाब देगी.
सेवा दल जिला अध्यक्ष बृंद बिहारी यादव ने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता राहुल गांधी के संदेश को लेकर घर-घर जाएंगे. एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष रविंद्र राम ने कहा कि भाजपा सरकार ने दलित, पिछड़ों और गरीबों के अधिकारों पर कुठाराघात किया है. वरिष्ठ नेता मोतिउर रहमान ने कहा कि देश में नफरत की राजनीति फैलाने का प्रयास हो रहा है, जबकि राहुल गांधी देश को जोड़ने का काम कर रहे हैं. हेरहंज प्रखंड अध्यक्ष लाडले खान ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर भाजपा सरकार की वादाखिलाफी को उजागर करेंगे और जनता को जागरूक करेंगे. मौके पर पश्चिम मंडल अध्यक्ष कर्मदेव भगत, साबिर, इकबाल, गुपेश्वर, रियासत, भुईयां, सोनू, मुन्ना, आकिब, राकेश सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे. कांग्रेस ने इस अभियान के जरिए भाजपा सरकार के खिलाफ जनसंपर्क तेज करने और आगामी चुनाव में मजबूत जीत दर्ज करने का संकल्प लिया है.

पाटन: बात नहीं करने पर युवती की हत्या की

मेदिनीनगर । पाटन थाना पुलिस ने 16 अक्टूबर को लापता हुई नाबालिग लड़की की हत्या का खुलासा करते हुए 21 वर्षीय अरुण कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. आरोपी ने दुष्कर्म के बाद लड़की की हत्या कर शव तालाब में फेंक दिया था. मोबाइल और खून लगे कपड़े भी उसने कुएं में फेंक कर सबूत मिटाने की कोशिश की. एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद ने बताया कि आरोपी और मृतका पहले बात करते थे, लेकिन जब आरोपी पंजाब गया, तो लड़की ने उससे बात करना बंद कर दी. वापस आने पर उसने पता लगाया कि लड़की किसी और से प्रेम करती है. घटना के दिन आरोपी ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर बालू स्थान पर ले जाकर दुष्कर्म किया और फिर गला दबाकर मार डाला. किशुनपुर ओपी प्रभारी निलेश कुमार ने बताया कि आरोपी ने सबूत नष्ट करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर मोबाइल, हवाई चप्पल और कपड़े बरामद किए. आरोपी ने अपनी संलिप्तता स्वीकार की. एसडीपीओ ने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद है. आरोपी को कड़ी सजा दिलाने के लिए पूरी जांच जारी है. पुलिस नाबालिगों की सुरक्षा के लिए सतर्क है.

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या: ओ-एसी-टी-107 टू 108-25-26 (ओपन), दिनांक: 17.10.2025। मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल, स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा (खुली) आमंत्रित की जाती है: **क्र. सं.:** 1। **केस संख्या: ओ-एसी-टी-107-25-26। कार्य का नाम:** 30.06.2026 को समाप्त अवधि के लिए आसनसोल मंडल की ज़ोन संख्या 28 में एसएसई/कार्य/जसीडीह के अधीन जसीडीह (छोड़कर) से दुमका (सहित) तक, देवघर (सहित) से बांका (सहित) एवं मोहनपुर (सहित) से हंसडीहा (सहित) तक सभी जोनल कार्य सहित सभी सेवा भवनों तथा कॉलोनियों आदि तथा छोटे सड़क, लकड़ी के कार्य, पाइप बिछाना तथा स्वच्छता कार्य के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** ₹ 30,00,000। **बयाना राशि:** ₹ 60,000। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 08 महीना। **क्र.सं.:** 2। **केस संख्या: ओ-एसी-टी-108-25-26। कार्य का नाम:** वरिष्ठ मंडल अभियंता/2/आसनसोल के अधीन आसनसोल मंडल में एटी वेल्डिंग पोर्शन की आपूर्ति तथा एटी वेल्ड का संपादन हेतु खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,89,95,388.92। **बयाना राशि:** ₹ 2,45,000। **कार्य पूरा होने की अवधि:** 12 महीने। **बंद होने की तारीख और समय:** 14.11.2025 को दोपहर 12:00 बजे (क्रम संख्या 1 और 2 प्रत्येक के लिए)। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।

(ASN-214/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

तिलैया थाना पुलिस ने चोरी के आरोपियों को किया गिरफ्तार

कोडरमा । तिलैया थाना क्षेत्र में चोरी के आरोप में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. मामले का संज्ञान एसपी अनुदीप सिंह को गुप्त सूचना मिलने के बाद हुआ. सूचना के आधार पर सह-थाना प्रभारी तिलैया विनय कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई. टीम ने 12 घंटे के भीतर सूरज कुमार एवं शुभम कुमार को गिरफ्तार किया, जिन पर सूरज के पिता के घर से सोने-चांदी के जेवर चोरी कर बेचने का आरोप है. आरोपियों के निशानदेही पर चोरी के दो पीस सोने के जितिया और एक पीस चांदी का सिक्का बरामद किया गया. गिरफ्तार अभियुक्त शुभम कुमार वर्मा और सूरज कुमार सहनी दोनों तिलैया थाना क्षेत्र के ही निवासी हैं. छापामारी दल में सह-थाना प्रभारी विनय कुमार, पुलिस अधिकारी सच्चिदानन्द सिंह एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे. तिलैया थाना पुलिस ने मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है.

उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने किया सक्रिय योगदान

छठ के मद्देनजर प्रशासन ने चलाया सफाई अभियान

शुभम संदेश ।हजारीबाग

हजारीबाग में आगामी छठ पर्व को लेकर जिला प्रशासन ने 22 अक्टूबर को इंद्रपुरी चौक स्थित छठ तालाब परिसर में व्यापक सफाई अभियान चलाया. इस अभियान का नेतृत्व उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह और पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने किया. अधिकारियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, पत्रकारों और आम नागरिकों की उपस्थिति में यह सफाई कार्य संपन्न हुआ. उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने स्वयं छठ घाट और तालाब परिसर का निरीक्षण करते हुए सफाई में सक्रिय भागीदारी निभाई. उपायुक्त ने इस अवसर पर कहा कि जलाशयों की सफाई केवल पर्व-त्योहारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि यह एक निरंतर जन आंदोलन बनना चाहिए. उन्होंने कहा कि हजारीबाग के बीचों-बीच स्थित झीलें और तालाब जिले की धरोहर हैं, जिनका संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है.

उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जलाशयों की सफाई एवं संरक्षण में सहयोग करें. अधिकारियों ने स्थानीय समस्याओं को समझते हुए नगर आयुक्त को निर्देश दिया कि तालाबों के आसपास अवैध दुकानों को हटाकर गंदगी से छुटकारा दिलाया जाए. साथ ही प्लास्टिक उपयोग पर रोक और गंदे पानी के तालाबों में जाने से रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश भी दिए गए. इस अभियान में नगर आयुक्त, जिला योजना पदाधिकारी, सदर एसडीओ, सहायक नगर आयुक्त, नगर निगम कर्मचारी, स्वयंसेवी संस्थाएं, स्थानीय नागरिक और मीडिया प्रतिनिधि भी शामिल थे. प्रशासन ने आश्वासन दिया कि छठ पर्व के दौरान सभी घाटों की सफाई, सुरक्षा और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाएगा, जिससे श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के पर्व का धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर सकें.

एक नजर

छठ घाटों में चलाया गया सफाई अभियान

रामगढ़ । आगामी 25 अक्टूबर से शुरू होने वाले छठ महापर्व को लेकर झारखंड सेवा समिति ने दामोदर नदी और बिजुलिया तालाब छठ घाटों में सफाई अभियान चलाया. अध्यक्ष अमित कुमार सिन्हा के नेतृत्व में यह अभियान छावनी परिषद के सफाई कर्मियों के सहयोग से किया गया, ताकि व्रतियों को कोई परेशानी न हो. समिति के उपाध्यक्ष नंदकिशोर गुप्ता ने कहा कि छठ महापर्व आस्था का प्रतीक है, इसलिए घाटों की सफाई जरूरी थी. सचिव रंजन फौजी और सह सचिव मनोज मंडल ने भी इस पहल की सराहना की. इस दौरान रानी डिटर्जेंट पाउडर और समाजसेवी सोनी कुमारी के सहयोग से सफाई कर्मियों में टीशर्ट का वितरण भी किया गया. समिति के कई सदस्य इस अभियान में सक्रिय रूप से शामिल हुए. अमित ने बताया कि महापर्व के दौरान घाटों पर सदस्य तैनात रहेंगे ताकि व्रतियों की हर प्रकार से सहायता हो सके.

श्रीमद् भागवत कथा एवं विष्णु महायज्ञ का आयोजन

हजारीबाग । अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल, हजारीबाग जिला इकाई के तत्वावधान में 28 अक्टूबर से 3 नवंबर 2025 तक संकट मोचन मंदिर के समीप मैदान में श्रीमद् भागवत कथा सप्त ज्ञान एवं विष्णु महायज्ञ का भव्य आयोजन किया जाएगा. कार्यक्रम की शुरुआत 28 अक्टूबर को कलश यात्रा, मंडप प्रवेश एवं संध्या में कथा प्रवचन के साथ होगी. इसके बाद प्रतिदिन संध्या 5 बजे से संगीतमय कथा का आयोजन होगा. 4 नवंबर को भव्य भंडारे के साथ इसका समापन होगा, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेंगे. कथा व्यास के रूप में विश्वविख्यात श्री भानु कृष्ण शास्त्री जी महाराज (वृंदावन) उपस्थित रहेंगे. कार्यक्रम की व्यवस्था अध्यक्ष दीपक शंकर, सचिव पंकज सिंह एवं कोषाध्यक्ष अशोक कुमार साह कर रहे हैं. समाजसेवी विजय कुमार सिंह ने बताया कि यह आयोजन न केवल धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह समाज में एकता, सद्भाव और भक्ति का संदेश भी फैलाएगा.

मासिक कवि गोष्ठी 'खिराज-ए-हबीब' का आयोजन

रामगढ़ । रामगढ़ में जरीना खातून संग्रहालय द्वारा संचालित प्रोजेक्ट कलमकार के अंतर्गत, इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज रामगढ़ सब चैप्टर के सहयोग से मासिक कवि गोष्ठी 'खिराज-ए-हबीब' आयोजित की गई. इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय कवियों और उर्दू साहित्य के शायरों ने मौलाना हबीबुल्लाह को काव्यांजलि दी. उनकी ग़ज़लों और नज़्मों का पाठ किया गया, जिससे कार्यक्रम का माहौल रूहानी और भावपूर्ण बन गया. जरीना खातून संग्रहालय के निदेशक फैयाज अहमद ने कहा कि यह गोष्ठी नई पीढ़ी में कविता के प्रति रुचि बढ़ाने और क्षेत्र की साहित्यिक विरासत को संरक्षित करने का माध्यम है. कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि यह आयोजन स्मृति और सृजन दोनों का संगम है. चितरपुर सहित आसपास के क्षेत्रों से आए कवियों ने महफिल को भावविभोर किया. कार्यक्रम को सफल बनाने में सनाउल्लाह सहित कई सदस्यों ने सहयोग किया.

आवास योजना की चमक-दमक के बीच जयनगर की बेघर नाजमी खातून की तकलीफें जारी

जयनगर (कोडरमा) । जयनगर की नाजमी खातून गरीबों के लिए बनी आवास योजनाओं की हकीकत बयां करती हैं. पीएम आवास योजना और अन्य सरकारी योजनाओं के तहत छत मिलने की उम्मीद लिए नाजमी खातून लगातार पंचायत सचिवालय और प्रखंड कार्यालय के चक्कर लगा रही हैं. पति शमीम खान के साथ टपकते छत के नीचे और ठंड में खुले आसमान के तले उनकी जिंदगी गुजर रही है. कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से आश्वासन मिलने के बावजूद उन्हें अब तक एक भी ईंट नहीं मिली. नाजमी कहती हैं कि संपन्न परिवारों को योजनाओं का लाभ मिल गया, लेकिन जो सच में जरूरतमंद हैं, वे आज भी इंतजार में हैं. गरीब होने की सजा भोग रही नाजमी खातून का यह दर्द सरकार और जनप्रतिनिधियों की अनदेखी की पोल खोलता है. उनका कहना है कि कभी उम्मीद है कि उनकी भी समस्या का समाधान होगा, लेकिन फिलहाल वे बेघर और अवहेलित हैं.

मां लक्ष्मी की पूजा और भव्य विसर्जन समारोह संपन्न

हजारीबाग। सदर प्रखंड के ओरिया गांव में यादव समाज द्वारा मां लक्ष्मी की पूजा धूमधाम और श्रद्धा के साथ संपन्न हुई. दुर्गा मंडप में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ मां लक्ष्मी की प्रतिमा की स्थापना कर विधिवत पूजा-अर्चना की गई. मंडप को रंग-बिरंगी लाइटों और फूलों से सजाया गया था, जो दर्शकों का आकर्षण का केंद्र बना. पूजा के बाद भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए. शोभायात्रा गांव के प्रमुख चौक-चौराहों और मार्गों से होती हुई जोड़ा तालाब पहुंची, जहां मां लक्ष्मी की प्रतिमा का विधिपूर्वक विसर्जन किया गया. श्रद्धालुओं ने भक्ति गीत गाते हुए, जयकारे लगाते हुए मां को नम आंखों से विदाई दी. कार्यक्रम में लक्ष्मी पूजा समिति के अध्यक्ष नारायण यादव, उपाध्यक्ष गोविन्द यादव, सचिव अशोक यादव सहित कई पदाधिकारी और स्थानीय लोग उपस्थित थे. पूरे आयोजन में भक्ति, शांति और सौहार्द्र का माहौल बना रहा. यह पूजा समाज में एकता और सांस्कृतिक धरोहर को बनाए रखने का उदाहरण साबित हुई.

नम आंखों से दी गई मां काली को भावपूर्ण विदाई

रामगढ़। चितरपुर प्रखंड क्षेत्र में बुधवार को काली पूजा श्रद्धा और आस्था के साथ संपन्न हुई. बड़कीपोना, चितरपुर और सुकरीगढ़ा के पंडालों में स्थापित माता की प्रतिमाओं का भव्य विसर्जन किया गया. भक्तों ने गाजे-बाजे के साथ जयकारे लगाते हुए प्रतिमाओं को आकर्षक वाहन पर रखकर गांव-गांव भ्रमण कराया. अंत में विभिन्न तालाबों में विधिपूर्वक विसर्जन किया गया. मंगलवार की देर रात युवा समाजसेवी पीयूष चौधरी ने समर्थकों के साथ मंदिरों में माँ काली का आशीर्वाद लिया और क्षेत्र की शांति व समृद्धि की कामना की. विसर्जन के दौरान सतीश महतो, चंद्रशेखर पटवा, पवन कुमार महतो, रमेश दांगी समेत दर्जनों भक्त उपस्थित थे. पूरे कार्यक्रम में भक्ति और श्रद्धा की गहरी छाप देखने को मिला.

विस्थापित प्रभावित विकास समिति के तत्वावधान में 25 अक्टूबर से फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

केरेडारी। भू रैयत विस्थापित प्रभावित विकास समिति पांडु के आयोजन में 25 अक्टूबर से तरहेसा फुटबॉल मैदान में फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा. आयोजन समिति के अध्यक्ष मो सफर रजा और सचिव रामचंद्र दास ने बताया कि टूर्नामेंट में कुल 16 टीम भाग लेंगी. विजेता टीम को 11 हजार रुपए नगद एवं बड़ा कप, जबकि उपविजेता टीम को 6 हजार रुपए नगद और छोटा कप मिलेगा. इसके अतिरिक्त, सांत्वना और तृतीय स्थान पाने वाली टीम को एक-एक फुटबॉल और कप प्रदान किए जाएंगे. टूर्नामेंट नॉकआउट प्रणाली पर आधारित होगा. सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. मैच के दौरान क्षेत्र के गणमान्य मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहेंगे. इस आयोजन से क्षेत्रीय फुटबॉल प्रेमियों में उत्साह देखने को मिल रहा है.

सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान: कृष्णानगर से 22वां जत्था चारधाम यात्रा के लिए रवाना

हजारीबाग। सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान के अंतर्गत हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों को चारधाम यात्रा पर भेजने का क्रम निरंतर जारी है. इसी कड़ी में मंगलवार को 22वां जत्था हजारीबाग नगर क्षेत्र के शिवपुरी से सटे कृष्णानगर मंदिर प्रांगण से विधिवत पूजन और पाँव पखारने की परंपरा के साथ रवाना हुआ.इस अवसर पर स्वयं सांसद मनीष जायसवाल ने यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. उनके साथ भाजपा के कई वरिष्ठ नेता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे. तीर्थयात्रियों को काशी, अयोध्या, प्रयागराज और विंध्याचल की यात्रा पर रवाना किया गया. उन्हें भगवा अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया और हजारीबाग यूथ विंग की ओर से फलाहार एवं पेयजल की व्यवस्था की गई.कटकमसांडी प्रखंड के कृष्णानगर और कटकमदाग क्षेत्र से आए 65 तीर्थयात्री उत्साह और भक्ति भाव से यात्रा के लिए निकले. स्थानीय जनता ने ढोल-नगाड़ों और भगवा ध्वज के साथ यात्रियों की भावभीनी विदाई की.

वार्ड सदस्य पर जानलेवा हमला, हमलावरों ने की बेरहमी से पिटाई

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड के डेबो पंचायत वार्ड संख्या 03 के वार्ड सदस्य रामदेव यादव पर सोमवार की सुबह कुछ दबंगों ने जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया. इस घटना से पूरे क्षेत्र में आक्रोश है. वार्ड सदस्य ने थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है. उन्होंने बताया कि लगभग एक माह पूर्व गांव के पासवान मोहल्ला में दो भाइयों के बीच विवाद को लेकर पंचायत बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें वे पंच के रूप में शामिल थे. उसी दौरान मनु रविदास ने बैठक के दौरान उनके साथ गाली गलौज व जान से मारने की धमकी दी थी. इस संबंध में उन्होंने 21 सितंबर 2025 को चौपारण थाना में एक सनहा दर्ज कराया था. वार्ड सदस्य ने बताया कि 21 अक्टूबर की सुबह करीब छह बजे जब वे अपने घर से शौच कर लौट रहे थे, तभी मनु रविदास, रवि रविदास, और दीपक रविदास तीनों लाठी-डंडे से लैस होकर पहुंचे और जान से मारने की नीयत से उन पर हमला कर दिया. हमलावरों ने उन्हें बेरहमी से पीटा, जिससे वे बेहोश होकर गिर पड़े. ग्रामीणों के हस्तक्षेप से उनकी जान बची. उन्हें गंभीर हालत में चौपारण सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ से डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर कर दिया.

विधायक प्रतिनिधि रौशन सिंह ने डीजीपी को पत्र लिखा, जनार्दन पासवान की सुरक्षा बढ़ाने की मांग

चतरा। हंटरगंज के विधायक प्रतिनिधि व भाजपा मंडल अध्यक्ष रौशन कुमार सिंह ने पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर चतरा विधायक जनार्दन पासवान को सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है. पत्र में उन्होंने बताया कि विधायक पासवान को केवल दो सुरक्षा कर्मी मिले हैं, जो जंगल, झाड़ी और पहाड़ी से घिरे सुदूरवर्ती क्षेत्रों में जनहित कार्य के दौरान पर्याप्त नहीं हैं. कई बार रात के समय भी उन्हें सुरक्षा के अभाव में जाना पड़ता है, जिससे खतरा बढ़ जाता है. रौशन सिंह ने पूर्व मंत्री को लेकर कहा कि हारे हुए प्रतिनिधि को आठ सुरक्षा कर्मी मिले हैं, जबकि वर्तमान विधायक को मात्र दो, जो न्यायसंगत नहीं है. चतरा नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के कारण विधायक की सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए. उन्होंने पुलिस प्रशासन से शीघ्र उचित सुरक्षा मुहैया कराने की अपील की है.

छठ पूजा की तैयारी, ग्रामीणों ने किया श्रमदान का संकल्प

चौपारण । हजारीबाग के सिंघरावाँ गाँव में आगामी छठ पर्व को भव्य और व्यवस्थित रूप से मनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं. छठ तालाब परिसर में आयोजित बैठक में ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. बैठक में नहाय-खाय से लेकर दूसरा अर्घ्य तक सभी कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई गई. विशेष रूप से प्लास्टिक मुक्त और स्वच्छ घाट बनाने पर जोर दिया गया. ग्रामीणों ने श्रमदान कर घाट और आसपास के रास्तों की सफाई और सुधार का संकल्प लिया. युवा स्वेच्छा से घाट की व्यवस्था संभालेंगे. समाजसेवी और कांग्रेस नेता दीपक गुप्ता ने कहा कि छठ पूजा केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और स्वच्छता का संदेश है. बैठक में पूर्व मुखिया सुरेश साव, उप प्रमुख लालेश साहू, कांग्रेस मंडल अध्यक्ष नरेश साव सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे. इस बार का छठ आयोजन गांव का सबसे भव्य और यादगार आयोजन होगा.

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री से मिले विकलांग संघर्ष समिति के पदाधिकारी

मरकच्चो (कोडरमा)। झारखंड विकलांग संघर्ष समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष यशवंत कुमार वर्मा के नेतृत्व में 9 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी से बुधवार को शिष्टाचार भेंट की. इस महत्वपूर्ण बैठक में दिव्यांगजन को स्वावलंबन, रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, विशेष विकलांग रिक्तियों की घोषणा एवं इलेक्ट्रिक सहायक उपकरण मुहैया कराने जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई. मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने समिति के प्रतिनिधियों की मांगों को गंभीरता से लिया और मंत्रालय स्तर पर शीघ्र आवश्यक कार्यवाही व पत्राचार करने का आश्वासन दिया. उनका कहना था कि दिव्यांगजन समाज के विकास एवं सम्मानजनक जीवन के लिए सभी कदम उठाए जाएंगे.

धूमधाम से की गयी गोवर्धन पूजा

गूंजे श्रीकृष्ण के जयकारे

शुभम संदेश।चतरा

हंटरगंज प्रखंड के औरुगढ़पर में दीपावली के दूसरे दिन बुधवार को गोवर्धन पूजा बड़े हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाई गई. पूजा समिति ने भगवान गोवर्धन की मूर्ति स्थापित कर विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की. ग्रामीणों ने गाय के गोबर से गिरिराज गोवर्धन की आकृति बनाकर गहरी आस्था के साथ पूजा की. कुछ बच्चों ने रंगोली के रंगों से भगवान की छवि बनाई और विधि-विधान से पूजा में भाग लिया. भक्तों ने भगवान को अन्नकूट भोग लगाया और सामूहिक रूप से पूजा की. पूरा माहौल जय श्री कृष्ण के जयकारों से गूंज उठा. इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष प्रमोद यादव, सचिव राजाराम यादव, सुधीर यादव, रामदयाल यादव, भोला यादव, बालेश्वर यादव, गुड्डू यादव सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे.

गोवर्धन पूजा का महत्वः गोवर्धन पूजा की मान्यता है कि भगवान श्री कृष्ण ने देवता इंद्र के घमंड को तोड़ने के लिए इंद्र की पूजा की बजाय गोवर्धन पर्वत की पूजा करने का आदेश दिया था. जब इंद्र को यह पता चला तो उन्होंने गोकुल पर भारी वर्षा करके तबाही मचाई, लेकिन भगवान कृष्ण ने अपनी अंगुली पर गोवर्धन पर्वत को उठाकर गांववासियों की रक्षा की. सात दिनों तक इंद्र का कहर बरकरार रहा, लेकिन कोई क्षति नहीं हुई. तब से भगवान कृष्ण को गोवर्धन के नाम से भी जाना गया.

हजारीबाग में भी हुई गोवर्धन पूजाः धार्मिक आस्था, सामूहिक भक्ति और सामाजिक एकता का अनुपम संगम

हजारीबाग । बुधवार को हजारीबाग के बड़ा बाजार ग्वालटोली चौक स्थित श्री हरि हनुमान मंदिर परिसर सहित जिले के कई हिस्सों में गोवर्धन पूजा बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धाभाव के साथ संपन्न हुई. श्रद्धालु पारंपरिक पोशाक में आए और भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन रूप की पूजा-अर्चना की. कार्यक्रम की शुरुआत गाय की पूजा, गोवर्धन पर्वत की प्रतीकात्मक स्थापना और श्रीकृष्ण की कथा वाचन से हुई. भक्तों ने "गोवर्धन गिरधारी की जय" के जयकारों से माहौल भक्तिमय बना दिया.

पूजा स्थल को रंगोली, दीपमाला और फूलों से सजाया गया था. महिलाएं और बच्चे भी उत्साहपूर्वक पूजा में शामिल हुए. पूजा के बाद प्रसाद वितरण हुआ, जिसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लिया. कई गणमान्य व्यक्तियों ने गोवर्धन पूजा के धार्मिक और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि यह पर्व प्रकृति व पशुधन के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ-साथ सामाजिक एकता और सहयोग का संदेश भी देता है.

मंदिर समिति, समाजसेवी, युवा संगठन और महिला मंडल की सक्रिय भागीदारी से यह आयोजन सफल हुआ. कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण संरक्षण और गौ-संरक्षण का संकल्प लिया गया. प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की. पूरा कार्यक्रम भक्तिमय, शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण रहा.

हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद ने किया आदिवासी सोहराय जतरा मेले का शुभारंभ

शुभम संदेश।हजारीबाग

विधानसभा क्षेत्र के कटकमदाग प्रखंड अंतर्गत जमुआरी में आयोजित आदिवासी सोहराय जतरा मेला का शुभारंभ विधायक प्रदीप प्रसाद ने मुख्य अतिथि के रूप में किया. इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि सोहराय मेला केवल सांस्कृतिक उत्सव नहीं, बल्कि झारखंड की आत्मा, अस्मिता और लोकजीवन का जीवंत प्रतीक है. ढोल-मांदर की थाप, जनजातीय नृत्य, लोकगीतों की मिठास और पारंपरिक परिधानों से यह मेला हमारी सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करता है.

विधायक ने बताया कि झारखंड की संस्कृति परिश्रम, प्रकृति और परंपराओं पर आधारित है. सोहराय पर्व केवल पशुधन का उत्सव नहीं, बल्कि कृषि, मेहनतकश जीवन और सामूहिकता की भावना का उत्सव है, जो हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है और समाज की एकता को बढ़ावा देता है. उन्होंने कहा कि झारखंड की समृद्ध कला और संस्कृति हमारी असली पूंजी है, जिसे संरक्षित करना और नई पीढ़ी तक पहुँचाना हमारी जिम्मेदारी है.

इस मौके पर विधायक ने स्थानीय कलाकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और ग्रामीण युवाओं की भूमिका की भी प्रशंसा की. उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने के साथ-साथ झारखंड की विविध लोकपरंपराओं को संरक्षित करने में मददगार होते हैं. कार्यक्रम के बाद उन्होंने पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लिया और कहा कि ये झारखंड की लोकसंस्कृति की आत्मा हैं.

ओझा-गुनी के आरोप में वृद्ध की पिटाई कर दी, हजारीबाग रेफर

चतरा। सदर थाना क्षेत्र के रक्सी चेड़ीखाप गांव में एक वृद्ध उमेश राय को ओझा-गुनी के आरोप में बुरी तरह पीटा गया. गंभीर रूप से घायल उमेश राय को सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया गया. पीड़ित के पुत्र अरविंद कुमार ने चार आरोपियों—सीताराम राय, गौतम कुमार राय, उत्तम कुमार राय और मध्यम कुमार राय—के खिलाफ सदर थाना में आवेदन दिया है. आरोप है कि ये लोग गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने पहुंचे और उमेश राय के कान को धारदार हथियार से काट दिया. इस घटना में अरविंद कुमार भी घायल हुए हैं. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उत्तम कुमार राय को हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ जारी है.

एनआईए के नाम पर धोखाधड़ी, कोर्ट ने जारी किया गिरफ्तारी वारंट

चतरा। टंडवा थाना क्षेत्र के कोल कारोबारी सुरेश यादव के खिलाफ न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है. सुरेश यादव ने एनआईए के नाम पर धोखाधड़ी कर करोड़ों रुपए की संपत्ति अर्जित की है. 2018 में टेरर फंडिंग मामले में सरकारी गवाह बनकर उसे दो बॉडीगार्ड मिले, जिससे उसका रुतबा बढ़ गया. कोयला व्यवसाय में फर्जी ट्रक वाहन संघ के पदों का गलत उपयोग करते हुए उसने करोड़ों रुपए की ठगी की. उसके खिलाफ टंडवा थाना में कई मामले दर्ज हैं, जिनमें 2019, 2023, 2024 और 2025 के आपराधिक केस शामिल हैं. पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए हर संभव कोशिश कर रही है और उसके सहयोगियों की भी पहचान कर रही है. जांच एजेंसियों ने उसके बॉडीगार्ड हटा दिए हैं. अब सुरेश यादव पुलिस के साथ लगातार लुका-छिपी का खेल खेल रहा है.

परंपरा | आदिवासी संस्कृति को बचाने के साथ आपसी एकता पर दिया गया जोर

सरना समिति आदिवासी कुटुम्ब जतरा मेले का आयोजन

शुभम संदेश ।हजारीबाग

सदर विधानसभा क्षेत्र के कटकमसांडी प्रखंड के डिबल बांध, शाहपुर में बुधवार को आयोजित सरना समिति आदिवासी कुटुम्ब जतरा मेला में पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए. समारोह की शुरुआत ढोल-मांदर की गूंज और पारंपरिक आदिवासी गीतों व नृत्यों से हुई, जिसने पूरे माहौल को जीवंत कर दिया. ग्रामीणों एवं समिति के सदस्यों ने सांस्कृतिक परंपरा के अनुसार मुन्ना सिंह का तिलक, फूल और मांदर की ताल के बीच गर्मजोशी से स्वागत किया.

मंच से अपने संबोधन में मुन्ना सिंह ने कहा कि यह जतरा मेला केवल एक आयोजन नहीं है, बल्कि आदिवासी अस्मिता, संस्कृति और सामुदायिक एकजुटता का जीवंत प्रतीक है. उन्होंने बताया कि हमारी संस्कृति, परंपरा और एकता समाज की सबसे बड़ी पूंजी है, जो हमें एक-दूसरे से जोड़े रखती है. मुन्ना सिंह ने कांग्रेस पार्टी के आदिवासी समाज के लिए किए गए संघर्ष और उनकी सुरक्षा में भूमिका पर भी प्रकाश डाला. उनका कहना था कि आदिवासी समाज इस देश की आत्मा है और इसकी संस्कृति धरती की धड़कन. मांदर की थाप और प्राकृतिक प्रेम के साथ भारतीय आत्मा सदैव अमर रहेगी.

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं, युवा एवं सांस्कृतिक दलों ने भाग लिया. स्थानीय कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया. मुन्ना सिंह ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन हमारी परंपराओं को जीवित रखने के साथ-साथ नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का अवसर भी प्रदान करते हैं. उन्होंने सभी से समाज और संस्कृति की रक्षा के लिए एकजुट होने का आह्वान किया.

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री जय प्रकाश भाई पटेल की पत्नी, ओबीसी कांग्रेस प्रदेश महासचिव रेनु देवी, राजद जिलाध्यक्ष चरका यादव, कांग्रेस नेता मनोज मोदी, बाबर अंसारी, विक्की कुमार धान शेरखान सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे. जय जोहार के नारों और मांदर की थाप के बीच यह कार्यक्रम आदिवासी समुदाय की ताकत और समृद्ध संस्कृति का जश्न साबित हुआ.

तुमगा गांव में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

सिमडेगा। पाकरटांड़ प्रखंड के सिकरियाटांड स्थित तुमगा गांव में मंगलवार की रात इंद मेला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मजदूर नेता राजेश कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सिकंदर बरवा, खनन निरीक्षक सुभम दत्ता और थाना के एएसआई अखिलेश दुबे मौजूद रहे. राजेश कुमार सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि यह क्षेत्र कृषि प्रधान है और अच्छी फसल होने पर किसान भगवान इंद्र को धन्यवाद देने के लिए यह पर्व मनाते हैं. कहा कि ऐसे आयोजन न केवल सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं, बल्कि हमारी विलुप्त होती लोक संस्कृति और परंपराओं को जीवित भी रखते हैं.

चंडरी टोंगरी में 30 वर्षों बाद पारंपरिक सोहराय जतरा का शुभारंभ

शुभम संदेश। गुमला

गुमला जिले के बिशुनपुर प्रखंड के टिटही स्थित चंडरी टोंगरी में बुधवार को पारंपरिक सोहराय जतरा का भव्य शुभारंभ हुआ. यह जतरा लगभग 30 वर्षों के बाद पुनः आयोजित किया गया, जिसने पूरे क्षेत्र में उल्लास और उत्सव का माहौल बना दिया. कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि थाना प्रभारी अर्जुन कुमार यादव, विकास भारती के महेंद्र भगत, विजय कल्याण पदाधिकारी गणेश राम महतो, हेलता मुखिया सुशील मुंडा तथा उप प्रमुख चंदन कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और बैज पहनाकर किया. इसके बाद

जतरा स्थल पर पारंपरिक उत्सव की रंगीन झलक दिखाई दी.
जतरा में कुल 20 खोड़हा दलों ने भाग लिया, जिन्होंने अपने-अपने ढोल-नगाड़ों की थाप के साथ पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए. हर दल की सांस्कृतिक प्रस्तुति दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गई. महिलाएं, पुरुष और बच्चे रंग-बिरंगे परिधानों में नाच-गान करते हुए इस उत्सव को जीवंत बनाए रखे. पूरे दिन उत्सव के गीत, ढोल की थाप और लोक संस्कृति की ऊर्जा से वातावरण गुंजायमान रहा. कार्यक्रम के अंत में सभी खोड़हा दलों को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. ग्रामीणों ने इस आयोजन को नियमित रूप से हर वर्ष मनाने की मांग की, ताकि आदिवासी संस्कृति, एकता और परंपरा को निरंतर प्रोत्साहन मिल सके. यह जतरा न केवल सांस्कृतिक विरासत का जश्न था, बल्कि इससे क्षेत्र की एकता और सामाजिक सद्भाव भी प्रबल हुआ. आने वाले वर्षों में इस प्रकार के आयोजन से स्थानीय संस्कृति की पुनरुत्थान की उम्मीद बढ़ी है.

एक नजर

पालकोट रोड स्थित श्री काली पूजा सेवा समिति के भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

गुमला। पालकोट रोड स्थित श्री काली पूजा-सह-सेवा समिति द्वारा मंगलवार की शाम भव्य भंडारा का आयोजन किया गया. इस आयोजन में मां काली को खिचड़ी और हलुआ का भोग अर्पित कर विधिवत आरती की गई. इसके बाद भारी संख्या में जुटे श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद वितरित किया गया, जिससे भक्तजन अत्यंत प्रसन्न दिखे. समिति ने यह परंपरा वर्ष 1985 से निरंतर निभाई आ रही है और इस दौरान वह नगर के सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है. भंडारे के आयोजन में समिति के कई प्रमुख सदस्य मौजूद रहे, जिनमें श्यामा कान्त मिश्रा, अरुण कुमार गुप्ता, नीरज गुप्ता, कुंदन राय, अजीत सोनी, दीपक सोनी, सतीश नायक, मनोज सोनी, शौर्य सोनी, मानव सोनी, कृष्ण कुमार, पंकज गुप्ता, अभय सोनी, सार्थक कुमार, निशित रंजन, नितिन श्रीवास्तव, आयुष गुप्ता, शरद नायक, सौरभ नायक, मनोज केशरी, मंटू बिहारी, मिल्की फोगला, दिलीप साबू, बली साहु, बाले गोप, अनिकेत कुमार, ऋतिक रंजन, राजा गुप्ता सहित अनेक नगरवासी उपस्थित थे. भंडारे में उपस्थित लोगों ने समिति के इस सामाजिक और धार्मिक कार्य की सराहना की और आशा जताई कि यह परंपरा इसी तरह यूं ही चलती रहेगी. इस आयोजन ने न केवल धार्मिक श्रद्धा को बढ़ावा दिया, बल्कि सामाजिक एकता और सेवा भावना को भी मजबूती दी. समिति की ओर से इस भंडारे को सफल बनाने में सभी सदस्यों का सक्रिय योगदान रहा, जिसने इस आयोजन को यादगार बना दिया.

छात्रों के भविष्य को अंधकार में धकेल रहे हैं नशा के कारोबारी, हर वर्ग के लोग चिंतित

गुमला। नशीले मादक पदार्थों के बिक्री और उसके सेवन में रोकथाम के लाख प्रयास के बाद भी सफलता नहीं मिल रही है. ब्राउन शुगर का कारोबार लगातार बढ़ते जा रहा है. जिससे कारण आम व खास हर वर्ग के लोग प्रभावित हो रहे हैं. नशापान के बढ़ते प्रभाव से हर वर्ग के लोग चिंतित है. मादक पदार्थों के रोकथाम के लिए पुलिस प्रशासन भी लगातार प्रयास करते रही है. ब्राउन शुगर के कारोबारियों को चिह्नित कर गिरफ्तार करते रही है. पिछले मंगलवार को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार युवती राखी कुमारी कई नए खुलासे भी हुए हैं. राखी कुमारी के घर से पुलिस ने नौ मोबाइल जब्त किए हैं. जिस पर राखी का कहना है कि ब्राउन शुगर खरीदने के लिए छात्रों के पास पैसा नहीं होता है तो वे अपना मोबाइल बंधक में रखते हैं.

दिउड़ी मंदिर के समीप कार और बुलेट की टक्कर में सीआईएसएफ जवान गंभीर रूप से घायल

तमाड़। रांची-टाटा मार्ग के दिउड़ी मंदिर के समीप एक कार और बुलेट की आपस में जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें बुलेट सवार बाकुड़ा निवासी सीआईएसएफ जवान गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना के बाद घायल जवान को तमाड़ पुलिस ने प्राथमिक उपचार के लिए तमाड़ अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से बेहतर इलाज के लिए उन्हें रिम्स रेफर कर दिया गया. जानकारी के अनुसार घायल जवान रांची से टाटा की ओर अपनी बुलेट पर जा रहे थे. इसी दौरान दिउड़ी मंदिर के समीप सामने से आ रही कार के चालक ने अचानक कार को बाईं तरफ मोड़ दिया, जिससे बुलेट चालक कार से टकरा गया. टक्कर इतनी गंभीर थी कि जवान गंभीर रूप से घायल हो गया. पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है.

एक्सआईएसएसः 56 छात्रों को मिले प्रमाण पत्र

रांची। जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) रांची ने 2023-24 और 2024-25 बैचों के लिए एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित द्वारा अनुमोदित पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन कोर्स के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए प्रमाणपत्र पुरस्कार समारोह का आयोजन बुधवार को किया. यह एक-वर्षीय पीजीसीएम कार्यक्रम, रांची में अपनी तरह का एकमात्र एआईसीटीई अनुमोदित पाठ्यक्रम है, जो छात्रों को ग्रामीण विकास के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों में कौशल प्रदान करता है. कुल 56 छात्रों ने इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया.

प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावी छात्र हुए सम्मानित

लोहरदगा। पतंजलि योग समिति एवं भारत स्वाभिमान न्यास द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में जिले के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया. यह आयोजन सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर प्रांगण में हुआ, जिसमें आईआईटी, जेईई, नीट जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं को पुष्पगुच्छ, शॉल और पतंजलि च्यवनप्राश भेंटकर सम्मानित किया गया. साथ ही पतंजलि मुख्यालय से प्राप्त पुस्तकों का वितरण भी किया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य केवल अकादमिक उत्कृष्टता का सम्मान करना नहीं था, बल्कि युवाओं में योग, आयुर्वेद और भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था व जिम्मेदारी की भावना को भी जागृत करना था. मुख्य अतिथि जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष हेमंत कुमार सिन्हा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता के साथ-साथ प्रत्येक युवा में राष्ट्रीयता और राष्ट्रभक्ति की भावना होना अत्यंत आवश्यक है. उन्होंने भारत की युवा शक्ति को विश्व स्तर पर आगे बढ़ाने की उम्मीद जताई.

छठ व्रतियों के बीच 200 पीतल के सूप का वितरण

रातू। छठ महापर्व के पावन अवसर पर समाज सेवा की मिसाल पेश करते हुए युवा नेता ओमशंकर गुप्ता एवं समाजसेवी द्वारा छठ व्रतियों के बीच 200 पीतल के सूप का वितरण किया जाएगा. इसके साथ ही व्रतियों को फल और दूध भी वितरित किए जाएंगे. यह कार्य पूरी श्रद्धा और निःस्वार्थ सेवा भाव से किया जा रहा है. ओमशंकर गुप्ता ने बताया कि छठ व्रतियों की सेवा करना उनके लिए सौभाग्य की बात है. वे पिछले पांच-छह वर्षों से यह सेवा कार्य कर रहे हैं और आगे भी इसे जारी रखेंगे. उन्होंने कहा कि छठ व्रत में शुद्धता और आस्था का विशेष महत्व होता है, ऐसे में व्रतियों की मदद कर पुण्य अर्जित करने का अवसर मिलता है. छठ पर्व लोक आस्था का महापर्व है, जिसमें श्रद्धालु सूर्य भगवान को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं.

गुमला में छठ पर्व की तैयारियां शुरू, प्रशासन ने घाटों का किया निरीक्षण

घाटों पर की जा रही है बैरिकेडिंग लाइटिंग की भी हो रही है व्यवस्था

शुभम संदेश। गुमला

लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर गुमला जिला और आसपास के क्षेत्रों में जोर-शोर से तैयारियां शुरू हो गई हैं. छठ पर्व इस वर्ष 25 अक्टूबर से आरंभ होगा, जब व्रती 'नहाय-खाय' के साथ चार दिवसीय उपासना की शुरुआत करेंगे. 26 अक्टूबर को खरना पूजा के बाद निर्जला उपवास आरंभ होगा. इसके बाद 27 अक्टूबर को व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को और 28 अक्टूबर को उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देंगे. छठ पर्व को लेकर बाजारों में रौनक देखी जा रही है. पूजन सामग्री, फल, बांस की टोकरी, सूप-दौरा आदि की दुकानों में भीड़ बढ़ने लगी है. वहीं, सुरक्षा और स्वच्छता को लेकर प्रशासनिक तैयारियां भी तेजी से की जा रही हैं. बुधवार को अनुमंडल पदाधिकारी राजीव नीरज, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुरेश प्रसाद यादव और इंस्पेक्टर महेंद्र कुमार करमाला ने गुमला शहर के प्रमुख छठ घाटों का निरीक्षण किया.

गुमला में वन तालाब, मुरली बगीचा तालाब और सिसई रोड स्थित तालाब पारंपरिक और पुराने छठ घाट माने जाते हैं. हालांकि बीते कुछ वर्षों से नागफेनी स्थित कोयल नदी में भी छठ पूजा का आयोजन बड़े स्तर पर होने लगा है. बहते जलधारा और खुले वातावरण के कारण यह स्थान अब गुमला का प्रमुख छठ घाट बन गया है, जहां गुमला और सिसई सहित आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु अर्घ्य देने आते हैं. स्थानीय समितियों के सहयोग से घाटों की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और सजावट की जिम्मेदारी निभाई जा रही है. घाटों पर चेंजिंग रूम, प्रकाश व्यवस्था, बांस की बैरिकेडिंग, रंगीन लाइटों से सजावट का कार्य चल रहा है. छठ पर्व को लेकर मेला जैसा माहौल बनने लगा है. गांवों और अंचल क्षेत्रों में भी छठ को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है. महिलाएं घाटों की सफाई में जुटी हैं और युवाओं की टोली सजावट में मदद कर रही है. प्रशासन ने भी साफ-सफाई, सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था और चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने का भरोसा दिलाया है. गुमला में इस बार छठ पर्व पूरे उत्साह, श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाए जाने की उम्मीद है.

छठ व्रतियों के लिए निःशुल्क गेहूं वितरण आज

गुमला। श्री चैती दुर्गा पूजा समिति, गुमला की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी लोक आस्था के महापर्व छठ के उपलक्ष्य में छठ व्रतियों को निःशुल्क गेहूं वितरण किया जाएगा. समिति द्वारा यह पुनीत कार्य 23 अक्टूबर, दिन गुरुवार को स्थानीय देवी मंदिर परिसर में आयोजित किया जाएगा. वितरण कार्य पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक चलेगा. इस मौके पर प्रत्येक व्रती परिवार को पांच किलो गेहूं निःशुल्क प्रदान किया जाएगा. समिति ने सभी छठ व्रतियों से अनुरोध किया है कि वे निर्धारित समय पर पहुंचकर अपना गेहूं प्राप्त करें और कार्यक्रम को सफल बनाएं. श्री चैती दुर्गा पूजा समिति के सचिव सरजू प्रसाद साहु ने जानकारी देते हुए बताया कि समिति हर वर्ष इस धार्मिक आयोजन में अपना योगदान देती है ताकि छठ व्रतियों को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े. उन्होंने समिति के सभी सदस्यों से भी अपील की कि वे इस वितरण कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी करें और सेवा भावना के साथ सहयोग दें. गौरतलब है कि छठ पर्व परंपरा, श्रद्धा और पर्यावरण की शुद्धता का प्रतीक है, जिसमें व्रती कठिन नियमों का पालन करते हुए सूर्य देवता को अर्घ्य अर्पित करते हैं. ऐसे में समिति का यह प्रयास प्रशंसनीय है और व्रतियों के लिए सहायक सिद्ध होगा.

प्रसव के नाम पर अवैध वसूली, एंबुलेंस कर्मी पर रुपये लेने का आरोप

सुंदरम कुमार। चैनपुर (गुमला)

चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एक बार फिर सुर्खियों में आ गया. सरकारी दावों के विपरीत अस्पताल में प्रसव के लिए आने वाली गरीब गर्भवती महिलाओं से अवैध वसूली किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. पीड़िता का आरोप है कि 108 एंबुलेंस सेवा से लेकर अस्पताल में मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों तक, प्रसव के नाम पर उनसे खुलेआम पैसे ऐंठने का मामला सामने आ रहा है. एंबुलेंस और नर्स दोनों पर पीड़िता ने पांच-पांच सौ रुपये वसूलने का आरोप लगाया है. मामला दत्तरा गांव निवासी अनीता कुजूर से जुड़ा है. मिली जानकारी के अनुसार अनीता को प्रसव पीड़ा होने पर 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया. पीड़िता का आरोप है कि एंबुलेंस के चालक और उपचालक ने उन्हें अस्पताल पहुंचाने के एवज

में 500 रुपये की वसूली की. अस्पताल में प्रसव होने के बाद नर्स ने भी 500 रुपये लेने का आरोप लगाई है. पीड़िता ने कहा कि वह अपने छोटे-छोटे बच्चों को साथ लेकर आई थीं और उनके पास बच्चों को कुछ खिलाने तक के लिए पैसे नहीं थे. महिला की इस दयनीय स्थिति को देखकर चैनपुर के एक रिपोर्टर ने मानवता दिखाते हुए उन्हें पांच रुपये की आर्थिक मदद की. इस तरह के अन्य मामले भी सामने आए हैं. वहीं कुरूमगढ़ निवासी आशा देवी ने बताया कि प्रसव होने के बाद अस्पताल की नर्सों ने मिठाई खाने के नाम पर उनसे 200 रुपये की मांग की गई और पैसे लिए गए. इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा ने कहा चैनपुर क्षेत्र में इस तरह का रवैया बहुत ही निंदनीय है. यह बिल्कुल नहीं होना चाहिए. संबंधित अधिकारियों और संलिप्त कर्मियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए. वहीं एसीएमओ सह चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. धनुराज सुब्रह्मरु ने कहा आप लोगों के द्वारा सूचना मिली है. मामले की जांच की जाएगी और जो भी व्यक्ति इसमें संलिप्त पाया जाएगा, उसके ऊपर निश्चित रूप से कार्रवाई होगी. उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रसव या एंबुलेंस के लिए किसी भी प्रकार का पैसा नहीं लगता है और ग्रामीणों से अपील की कि वे इस तरह का कोई पैसा किसी को न दें.

ट्रक मालिकों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं होगाः सांसद सुखदेव भगत

लोहरदगा। झारखंड पठारी चंदवा लोहरदगा ट्रक ऑनर एसोसिएशन के संचालन समिति के सदस्यों ने लोहरदगा लोकसभा के सांसद श्री सुखदेव भगत से उनके आवास पर भेंट कर माइंस क्षेत्रों में व्याप्त समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा और त्वरित समाधान की मांग की. प्रतिनिधिमंडल में जालिम माइंस, सेरंगदाग माइंस, भैंसबथान माइंस, चिरुड़ीह माइंस, आम्तिपानी माइंस, कुज़ाम माइंस और गुरूदारी माइंस के ट्रक मालिक शामिल थे. संचालन समिति के सदस्यों ने सांसद से इन क्षेत्रों में ट्रक मालिकों के सामने आ रही तमाम समस्याओं को दूर करने हेतु पहल करने का आग्रह किया. उन्होंने विशेष रूप से हिंडालको कंपनी के अन्यायपूर्ण और भेदभावपूर्ण रवैये की कड़ी निंदा की. ट्रक मालिकों ने बताया कि कंपनी आम ट्रक मालिकों के साथ ट्रिप देने में पक्षपात करती है, जिससे उनकी आमदनी प्रभावित हो रही है.

गुरूदारी माइंस की जमीन का मामला अभी भी गुमला उपायुक्त के पास लंबित है, जिसके कारण परमिशन नहीं मिल पा रहा है. सांसद को बताया गया कि जमीन का परमिशन मिलते ही ट्रिप की संख्या बढ़ेगी और ट्रक मालिकों की आर्थिक स्थिति सुधरेगी. इसके अलावा, चिरुड़ीह माइंस में टोकन और ट्रिप से जुड़ी धांधली की समस्या पर भी सांसद

को अवगत कराया गया. संचालन समिति ने कहा कि सेरंगदाग माइंस जल्द ही खोली जा रही है, जिसमें जालिम माइंस की गाड़ियों को समायोजित करने की जरूरत है. उन्होंने जालिम माइंस की वर्तमान स्थिति को देखते हुए सेरंगदाग माइंस में गाड़ियों के समायोजन का आग्रह किया. एनकेसीपीएल द्वारा अवैध धन कटौती और लोहरदगा में एनकेसीपीएल कार्यालय न होने के कारण ट्रक मालिकों को हो रही परेशानियों की जानकारी भी सांसद को दी गई. साथ ही, ट्रक परमिट से जुड़ी समस्या पर भी विशेष ध्यान दिलाया गया. सांसद ने परिवहन मंत्री से संपर्क कर प्रत्येक जिले में परमिट बनाने की पहल करने का आश्वासन दिया. सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि ट्रक मालिकों के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा और उनकी मांगें पूरी करना उनका कर्तव्य है. उन्होंने कहा कि ट्रक व्यवसाय क्षेत्र का प्रमुख व्यवसाय है, जो हजारों परिवारों का सहारा है. उन्होंने जल्द ही एक सामूहिक बैठक आयोजित करने का वादा किया, जिसमें हिंडालको कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी, संचालन समिति के सदस्य और ट्रक मालिक शामिल होंगे. इस बैठक में सभी समस्याओं का सामूहिक रूप से समाधान निकाला जाएगा. बैठक में इरशाद अहमद, इस्लाम अंसारी, पंकज सिंह, अनवर अंसारी, समसुल अंसारी समेत कई लोग मौजूद थे.

आस्था

छठ महापर्व को लेकर लोहरदगा पुलिस का स्वच्छता अभियान शुरू

एसपी ने की खुद सफाई, सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम

शुभम संदेश। लोहरदगा

सूर्य उपासना के महान पर्व छठ को लेकर लोहरदगा पुलिस ने स्वच्छता और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए व्यापक अभियान चलाया है. इस अभियान की शुरुआत राम मंदिर तालाब, बड़ा तालाब और ठकुराईन तालाब जैसे प्रमुख छठ घाटों से की गई, जहां खुद लोहरदगा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सादिक अनवर रिजवी ने झाड़ू उठाकर सफाई की शुरुआत की. इस अवसर पर एसपी के साथ किस्को एसडीपीओ वेदांत शंकर, एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा और मुख्यालय डीएसपी समीर कुमार तिर्की भी उपस्थित रहे और पुलिस बल के जवानों के साथ मिलकर घाटों की साफ-सफाई की.

अधिकारियों ने घाटों के किनारे जमा प्लास्टिक, कचरा और अन्य मलबे को हटाया ताकि श्रद्धालुओं को पूजा-पाठ के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े. एसपी सादिक अनवर रिजवी ने इस मौके पर कहा कि छठ महापर्व न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह स्वच्छता, अनुशासन और सामाजिक एकता का भी संदेश देता है. उन्होंने कहा कि यदि हम इस पर्व को स्वच्छ वातावरण में मनाएं, तभी इसका असली उद्देश्य पूरा होगा.
एसपी रिजवी ने लोगों से अपील की कि वे घाटों की स्वच्छता बनाए रखें और प्लास्टिक जैसे प्रदूषक तत्वों का उपयोग न करें. उन्होंने यह भी जानकारी दी कि छठ पर्व को लेकर सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं. सभी प्रमुख घाटों पर विशेष पेट्रोलिंग दल, महिला पुलिस बल और प्रशिक्षित गोताखोरों की टीम तैनात की जाएगी. इसके साथ ही घाटों पर बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था और मेडिकल सुविधाओं की भी सुनिश्चितता की जा रही है. लोहरदगा पुलिस की यह पहल सिर्फ एक सफाई अभियान नहीं है, बल्कि यह नागरिक जिम्मेदारी, प्रशासनिक तत्परता और सामाजिक समरसता का भी प्रतीक बन चुकी है. एसपी ने बताया कि यह अभियान केवल एक दिन का नहीं होगा, बल्कि छठ पर्व तक घाटों की लगातार निगरानी और सफाई की जाएगी. उनका उद्देश्य है कि इस बार लोहरदगा के सभी छठ घाट 'स्वच्छ छठ घाट' के रूप में जाने जाएं. स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने भी पुलिस प्रशासन की इस पहल की सराहना की है. लोगों का कहना है कि 'स्वच्छता ही सेवा' के इस अभियान से समाज में साफ-सफाई के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और श्रद्धालु भी अधिक सुरक्षित महसूस करेंगे. पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे इस अभियान में सहभागी बनें और घाटों की सफाई और व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें. लोहरदगा पुलिस की यह सक्रियता निश्चित रूप से आने वाले दिनों में न केवल एक स्वच्छ पर्व सुनिश्चित करेगी, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी की मिसाल भी पेश करेगी.

तमाड़ में धूमधाम से मनाया गया सोहराई पर्व

तमाड़। पंचपरगना क्षेत्र के तमाड़ गांव में सोहराई पर्व बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. इस पर्व के अवसर पर कुड़मी समाज के लोगों ने गांव-गांव पूजा-अर्चना की और पारंपरिक बरद खुटा का आयोजन किया गया. त्योहार की खासियत थी कि बैल को गांव के बीचों-बीच कुटा गाड़कर डोल नगाड़े के संग गीत और नृत्य प्रस्तुत किए गए. बैल को नचाने का यह अनोखा अंदाज देखने लायक था, जिसमें गांव के युवक, बुजुर्ग और महिलाएं मिलकर त्योहार की खुशियां मनाईं. सोहराई पर्व के दौरान पूरे गांव में रंग-बिरंगी झांकियां सजाई गईं और पारंपरिक गीतों की गूंज से वातावरण आनंदित हो उठा. यह पर्व न केवल कृषि से जुड़ी परंपराओं को जीवित रखता है, बल्कि समाज में भाईचारे और एकता की भावना भी मजबूत करता है.

बुजुर्गों ने बच्चों को इस त्योहार की सांस्कृतिक और धार्मिक महत्ता समझाई. पूजा के बाद आयोजित नृत्य-गीतों ने सभी को जोड़कर एक नई ऊर्जा से भर दिया. इस अवसर पर गांव में सोशल डिस्टेंसिंग का भी पालन किया गया और कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरती गईं. सोहराई पर्व ने एक बार फिर क्षेत्र की सांस्कृतिक समृद्धि और सामाजिक मेलजोल को दर्शाया.

मंथन

साउथ एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप गर्व की बात

झारखंड की राजधानी रांची में साउथ एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन होना न केवल राज्य के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है. यह चैंपियनशिप दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों के श्रेष्ठ एथलीटों को एक मंच पर लाने वाला एक प्रतिष्ठित खेल आयोजन है, जो आपसी सौहार्द, खेल भावना और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की भूमिका को दर्शाता है.रांची, जो अब तक प्राकृतिक सौंदर्य और क्रिकेट के लिए प्रसिद्ध था, अब एथलेटिक्स के क्षेत्र में भी एक नई पहचान बना रहा है. इस आयोजन के माध्यम से रांची ने यह साबित कर दिया है कि वह विश्व स्तरीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने में सक्षम है. इसके लिए तैयार किए गए खेल परिसर, बेहतर सुविधाएं और स्थानीय प्रशासन की तत्परता ने देश-दुनिया में एक सकारात्मक संदेश भेजा है.इस चैंपियनशिप से राज्य के युवा एथलीटों को अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को करीब से देखने और उनसे प्रेरणा लेने का अवसर मिला है. इससे राज्य में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा और अधिक युवा खेलों की ओर आकर्षित होंगे. साथ ही, पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी इससे लाभ पहुंचा है.अंततः, यह आयोजन न केवल रांची को अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित करता है, बल्कि झारखंड के उज्ज्वल भविष्य की ओर भी संकेत करता है. ऐसी प्रतियोगिताएँ न सिर्फ खिलाड़ियों को मंच देती हैं, बल्कि एक पूरे क्षेत्र के आत्मविश्वास को भी बढ़ाती हैं. रांचीवासियों को इस अवसर पर गर्व होना चाहिए कि उनके शहर ने एक ऐतिहासिक आयोजन की सफल मेजबानी की है.

नजरिया

घाटशिला उपचुनाव में क्या राजग प्रत्याशी सफल होंगे ?

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव 2025 झारखंड की राजनीति में एक अहम मोड़ है. झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक रामदास सोरेन के निधन के बाद खाली हुई इस सीट पर अब सीधी टक्कर राजग और झामुमो के बीच है. ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है-क्या भाजपा और आजसू इस उपचुनाव में सफलता हासिल कर पाएंगे?भाजपा ने इस चुनाव में बाबूलाल सोरेन को उम्मीदवार बनाया है, जिनकी आदिवासी पृष्ठभूमि और स्थानीय पहचान को पार्टी ने अपना मुख्य आधार बनाया है. वहीं आजसू पार्टी ने गठबंधन के तहत भाजपा को समर्थन दिया है, जिससे एनडीए एकजुट होकर चुनावी मैदान में उतरा है. भाजपा का फोकस इस बार खासकर आदिवासी और ओबीसी वोट बैंक पर है. संगठन स्तर पर भी पार्टी ने बूथ स्तर तक तैयारी कर रखी है.हालांकि, यह चुनाव झामुमो के लिए भी प्रतिष्ठा का विषय है. रामदास सोरेन की लोकप्रियता के चलते पार्टी की जड़ें इस क्षेत्र में मजबूत रही हैं. यदि झामुमो सहानुभूति वोट और संगठन के दम पर प्रचार को धार दे पाता है, तो मुकाबला कड़ा हो सकता है.इस उपचुनाव में मतदाताओं की संख्या करीब 2.55 लाख है, जिनमें युवा और नए मतदाता भी बड़ी संख्या में शामिल हैं. ऐसे में यह कहना जल्दबाज़ी होगी कि कौन जीतेगा, लेकिन भाजपा-आजसू गठबंधन के पास इस बार जीत का अच्छा मौका है.अंततः, जीत उसी को मिलेगी जो जमीन पर मेहनत करेगा, स्थानीय मुद्दों को समझेगा और मतदाताओं का भरोसा जीतेगा. भाजपा-आजसू के लिए राह खुली है, लेकिन मंज़िल अब भी चुनौतीपूर्ण है.

कायस्थ और चित्रगुप्त का संबंध

डॉ आशुतोष प्रसाद

चित्रगुप्त को इसीलिए कायस्थ कहा गया- अर्थात् काय से स्थ अर्थात ब्रह्मा के शरीर से उत्पन्न.

भारतीय समाज की विविध जातिगत संरचना में कायस्थ एक ऐसी अद्वितीय जाति है, जिसका संबंध सीधे ज्ञान, लेखन और न्याय से जोड़ा जाता है. जहां अन्य जातियां कर्म के आधार पर शारीरिक या धार्मिक सेवा से जुड़ी दिखाई देती हैं, वहीं कायस्थ की पहचान लेखनी, बौद्धिकता और प्रशासनिक कौशल से होती रही है. इस विशिष्टता की जड़ें अत्यंत गहराई तक जाती हैं और इनकी मूलधारा चित्रगुप्त से प्रवाहित मानी जाती है, जिन्हें यमराज के लेखाकार और कायस्थों के आदिपुरुष के रूप में आदरपूर्वक स्मरण किया जाता है.

चित्रगुप्त : ईश्वरीय लेखाकार के प्रतीक

भारतीय पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार, ब्रह्मा जी ने सृष्टि निर्माण के उपरांत जब देखा कि मानव जाति अपने कर्मों में भले-बुरे का भेद भूलने लगी है, तब उन्होंने एक ऐसे देव की रचना की जो प्रत्येक जीव के कर्मों का लेखा-जोखा रख सके. तब उनके 'काय' (शरीर) से एक पुरुष उत्पन्न हुआ, "चित्रगुप्त". इसीलिए उन्हें कायस्थ कहा गया- अर्थात् "काय से स्थ" अर्थात ब्रह्मा के शरीर से उत्पन्न.

चित्रगुप्त देव को ब्रह्मा का मानस पुत्र माना गया है. उन्हें कलम, दवात और लेखनी प्रदान की गई तथा यमलोक में न्याय व्यवस्था के लेखाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया. उनका कार्य था- प्रत्येक जीव के कर्मों का चित्र अंकित करना और यमराज को न्याय हेतु प्रस्तुत करना. यही कारण है कि चित्रगुप्त को धर्म और न्याय के अभिलेखक के रूप में आदरपूर्वक पूजा जाता है.

कायस्थों का उद्भव और बौद्धिक परंपरा: कायस्थ समाज ने अपने आदिपुरुष चित्रगुप्त के समान ही ज्ञान, न्याय और प्रशासन को जीवन का प्रमुख आधार बनाया. प्राचीन ग्रंथों में उल्लेख है कि चित्रगुप्त के बारह पुत्र हुए, श्रीवास्तव, सूर्यध्वज, वाल्मीकि, माथुर, गौड़, कर्ण, निगम, भटनागर, सक्सेना, अम्बष्ठ, कुलश्रेष्ठ आदि, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में शासन और लेखा-प्रशासन के कार्य संभाले.

नीति, कूटनीति और राज्य संचालन के भी श्रेष्ठ ज्ञाता बने कायस्थ : समय के साथ ये वंश उत्तर भारत के अनेक राज्यों में राजकीय पदों पर आसीन हुए. गुप्त, मौर्य, और मुगल काल तक आते-आते कायस्थों ने न केवल लेखपाल, मुंशी, दीवान और सचिव के रूप में कार्य किया, बल्कि वे नीति, कूटनीति और राज्य संचालन के भी श्रेष्ठ ज्ञाता बने. कायस्थों की पहचान धीरे-धीरे लेखन और शासन कौशल से इतनी प्रबल हुई कि वे समाज के "मस्तिष्क" कहे जाने लगे. इस बौद्धिकता का स्रोत उनके आराध्य चित्रगुप्त ही हैं, जिनका प्रतीक है-लेखनी और दवात, अर्थात ज्ञान और विचार की शक्ति.

चित्रगुप्त की पूजा : आत्ममंथन का संस्कार

हर वर्ष यमद्वितीया (दीपावली के दो दिन बाद) को चित्रगुप्त पूजा का आयोजन किया जाता है. यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्ममंथन का पर्व भी है. उस दिन कायस्थजन अपने खाता-बही (हिसाब-किताब) को बंद करते हैं, नया बही-खाता खोलते हैं और यह संकल्प लेते हैं कि आगामी वर्ष में सत्य, न्याय और ईमानदारी की लेखनी से जीवन का लेखा तैयार करेंगे.

चित्रगुप्त पूजा का यह भाव गहरा है- यह हमें स्मरण कराता है कि प्रत्येक मनुष्य का जीवन स्वयं एक लेखा है, जिसमें उसके कर्म अंकित होते हैं. यह पूजा वस्तुतः आत्मनिरीक्षण और नैतिक जागृति की परंपरा का प्रतीक है, जिसे कायस्थ समाज ने पीढ़ियों तक निभाया है.

कायस्थ : धर्म, नीति और आधुनिकता का संगम

चित्रगुप्त और कायस्थ का संबंध केवल धार्मिक या पौराणिक कथा नहीं है, बल्कि यह कर्म और ज्ञान के संगम की दार्शनिक अभिव्यक्ति भी है. कायस्थों ने सदैव धर्म को कर्म से जोड़ा- वे उपासक तो रहे, पर कर्महीन नहीं. भक्ति के साथ उन्होंने बुद्धि और तर्कशीलता को भी महत्त्व दिया. यही कारण है कि भारत के साहित्य, न्याय, शासन और विज्ञान के क्षेत्र में कायस्थों का योगदान अत्यंत समृद्ध रहा है. भारतेंदु हरिश्चंद्र, प्रेमचंद, रविशंकर शुक्ल, राजेंद्र प्रसाद, जयप्रकाश नारायण, लाल बहादुर शास्त्री और बिस्मिल जैसे अनेक नाम कायस्थ समाज के गौरव हैं, जिनमें चित्रगुप्त की लेखनी की लौ आज भी जलती दिखाई देती है.

दार्शनिक दृष्टि से संबंध : यदि दार्शनिक दृष्टि से देखें तो चित्रगुप्त और कायस्थ का संबंध कर्मफल सिद्धांत से जुड़ा है. चित्रगुप्त वह प्रतीक हैं, जो मनुष्य को स्मरण कराते हैं कि "तुम्हारे प्रत्येक कर्म का लेखा रखा जा रहा है." कायस्थ इसी सत्य को सामाजिक जीवन में उतारते हैं, प्रशासन में पारदर्शिता, लेखांकन में ईमानदारी और समाज में न्याय का बोध उनके लिए केवल पेशा नहीं, बल्कि धर्म है.कायस्थों की यह परंपरा भारत की धर्मनिरपेक्षता और नैतिक शासन की अवधारणा से मेल खाती है. जब वे कलम उठाते हैं, तो वह केवल शब्द नहीं लिखती, बल्कि सत्य और विवेक को अंकित करती है. यही चित्रगुप्त की विरासत है- लेखन में धर्म का अंकुरण.

वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिकता : आज जब समाज में सत्य, पारदर्शिता और नैतिकता की परीक्षा हो रही है, तब चित्रगुप्त और कायस्थ की परंपरा और भी प्रासंगिक हो उठती है. डिजिटल युग में जहां हर जानकारी "डेटा" के रूप में सुरक्षित है, वहीं यह युग भी चित्रगुप्त के लेखा लोक का आधुनिक रूप प्रतीत होता है. जैसे चित्रगुप्त कर्मों का लेखा रखते थे, वैसे ही आज मनुष्य के प्रत्येक कार्य का डिजिटल रिकॉर्ड बन रहा है, यह मानव सभ्यता के नैतिक और तकनीकी विकास का प्रतीक है. इस परिप्रेक्ष्य में कायस्थ समाज की भूमिका केवल सांस्कृतिक नहीं, बल्कि नैतिक नेतृत्व की भी है- जो स्मरण दिलाती है कि शक्ति चाहे लेखनी की हो या प्रशासन की, उसका उपयोग सत्य और न्याय के पक्ष में होना चाहिए.

चित्रगुप्त नैतिक आत्मानुशासन के प्रतीक हैं : कायस्थ और चित्रगुप्त का संबंध केवल वंश परंपरा नहीं, बल्कि आदर्श और कर्म के तादात्म्य की गाथा है. चित्रगुप्त केवल देवता नहीं, बल्कि नैतिक आत्मानुशासन के प्रतीक हैं और कायस्थ उनके जीवन्त प्रतिनिधि, जो अपनी लेखनी से समाज को दिशा देते हैं. जैसे ब्रह्मा ने चित्रगुप्त को सृष्टि के कर्मों का लेखा रखने का दायित्व दिया था, वैसे ही आज कायस्थ समाज के सामने दायित्व है- सत्य, नीति और न्याय की परंपरा को जीवित रखना. चित्रगुप्त के वंशज वही हैं, जो कलम को ईश्वर का साधन मानकर, उसे धर्म के पथ पर चलाते हैं.

(-लेखक पंजाब नेशनल बैंक के सेवानिवृत्त अधिकारी और जानेमाने लेखक सह वरिष्ठ साहित्यकार हैं)

आज का इतिहास

1764 : मीर कासिम बक्सर की लड़ाई में पराजित हुआ.

1910 : ब्लांश एस स्कॉट अमेरिका में अकेले हवाई जहाज उड़ाने बनाने वाली पहली महिला बनीं.

1915 : न्यूयार्क में लगभग 25,000 महिलाओं ने मतदान के अधिकार की मांग को लेकर प्रदर्शन किया.

1942 : अल अलामीन के युद्ध में मित्र राष्ट्रों ने जर्मन सेना को पराजित किया.

1943 : नेता जी सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज की 'झांसी की रानी ब्रिगेड़' की सिंगापुर में स्थापना की.

1946 : त्रिग्वेली (नार्वे) सं.रा. संघ के प्रथम महासचिव नियुक्त.

1958 : रूसी कवि बोरिस पास्तरनाक को साहित्य का नोबेल पुरस्कार.

1973 : अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड एम निक्सन वाटरगेट मामले में टेप जारी करने पर सहमत हुए.

पौराणिक कहानियां : धार्मिक संदेश और सीख

चिंतन

सनातन धर्म भारत की एक प्राचीन धर्म व्यवस्था है, जो हमारे देश की संस्कृति और अध्यात्म की शांति के लिए महत्वपूर्ण है. इस धर्म के अनुयायी उन्हें अनंत काल का धर्म मानते हैं और इसे सनातन धर्म के नाम से जानते हैं. सनातन धर्म की कहानियां ही पौराणिक कहानियां हैं. इन कहानियों के जरिए, हम धर्म और अध्यात्म के मूल सिद्धांतों को समझ सकते हैं और जीवन को संगीतमय बनाने के लिए इनका उपयोग कर सकते हैं.

क्या सनातन धर्म का दूसरा नाम है : सनातन धर्म जिसे हम हिंदू धर्म के नाम से भी जानते हैं, उसकी अमर कहानियां हमारी संस्कृति और धर्म के महत्वपूर्ण हिस्से हैं. इन कहानियों के माध्यम से हमें हमारी पूर्वजों की बुद्धि, ज्ञान, दानशीलता और नैतिकता से भरी हमारी संस्कृति की विस्तृत जानकारी मिलती है. सनातन धर्म हमारी धार्मिक विरासत का एक महत्वपूर्ण अंग है. इस धर्म में कई महान ऋषि, संत और धर्मगुरु हुए जो विश्व के लिए नहीं, बल्कि समस्त मानवता के लिए जीवन के अनमोल संदेश छोड़कर गए.

मूल उद्देश्य क्या है पौराणिक कहानियों का : पौराणिक कहानियों का अधिकतर मुख्य उद्देश्य धर्म और मानवता के मूल्यों को समझाना है. इन कहानियों में धर्म के महत्व, अनुशासन, सत्य, दया, ईमानदारी और समझदारी जैसे महत्वपूर्ण मूल्यों का बखान किया गया है. इसके साथ–साथ कुछ ऐसी कहानियां भी हैं जो भारतीय संस्कृति और इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं का वर्णन करती हैं. इन कहानियों में भगवान शिव, भगवान विष्णु, मां दुर्गा, भगवान ब्रह्मा और भगवान गणेश जैसे अनेक देवताओं के जीवन और कार्यकलापों के बारे में विस्तृत जानकारी मिलती है. भगवान राम और भगवान कृष्ण जैसे अवतारों के जन्म और उनके जीवन की उपलब्धियों के बारे में जानना भी सनातन धर्म के अंतर्गत होता है. इन कहानियों में धर्मगुरुओं की जीवन गाथाएं भी शामिल होती हैं. इन गाथाओं से हम संदेश प्राप्त करते हैं कि हमें धर्म और अध्यात्म की तलाश करनी चाहिए.

X इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. गोवर्धन पूजा 61K
2. #GovardhanPuja 11K
3. #BJPExposedOnPollution
4. #Oct22BlackDay 41K
5. Stock Holding
6. #KhushiyonKaNivesh
7. #HappyBDayAmitShah
8. केंद्रीय गृह 10K
9. उत्तम स्वास्थ्य
10. Happy New Year

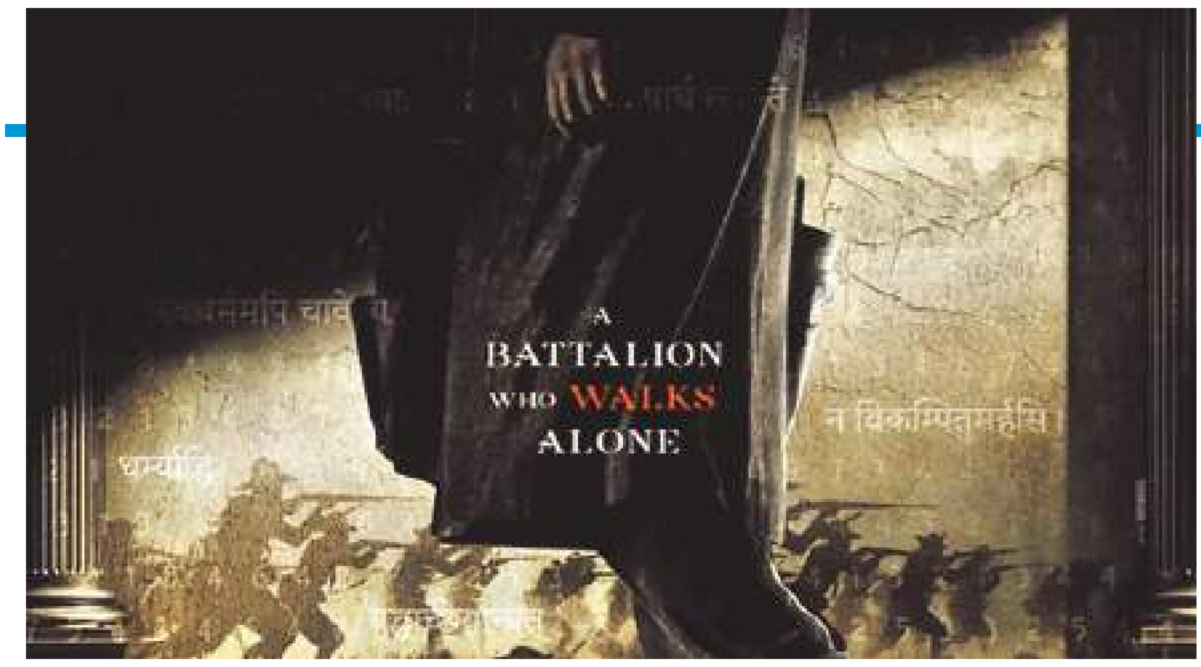

प्रभास की नई फिल्म का पहला पोस्टर आया सामने

साउथ सुपरस्टार प्रभास इन दिनों कई बड़े प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में हैं. उनकी आगामी पीरियड-एक्शन फिल्म, जिसका निर्देशन हनु राघवपुडी कर रहे हैं, दर्शकों के बीच जबरदस्त चर्चा का विषय बनी हुई है. दिवाली के शुभ अवसर पर फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया गया था, जिसने प्रशंसकों में उत्साह की लहर दौड़ा दी. वहीं अब, 22 अक्टूबर को निर्माताओं ने फिल्म का एक और प्रभावशाली पोस्टर शेयर किया है और इसके साथ घोषणा की है कि फिल्म का टाइटल 23 अक्टूबर को रिवील किया जाएगा. नए पोस्टर ने दर्शकों की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है. पोस्टर में प्रभास का पूरा लुक तो नहीं दिखाया गया, लेकिन उनकी शक्तिशाली मौजूदगी महसूस की जा सकती है. बैकग्राउंड में ग्रेट ब्रिटेन का झंडा दिखाई दे रहा है, जबकि उस पर संस्कृत श्लोक में लिखा है, पाण्डवपक्षे संस्थित कर्णः, जिसका अर्थ है कर्ण पाण्डवों के पक्ष में खड़ा है. यह लाइन अपने आप में रहस्य और गहराई समेटे हुए है, जिससे कयास लगाए जा रहे हैं कि फिल्म की कहानी ब्रिटिश शासन काल पर आधारित हो सकती है. फिल्म इंडस्ट्री में चर्चा है कि यह प्रोजेक्ट प्रभास के करियर की सबसे महत्त्वाकांक्षी फिल्मों में से एक है, जो इतिहास, वीरता और देशभक्ति की भावना को एक नए स्तर पर पेश करेगी. अगर रिपोर्ट्स पर भरोसा किया जाए, तो फिल्म में प्रभास एक स्वतंत्रता सेनानी या भारतीय योद्धा के किरदार में नजर आ सकते हैं, जो ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ लड़ाई में एक निर्णायक भूमिका निभाता है. इस बीच, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर फिल्म से जुड़ी चर्चाएं जोरों पर हैं. वहां कई यूजर्स का दावा है कि फिल्म का संभावित टाइटल 'फौजी' हो सकता है. हालांकि, निर्माताओं ने इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है. अब सभी की निगाहें 23 अक्टूबर पर टिकी हैं, जब आखिरकार इस रहस्यमय फिल्म का नाम और शायद प्रभास का लुक भी सामने आएगा. हनु राघवपुडी अपने शानदार विजुअल्स और भावनात्मक कहानी कहने की शैली के लिए जाने जाते हैं. ऐसे में प्रभास जैसे पैन-इंडिया स्टार के साथ उनकी यह जोड़ी दर्शकों के लिए एक भव्य सिनेमाई अनुभव लेकर आने वाली है. दिवाली के बाद यह पोस्टर रिलीज दर्शकों के लिए किसी त्योहारी तोहफे से कम नहीं रहा, जिसने प्रभास की नई फिल्म को लेकर उम्मीदों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है.

बहुरंग

केबीसी 17 : चाट बेचने वाले पिता की बेटी प्रियंका पहुंचीं हॉटसीट पर

- प्रियंका यूपीएससी की तैयारी कर रही हैं और खुद को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ट्यूशन पढ़ाकर अपना खर्चा खुद उठाती हैं.

'कौन बनेगा करोड़पति 17' सिर्फ एक क्विज शो नहीं, बल्कि हौसलों की उड़ान और संघर्षों की मिसाल बन गया है. इस बार हॉटसीट पर पहुंचीं बिहार की प्रियंका कुमारी, जिन्होंने अपने सपनों को साकार करने के लिए तमाम कठिनाइयों का सामना किया है. प्रियंका यूपीएससी की तैयारी कर रही हैं और खुद को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ट्यूशन पढ़ाकर अपना खर्चा खुद उठाती हैं. प्रियंका ने बताया कि वह अपने पिता के साथ शो में आई हैं, जो सड़कों पर चाट का ठेला लगाते हैं. उन्होंने कहा, मेरे पापा मेरे जीवन के असली हीरो हैं. वो कभी छुट्टी नहीं लेते, न धूप देखते हैं, न बारिश. हर मौसम में काम करते हैं ताकि हमारा घर चल सके. प्रियंका की बातों को सुनकर शो के होस्ट अमिताभ बच्चन भी भावुक हो गए. उन्होंने कहा कि एक पिता को अपनी ऐसी बेटी पर गर्व होना चाहिए. प्रियंका ने आगे बताया कि वह अपने पिता पर बोझ नहीं बनना चाहतीं, इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ ट्यूशन भी लेती हैं. प्रियंका की यह संघर्षभरी कहानी दर्शकों के दिलों को छू गई. उनकी लगन, मेहनत और अपने पिता के प्रति सम्मान ने साबित कर दिया कि सपनों को पूरा करने के लिए सिर्फ मेहनत और हौसला चाहिए. 'केबीसी' के मंच पर न सिर्फ उनके ज्ञान को सराहा गया, बल्कि उनके जज्बे को भी सलाम किया गया.

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी. प्रेमभाव बढ़ेगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी. शुभांक-3-5-6

वृष : स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें. व्यापार में वृद्घि होगी. नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा. शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे. पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी. कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा. यश-प्रतिष्ठा में वृद्घि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है. स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें. शुभांक-1-3-5

मिथुन : कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें. लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं. मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी. परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए. यात्रा का योग बनेगा. शुभांक-5-7-8

कर्क : आध्यात्मिक रुचि बनेगी. प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे. मनोरथ सिद्घि का योग है. प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे. हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे. आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी. शुभांक-3-5-7

सिंह : स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी. ज्ञान-विज्ञान की वृद्घि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा. कुछ कार्य भी सिद्घ होंगे. व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. अवरुद्घ कार्य संपन्न हो जाएंगे. वाहन चालन में सावधानी बरतें. शुभांक-5-7-9

कन्या : आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें. पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी. हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती हैं. पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी. अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा. जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें. शुभांक-2-4-6

तुला : धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी. निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है. सुख-आनंद कारक समय है. लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी. सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा. कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी. मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा. शुभांक-3-5-6

वृश्चिक : धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी. रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. जोखिम से दूर रहना ही बुद्घिमानी होगी. शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे. शुभांक-6-7-9

धनु : किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे. लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी. कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. शुभांक-7-8-9

मकर : कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें. परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी. अर्थपक्ष मजबूत रहेगा. इच्छित कार्य सफल होंगें. शुभांक-2-5-7

कुंभ : बुद्घितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा. कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी. सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी. मनोविनोद बढ़ेगे. व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है. शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा. कामकाज की अधिकता रहेगी. संतान की उन्नति के योग हैं. शुभांक-1-4-6

मीन : मायूस न हो समय चक्र हैं. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा. विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है. जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें. शुभांक-1-3-5

एक दीवाने की दीवानियत' ने पहले दिन 8.50 करोड़ का कारोबार किया

बॉलीवुड अभिनेता हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की बहुप्रतीक्षित रोमांटिक-ड्रामा फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' दिवाली के शुभ अवसर पर 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है. फिल्म के ट्रेलर और गानों ने पहले ही दर्शकों के बीच उत्सुकता पैदा कर दी थी. अब फिल्म रिलीज के बाद बॉक्स ऑफिस पर इसका प्रदर्शन सामने आ गया है, और शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि फिल्म ने उम्मीद से बेहतर शुरुआत की है. सैकनिल्क की शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार 'एक दीवाने की दीवानियत' ने अपने पहले दिन 8.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया है. यह आंकड़ा फिल्म के कुल 30 करोड़ रुपये के बजट के हिसाब से एक मजबूत शुरुआत माना जा रहा है. हालांकि, फिल्म की टक्कर एक तरफ आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की ब्लॉकबस्टर 'थामा' से थी, वहीं दूसरी ओर ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा चैप्टर 1' पहले से ही बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से बनी हुई है. इसके बावजूद हर्षवर्धन और सोनम की इस फिल्म ने अपनी जगह बनाने में कामयाबी हासिल की है. 'एक दीवाने की दीवानियत' एक रोमांस, जुनून और बदले से भरी कहानी है, जिसमें प्रेम की तीव्रता और भावनाओं का टकराव देखने को मिलता है. दर्शकों ने सोशल मीडिया पर फिल्म के संगीत, सिनेमैटोग्राफी और हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की केमिस्ट्री की सराहना की है. हालांकि कुछ दर्शकों ने इसे 'वन-टाइम वॉच' बताया है, लेकिन कुल मिलाकर फिल्म को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है. फिल्म में हर्षवर्धन और सोनम के अलावा शाद रंधावा और सचिन खेडेकर भी अहम भूमिकाओं में हैं. निर्देशन की कमान मिलाप मिलन जावेरी ने संभाली है, जबकि इसे प्ले डीएमएफ के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है.

'थामा' की धमाकेदार ओपनिंग, पहले ही दिन 24 करोड़ की नेट कमाई कर तहलका मचाया

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वे भारतीय सिनेमा के 'मास्टर ऑफ यूनिकनेस' हैं. अपनी पहली दिवाली रिलीज़, दिनेश विज़न के प्रोडक्शन में बनी 'थामा' (मैडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स) के साथ आयुष्मान ने अपने करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग दर्ज की है. फिल्म ने पहले ही दिन 24 करोड़ (नेट) की शानदार कमाई करते हुए बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है. इस शानदार शुरुआत के साथ आयुष्मान ने 'स्त्री', 'भेड़िया' और 'मुंजा' जैसी ऑरिजिन स्टोरीज़ की ओपनिंग रिकॉर्ड्स को पीछे छोड़ दिया है, जिससे मैडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की नींव और मजबूत हो गई है. अपनी दिवाली डेब्यू फिल्म की ऐतिहासिक सफलता पर आयुष्मान खुराना ने कहा, ₹मैं एक एंटरटेनर हूं, इसलिए लोगों को 'थामा' और मेरे परफॉर्मेंस को इतने प्यार से एंजॉय करते देखना मेरे लिए बेहद खुशी की बात है. जब दिनेश विज़न ने बताया कि 'थामा' दिवाली पर रिलीज़ होगी, मैं रोमांचित हो गया था. बचपन में मैं परिवार के साथ थिएटर में सुपरस्टार्स की फिल्में देखने जाता था और आज मैं अपने परिवार के साथ अपनी फिल्म देखने गया. यह अहसास अविश्वसनीय है.₹ आयुष्मान ने कहा कि दिवाली रिलीज़ उनका एक लाइफटाइम ड्रीम था और 'थामा' के ज़रिए वह सपना साकार हुआ है. उन्होंने जोड़ा, ₹यह मेरे और मेरे करियर के लिए बड़ी फिल्म है. मैंने हमेशा यूनिक और क्वर्की कहानियों को चुना है और अब उसी स्टाइल की फिल्म को दिवाली पर इतनी सफलता मिलना मेरे लिए एक आशीर्वाद है. यह मेरे हिंदी सिनेमा के सफर की एक बड़ी उपलब्धि है. मैं दिनेश विज़न का आभारी हूं कि उन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे एक ऐसे किरदार को निभाने का मौका दिया जिसका कोई रेफरेंस नहीं था, एक भारतीय 'बेताल'. दर्शकों को इस किरदार के साथ जुड़ते देखना और थिएटर में उनकी खुशी महसूस करना मेरे लिए पागलपन भरा और खूबसूरत अनुभव है.₹ दिवाली वीकेंड पर 'थामा' की शानदार ओपनिंग ने यह साबित कर दिया है कि आयुष्मान खुराना अब सिर्फ 'कंटेंट स्टार' नहीं, बल्कि बॉक्स ऑफिस सुपरस्टार की श्रेणी में मजबूती से खड़े हैं.

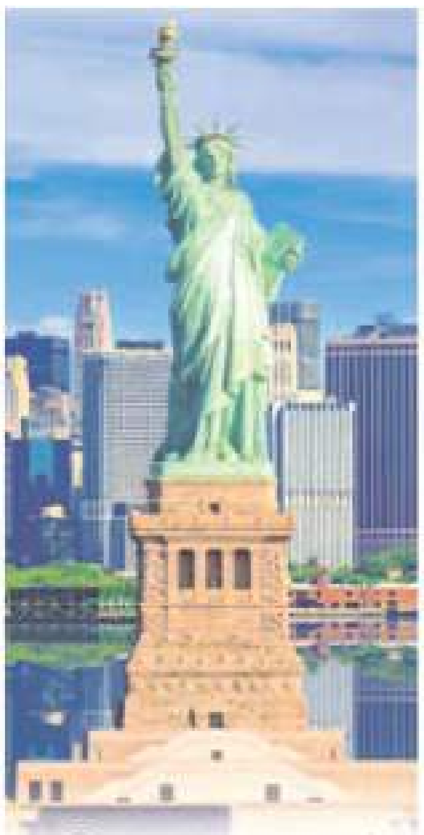

दुनिया में कहां है अमीरों का शहर? यहां हर 24वां आदमी है करोड़पति

क्या आप उस शहर के बारे में जानते हैं, जहां दुनिया के सबसे ज्यादा अमीर लोग रहते हैं. जी हां, यहां का हर दूसरा शख्स आम लोगों से ज्यादा अमीर है. हम आपको बताते हैं कि इस शहर में लोग इतने अमीर कैसे हैं और यहां करोड़पतियों की संख्या कितनी तेजी से बढ़ रही है. दुनिया का हर इंसान पैसा चाहता है. शायद ही आप किसी ऐसे शहर के बारे में जानते हों, जहां सिर्फ और सिर्फ अमीर लोग रहते हैं. यहां का हर 24वां आदमी करोड़पति है और इनकी संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है. आप सोच रहे होंगे कि ये शहर कहां हो सकता है, तो आपको बता दें कि ये अमेरिका की एक ड्रीम सिटी न्यूयॉर्क है.

यहां रहते हैं सबसे अमीर लोग

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में हर 24वां व्यक्ति करोड़पति है. हेनले एंड पार्टनर्स की ओर से जारी सबसे अमीर शहरों की इस सूची के मुताबिक न्यूयॉर्क में लगभग 3,49,500 करोड़पति रहते हैं. पिछले 10 वर्षों में ये संख्या लगभग 48 प्रतिशत बढ़ी है. न्यूयॉर्क की कुल जनसंख्या लगभग 82 लाख है, ऐसे में वहां रहने वाला हर 24वां शख्स करोड़पति है. रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूयॉर्क में 60 सुपर रिच लोग भी रहते हैं, जबकि 744 लोगों के पास 100 मिलियन डॉलर से ज्यादा की संपत्ति है.

भारत का एक भी शहर नहीं टॉप 10 में इस सूची में हेनले एंड पार्टनर्स ऐसे लोगों को शामिल करते है जिनके पास कम से कम 1 मिलियन डॉलर का निवेश है. दूसरे स्थान पर सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र है, जिसमें 3,05,700 करोड़पति रहते हैं. सूची में तीसरे स्थान पर मौजूद टोक्यो में 2,98,300 करोड़पति हैं. हालांकि, एक दशक में इस शहर में करोड़पतियों की संख्या में 5 प्रतिशत की कमी आई है. सूची में चौथे स्थान पर मौजूद सिंगापुर में 2,44,800 करोड़पति हैं. भारत का कोई शहर इसमें टॉप 10 का हिस्सा नहीं है लेकिन पिछले एक दशक में यहां अमीर लोगों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है. वहीं, लंदन में करोड़पतियों की संख्या में एक दशक में 10 फीसदी की गिरावट आई है.

ये है दुनिया की आखिरी सड़क, यहां अकेले जाना है माना

ई-69 हाइवे 14 किलोमीटर लंबा है, जो पृथ्वी के छोर और नॉर्वे को जोड़ता है। इस हाइवे पर कई ऐसी जगहें हैं, जहां गाड़ी चलाना और अकेले पैदल चलना मना है।

दुनिया की कई जगहों पर आप गए होंगे। क्या आपके मन में कभी यह सवाल आया कि आखिर दुनिया कहां पर खत्म होती है? दुनिया की आखिरी छोर क्या है? हो सकता है कि आपके मन में यह सवाल नहीं आया हो। हालांकि, एक जगह ऐसी है, जहां माना जाता है कि दुनिया खत्म हो जाती है। यह एक सड़क है, जो दुनिया की आखिर सड़क मानी जाती है। माना जाता है कि इस सड़क के बाद दुनिया खत्म हो जाती है।

इस सड़क का नाम ई-69 हाइवे है। माना जाता है कि यह दुनिया की आखिरी सड़क है। यूरोपियन देश नॉर्वे में ई-69 हाइवे स्थित है। उत्तरी ध्रुव पृथ्वी का सबसे सुदूर उत्तरी बिंदु है। यहां पर पृथ्वी की धुरी घूमती है। यह नॉर्वे का आखिरी छोर है। यहां से आगे जाने वाले रास्ते को दुनिया की आखिरी सड़क माना जाता है। बताया जाता है कि हाइवे के खत्म होने के बाद सिर्फ ग्लेशियर और समुद्र नजर आता है और इसके सिवाय कुछ नहीं दिखाई देता है।

ई-69 हाइवे 14 किलोमीटर लंबा है, जो पृथ्वी के छोर और नॉर्वे को जोड़ता है। इस हाइवे पर कई ऐसी जगहें हैं, जहां गाड़ी चलाना और अकेले पैदल चलना मना है। आइए जानते हैं आखिरी क्या है दुनिया के आखिर सड़क की कहानी?

14 किमी ई-69 हाइवे पर कई लोग एक साथ हो, तभी आप यहां से गुजर सकते हैं। इसके पीछे वजह यह है कि हर तरफ बर्फ की मोटी चादर बिछी है। इसकी वजह से यहां खो जाने का खतरा हमेशा बना रहता है।

उत्तरी ध्रुव के पास होने की वजह से यहां यहां सर्दियों के मौसम में न तो रातें खत्म होती हैं और न ही गर्मियों में सूरज डूबता है। कभी-कभी तो यहां लगभग छह महीने तक सूरज चमकता ही नहीं है। सर्दियों में यहां का तापमान माइनस 43 डिग्री से माइनस 26 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहता है, तो वहीं गर्मियों में तापमान का औसत जमाव बिंदु जीरो डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है।

सबसे हैरानी वाल बात यह है कि इतनी भीषण ठंड पड़ने के बावजूद यहां लोग रहते हैं। पहले यहां सिर्फ मछली का कारोबार होता था। 1930 से इस जगह का विकास होना शुरू हुआ। करीब चार साल बाद यानी 1934 में यहां के लोगों ने मिलकर फैसला किया कि यहां सैलानियों का भी स्वागत किया जाना चाहिए, ताकि उनकी कमाई का एक अलग जरिया बने।

अब दुनियाभर से लोग उत्तरी ध्रुव घूमने के लिए आते हैं। यहां उन्हें एक अलग दुनिया में होने का अहसास होता है। यहां डूबता हुआ सूरज और पोलर लाइट्स तो देखते ही बनता है। गहरे नीले आसमान में कभी हरी तो कभी गुलाबी रोशनी देखने को मिलती है। पोलर लाइट्स को ऑरोरा भी कहा जाता है। यह रात के समय दिखाई देता है, जब आसमान में घुप्प अंधेरा छाया रहता है।

इस देश की है सबसे कम आबादी, रहते हैं सिर्फ इतने लोग

दुनिया में सबसे अधिक आबादी भारत की है, जिसके बाद चीन का नंबर है लेकिन क्या आप जानते हैं दुनिया में एक ऐसे देश है जिसकी जनसंख्या 500 से भी कम है। इस देश का नाम वैटिकन सिटी है, जहां की आबादी 500 भी नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यहां पर सिर्फ 498 लोग रहते हैं। इस देश की सेना में सिर्फ 135 जवान है। यहां की आर्मी का नाम स्विस गार्ड है, जो पोप की रक्षा करती है। यह देश पहले रोम का हिस्सा था, लेकिन 1929 में अलग हो गया था।

साथी के साथ उड़ते हुए एक सा गाना गाते हैं ये पंछी!

पक्षियों में येलो फिंच कुछ अलग तरह के होते हैं. आकार में छोटे और अपने खास पीले रंग के लिए पहचाने जाने वाले ये पक्षी जोड़े में मिल कर एक सा ही गाना गाने के लिए मशहूर हैं. इनमें नर और मादा के रंगों में भी थोड़ा से अंतर है.

पक्षियों का संसार अपने आप में बहुत ही अनूठा है और दिल को सुकून पहुंचाने वाला होते हैं. इनके रंगों की विविधता और संयोजन कहीं और देखने को नहीं मिलती है. इनमें से ही एक अनूठा पक्षी येलो फिंच है. अपने चमकीले पीले पंखों और खुशनुमा गीतों के लिए मशहूर पक्षी किसी भी नजारे की सुंदरता बढ़ा देते हैं. येलो फिंच को गोल्डफिंच के नाम से भी जाना जाता है. दुनिया में इनकी सिर्फ तीन प्रजातियां हैं. एक हैं यूरोपीय गोल्फिंच, इसके अलावा अटलांटिक के पार दो प्रजातियां हैं. एक व्यापक रूप से पाया जाने वाला अमेरिकी गोल्डफिंच और दूसरा दक्षिण-पश्चिम अमेरिका में पाया जाने वाला लॉरेंस गोल्डफिंच. अमूमन गोल्फिंच या येलो फिंच की बात हो तो अमेरिकी गोल्फिंच की ही बात होती है.

पीले रंग के फिंच के उनके चमकीले पीले रंग के पंख उन्हें पहचानना आसान बनाते है और पक्षी देखने वालों के बीच पसंदीदा हैं. लेकिन नर और मादाओं के रंगों में कुछ फर्क होता है. प्रजनन के मौसम के दौरान नर पीले रंग के फिंच का रंग चमकीला पीला होता है, मादा पीले रंग के फिंच का रंग हल्का होता है, आमतौर पर जैतून या भूरे रंग का होता है. पीले रंग के फिंच अपने हंसमुख, मधुर गीतों के लिए जाने जाते हैं, जिन्हें अक्सर वसंत और गर्मियों के दौरान सुना जाता है. वे अपने साथी को कई तरह से बुलाते हैं और गाना गाते हैं, जो उनके बीच मजबूत संचार का जरिया होता है. यहां तक कि एक जोड़ा एक ही तरह का गाना गाते हुए उड़ता देखा जाता है.

पीले रंग के फिंच का एक खास तरह आहार होता है. वे आमतौर पर शाकाहारी होते हैं और मुख्य रूप से बीज खाते हैं, उनमें भी वे खासकर सिंहपर्णी, सूरजमुखी और थीस्ल जैसे पौधों के बीज खाते हैं. उनके पास भोजन करने का एक अनूठा तरीका है, वे अक्सर बीज तक पहुंचने के लिए उल्टा लटकते हैं. पीले फिंच के लिए घोंसला बहुत खास होता है. मादाएं आमतौर पर पौधे के रेशों और मकड़ी के जाले का उपयोग करके एक झाड़ी या पेड़ में घोंसला बनाने के लिए जिम्मेदार होती हैं. नर गोल्डफिंच हमेशा घोंसले में रहने वाले बच्चों को पालने में भूमिका निभाता है. नर गोल्डफिंच घोंसले में भोजन लाता है जहां मां बच्चों को खिलाती है, फिर बाद में वे दोनों घोंसले में रहने वाले बच्चों को खिलाते हैं.

पीले फिंच सामाजिक तौर पर भी बहुत सक्रिय रहते हैं. उन्हें अक्सर प्रजनन के मौसम के बाहर झुंड में देखा जाता है. पीले रंग के पंख अपने कलाबाज उड़ान पैटर्न के लिए जाने जाते हैं, जिसमें लहराती उड़ान और तेज़ पंख फड़फड़ाना शामिल है. सर्दियों के दौरान, वे बड़े झुंड बनाते हैं जिसमें सैकड़ों फिंच शामिल हो सकते हैं, जो संख्या में सुरक्षा प्रदान करते हैं.

धरती का इकलौता देश, जहां 1 साल में होते हैं 13 महीने, पूरी दुनिया से 7 साल पीछे!

पूरी दुनिया में 1 साल में 12 महीने होते हैं, लेकिन इस धरती पर एक ऐसा देश भी है, जहां साल में 12 नहीं, बल्कि 13 महीने होते हैं. इस वजह से ये समय के मामले में पूरी दुनिया से 7 साल पीछे चल रही है.

दुनियाभर के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग मान्यताएं हैं, परंपराएं हैं, जाति और धर्म हैं. लेकिन इन तमाम जगहों पर अगर कोई एक बात सामान्य है, तो वो है साल और महीने. लेकिन दुनिया में कई ऐसी भी संस्कृतियां मौजूद हैं जो साल और तारीख जानने के लिए अलग-अलग तरह के कैलेंडरों का प्रयोग करती हैं. ये सारे कैलेंडर पश्चिमी ग्रेगोरियन कैलेंडर जैसे नहीं है. पर वो सभी साल में 12 महीने ही मानते हैं. लेकिन इस धरती पर एक देश ऐसा है, जहां पर साल में 12 नहीं, बल्कि कुल 13 महीने होते हैं. आपको जानकर हैरानी हो रही होगी, लेकिन ये सच है. इतना ही नहीं, 13 महीनों की वजह से ये देश पूरी दुनिया से 7 साल पीछे चल रहा है. इस अफ्रीकी देश का नाम इथियोपिया है. इथियोपिया में 1 साल में कुल 13 महीने होते हैं, जिसमें 13वें महीने में कुल 5 दिन होते हैं, जबकि सप्ताह में कुल 5 दिन. लेकिन जिस साल लीप ईयर होता है, उस साल इथियोपिया के कैलेंडर में 6 दिन होते हैं.आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि 2024 का नया साल पूरी दुनिया मना चुकी है, लेकिन इथियोपिया में इसे 11 सितंबर 2024 को मनाया जाएगा. बता दें कि दुनिया के ज्यादातर देशों में पश्चिमी ग्रेगोरियन कैलेंडर को ही मान्यता दी गई है. लेकिन कुछ ऐसे देश है, जो अपने प्राचीन कैलेंडर को मानते हैं. हालांकि, इसके बावजूद सभी कैलेंडरों में 12 महीने ही होते हैं. लेकिन इथियोपिया में आज भी उसी कैलेंडर को फॉलो किया जाता है जो रोमन चर्च ने 525 एडी में अमेंड किया था. इस वजह से इथियोपिया में नई सदी की शुरुआत 11 सितंबर 2007 से हुई थी. इथियोपिया इकलौता ऐसा अफ्रीकी देश है, जो कभी ब्रिटेन का गुलाम नहीं हुआ. इस पर कभी इटली का कब्जा हुआ करता था, लेकिन 6 साल बाद ही वो भी चले गए. इतना ही नहीं, उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, इथियोपिया में ही कॉफी की उत्पत्ति हुई थी.

जनवरी-फरवरी नहीं, ये है महीनों का नाम! ग्रेगोरियन कैलेंडर के मुताबिक, महीनों के नाम जनवरी, फरवरी, मार्च आदि हैं, लेकिन इथोपियन यानी गीज कैलेंडर के महीनों के नाम भी अलग-अलग हैं. पहला महीना मेस्केरम है, जो नए साल का महीना है. इस महीने की शुरुआत 11 सितंबर से होती है. इसके बाद दूसरा महीना है टिकिम्त, फिर हिदार, तहसास, तिर, याकातित, मग्गाबित, मियाजिया, गिनबोत, सेंसे, हामले, नेहासा और पागुमे है.

सैफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पाकिस्तान नहीं होगा शामिल, मुख्य अतिथि होंगे मुख्यमंत्री

रांची में भारत उतारेगा युवा दल, समरदीप पर होंगी निगाहें

शुभम संदेश ।रांची

रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में 24 से 26 अक्तूबर तक आयोजित होने जा रही सैफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में इस बार पाकिस्तान हिस्सा नहीं लेगा. इस बहुप्रतीक्षित प्रतियोगिता में छह देशों के लगभग 300 एथलीट भाग लेंगे, लेकिन पाकिस्तान ने इस बार चैंपियनशिप के लिए कोई भी प्रवेश नहीं भेजा है. इससे पहले यह आयोजन दो बार टल चुका था, क्योंकि पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीज़ा नहीं मिल पाया था. मेजबान भारत ने इस प्रतियोगिता के लिए अपने मुख्य और अनुभवी एथलीटों की जगह युवा खिलाड़ियों को मौका देने का निर्णय लिया है. भारतीय एथलेटिक्स महासंघ का मानना है कि यह युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव दिलाने का बेहतरीन अवसर है, जिससे आने वाले बड़े टूर्नामेंट्स के लिए उन्हें तैयार किया जा सके. भारत के करीब 90 एथलीट इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे.

समरदीप सिंह गिल पर टिकी होंगी निगाहें: चैंपियनशिप में भारत की ओर से सबसे बड़ा आकर्षण शॉटपुटर समरदीप सिंह गिल होंगे. गिल हाल के महीनों में एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता तेजिंदर पाल सिंह तूर को लगातार तीन बार हरा चुके हैं. उन्होंने अगस्त में हुए अंतरराज्यीय टूर्नामेंट में 19.82 मीटर की थ्रो कर शानदार प्रदर्शन किया था. रांची में होने वाली इस चैंपियनशिप में उनसे स्वर्ण पदक की प्रबल उम्मीद है.

अन्य प्रमुख भारतीय एथलीटः भारत की ओर से अन्य प्रमुख युवा एथलीटों में शामिल हैंः
नीरू पाठक (400 मीटर दौड़)
किरपाल सिंह (डिस्कस थ्रो)
लिली दास (800 मीटर) एमआर पूवम्मा और प्रिया मोहन (4×400 मीटर रिले – एशियाई खेलों की स्वर्ण विजेता टीम की सदस्य) एमवी जिल्ना (4×100 मीटर रिले)
ऋषभ नेहरा और हिमांशु (पुरुष जेवलिन थ्रो) पाकिस्तान की अनुपस्थिति के बावजूद सैफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप रोमांचक होने की पूरी संभावना है. भारत का युवा दल इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार है. समरदीप सिंह गिल सहित कई एथलीटों के प्रदर्शन पर देशभर की निगाहें टिकी रहेंगी. चैंपियनशिप देश की युवा खेल प्रतिभाओं को निखारने का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित होगी.

सीएम बोले- यह आयोजन राज्य के लिए गर्व की बात

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बुधवार को उनके आवासीय कार्यालय में पर्यटन, कला, संस्कृति, खेल और युवा मामले विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार, खेल सचिव मनोज कुमार, खेल निदेशक शेखर जमुआर और झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव मधुकांत पाठक ने मुलाकात की. इस दौरान उन्हें 24 से 26 अक्टूबर तक रांची के बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में होने वाली चौथी साउथ एशियन एथलेटिक्स फेडरेशन (सैफ) सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया. उद्घाटन समारोह 24 अक्टूबर को शाम 6 बजे से होगा.

खेल मंत्री ने दी तैयारियों की जानकारी : मंत्री सुदिव्य कुमार ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को चैंपियनशिप की तैयारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी. उन्होंने आयोजन को भव्य और सफल बनाने के लिए किए जा रहे इंतजामों की जानकारी दी. बताया कि किन–किन देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेने के लिए रांची आ रहे हैं, उनके ठहरने व खाने–पीने का कैसा इंतजाम किया गया है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड का इस अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता की मेजबानी करना पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है. उन्होंने कहा किझारखंड लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करता रहा है. इस चैंपियनशिप का आयोजन भव्य और शानदार हो, ताकि खेल के क्षेत्र में झारखंड की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान बने."

कबड्डी में भारत ने पाकिस्तान को 81-26 से पराजित किया

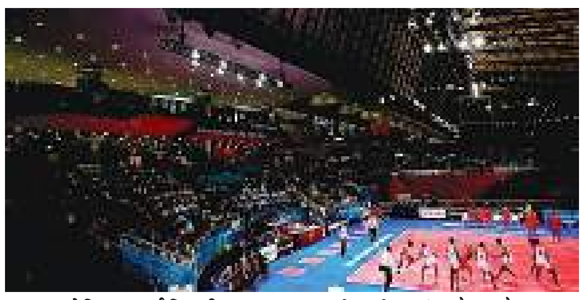

एजेंसियां ।नई दिल्ली

एशियन यूथ गेम्स 2025 में भारत ने एक और ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए कबड्डी में पाकिस्तान को 81-26 के बड़े अंतर से शिकस्त दी. यह जीत सिर्फ स्कोर के लिहाज़ से ही नहीं, बल्कि भावनात्मक रूप से भी अहम रही, क्योंकि भारतीय कप्तान ईशांत राठी ने मैच के बाद पाकिस्तानी कप्तान से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया, जो हालिया राजनीतिक तनाव के चलते खेल में भी झलकता दिखा. कबड्डी मुकाबलों में भारत का वर्चस्व लगातार जारी है. पाकिस्तान को रौंदने से पहले भारतीय टीम बांग्लादेश को 83-19 और श्रीलंका को 89-16 से हराकर पहले ही अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान पर कब्जा कर चुकी है. इन तीनों जीतों के बाद भारत फिलहाल प्वाइंट्स टेबल में पहले स्थान पर बना हुआ है. हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के चलते भारत-पाक संबंधों में तनाव और गहराया है, जिसका असर अब खेल के मैदान पर भी देखा जा रहा है.
बहरीन के मनामा में आयोजित हो रहे एशियन यूथ गेम्स में भारत ने अब तक 1 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए हैं.

महिला विश्व कप

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 'करो या मरो' मुकाबला

एजेंसियां ।नई दिल्ली

महिला विश्व कप में गुरुवार को नवी मुंबई के डी वाई पाटिल स्टेडियम में भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच अहम मुकाबला खेला जाएगा. यह मैच दोनों टीमों के लिए सेमीफाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखने का आखिरी मौका बन गया है. जहां भारत तीन लगातार हार के बाद दबाव में है, वहीं न्यूज़ीलैंड की स्थिति भी दो रद्द मैचों के कारण जटिल हो गई है.

भारत को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए यह मुकाबला हर हाल में जीतना होगा. टीम संयोजन को लेकर लगातार हो रहे बदलाव और बल्लेबाज़ी क्रम की नाकामी से टीम पर सवाल उठ रहे हैं. इंग्लैंड के खिलाफ पिछले मैच में जेमिमा रोड्रिग्ज़ को बाहर कर एक अतिरिक्त गेंदबाज़ को शामिल किया गया, लेकिन यह रणनीति ज्यादा कारगर साबित नहीं हुई. भारत ने गेंदबाज़ी में तो अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन बल्लेबाज़ी फिर विफल रही.
न्यूज़ीलैंड की टीम को भी इस मुकाबले के साथ-साथ इंग्लैंड को भी हराना होगा ताकि वह सेमीफाइनल की दौड़ में बनी रह सके. पिछले दो मैच बारिश की भेंट चढ़ने से टीम की रणनीति प्रभावित हुई है. कप्तान सोफी डिवाइन ने भी मौसम को लेकर निराशा जताई थी. इस मुकाबले में अगर बारिश ने हस्तक्षेप किया, तो भारत को फायदा हो सकता है क्योंकि न्यूज़ीलैंड को अभी इंग्लैंड जैसी मजबूत टीम से भी भिड़ना है. भारत की युवा तेज़ गेंदबाज़ क्रांति गौड़ टूर्नामेंट की शुरुआत में प्रभावित कर चुकी हैं, लेकिन डेथ ओवर्स में रन लुटाना उनकी बड़ी कमजोरी बनती जा रही है. दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार शुरुआत के बाद उन्होंने अंत में 40 रन दे दिए. ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ भी उनका प्रदर्शन औसत रहा है. वहीं न्यूज़ीलैंड की ओपनिंग जोड़ी – सूज़ी बेट्स और जॉर्जिया प्लिमर – अब तक पूरी तरह फ्लॉप रही है. उनकी साझेदारी का औसत सिर्फ 10.66 है.

ऑस्ट्रेलिया जीत के इरादे से तैयार, निगाहें सीरीज़ पर

एडिलेड में वनडे सीरीज को बचाने उतरेगी भारतीय टीम

एजेंसियां ।नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच जारी तीन मैचों की वनडे सीरीज़ का दूसरा मुकाबला गुरुवार को एडिलेड में खेला जाएगा. पर्थ में खेले गए पहले वनडे में ऑस्ट्रेलिया ने शानदार गेंदबाज़ी और संयमित बल्लेबाज़ी के दम पर भारत को 7 विकेट से हरा दिया था. अब कंगारू टीम इस मैच को जीतकर सीरीज़ अपने नाम करना चाहेगी, जबकि भारत के सामने करो या मरो की स्थिति होगी. एडिलेड में टीम इंडिया को हर हाल में वापसी करनी होगी. पर्थ में बारिश से बाधित मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई तेज़ गेंदबाज़ों ने भारतीय बल्लेबाज़ों को खासा परेशान किया. जोश हेज़लवुड और मिचेल स्टार्क ने नई गेंद से कहर बरपाया. हेज़लवुड ने पिच की उछाल और गति का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए भारत के टॉप ऑर्डर को तहस-नहस कर दिया. पैट कमिंस की अनुपस्थिति में हेज़लवुड का प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया के लिए राहत भरा रहा. वहीं, डेब्यू कर रहे मैथ्यू रेनशॉ और मिचेल ओवेन ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई. मैट कूहनेमन और जोश फिलिप ने भी गहराई में मजबूती दी, जो आने वाले 2027 वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिहाज़ से सकारात्मक संकेत हैं. भारत की बल्लेबाज़ी पर्थ में पूरी तरह नाकाम रही. विराट कोहली शून्य पर आउट हो गए, जबकि रोहित शर्मा केवल 8 रन बना सके. कप्तान शुभमन गिल भी रंग में नहीं दिखे. हालांकि नितीश कुमार रेड्डी की संघर्षपूर्ण पारी और अर्शदीप सिंह की शानदार गेंदबाज़ी ने कुछ उम्मीदें जगाई. चैंपियंस ट्रॉफी के बाद भारत का यह पहला वनडे था और दिल्ली टेस्ट के तुरंत बाद मैच खेलने की थकान भी भारतीय खिलाड़ियों में साफ़ नजर आई. अब एडिलेड में भारत को मानसिक और तकनीकी रूप से बेहतर प्रदर्शन करना होगा.

ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू शॉर्ट पर्थ में केवल 8 रन बनाकर आउट हुए थे, लेकिन एडिलेड उनका घरेलू मैदान है. बिग बैश लीग में उन्होंने यहां बेहतरीन पारियां खेली हैं, ऐसे में उन्हें एक और मौका मिलने की उम्मीद है. रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज बल्लेबाज़ों पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव होगा. दोनों ही पर्थ में नाकाम रहे थे और वर्ल्ड कप से पहले फॉर्म को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब देना अब जरूरी है. दोनों बल्लेबाज़ नेट्स पर जमकर अभ्यास कर रहे हैं. ऑस्ट्रेलियाई टीम में एलेक्स कैरी और एडम ज़म्पा की वापसी लगभग तय है. कैरी घरेलू मैच के कारण पहले वनडे में अनुपस्थित थे, वहीं ज़म्पा पितृत्व अवकाश से लौटे हैं. भारत गेंदबाज़ी में कुछ बदलाव कर सकता है. स्पिन विभाग में कुलदीप यादव को वॉशिंगटन सुंदर पर तरजीह दी जा सकती है, जबकि तेज़ गेंदबाज़ी में प्रसिद्ध कृष्णा को हर्षित राणा की जगह मौका मिल सकता है.

संभावित प्लेइंग इलेवन

ऑस्ट्रेलिया : मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, मैथ्यू शॉर्ट, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मैथ्यू रेनशॉ, कूपर कॉनॉली, मिचेल ओवेन, मिचेल स्टार्क, नाथन एलिस, जोश हेज़लवुड, एडम ज़म्पा.
भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर/कुलदीप यादव, नितीश कुमार रेड्डी, प्रसिद्ध कृष्णा/हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज.
एडिलेड का मुकाबला सीरीज़ का रुख तय करेगा. भारत के लिए यह मैच जीतना न सिर्फ सीरीज़ में बने रहने बल्कि आगामी वर्ल्ड कप से पहले आत्मविश्वास बढ़ाने के लिहाज से भी अहम होगा.

हांगकांग सिक्सेस 2025: श्रीलंका ने टीम घोषित की

एजेंसियां ।हांगकांग

गत विजेता श्रीलंका ने हांगकांग सिक्सेस 2025 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए अपनी 7 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है. यह टूर्नामेंट 7 से 9 नवंबर 2025 तक हांगकांग के टिन क्वोंग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेला जाएगा. टीम की कमान लाहिरु मदुशांका को सौंपी गई है, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट में निरंतर शानदार प्रदर्शन से अपनी जगह पक्की की है. 2024 संस्करण में पाकिस्तान को हराकर दूसरी बार खिताब जीतने वाली श्रीलंकाई टीम इस बार अपने खिताब की रक्षा के इरादे से मैदान में उतरेगी. श्रीलंका को पूल डी में रखा गया है, जहां वह बांग्लादेश और हांगकांग, चीन के खिलाफ मुकाबले खेलेगा. पहला मुकाबला श्रीलंका का 7 नवंबर को मेज़बान हांगकांग, चीन के खिलाफ होगा.
श्रीलंका की टीम में इस बार भी युवा जोश और अनुभव का अच्छा मिश्रण देखने को मिलेगा. धनंजय लक्षन, जो बाएं हाथ से बल्लेबाजी और दाएं हाथ से मध्यम गति की गेंदबाजी करते हैं, टीम को संतुलन प्रदान करेंगे. थानुका दाबारे, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन किया है, ओपनिंग की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं. निमेश विमुक्ति स्पिन विभाग की कमान संभालेंगे, जिन्होंने 2023 एशियाई खेलों में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था. टीम में लाहिरु समरकून और थरिंदु रत्नायके जैसे खिलाड़ी भी हैं, जिन्होंने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी प्रदर्शन किया है.

त्रिकोणीय महिला फुटबॉल टूर्नामेंट

ईरान ने भारत को 2-0 से हराया

एजेंसियां ।शिलॉन्ग

त्रिकोणीय महिला अंतरराष्ट्रीय मैत्री फुटबॉल टूर्नामेंट के उद्घाटन मुकाबले में भारतीय सीनियर महिला टीम को ईरान के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा. शिलॉन्ग के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए इस मैच में ईरान की स्थानापन्न खिलाड़ी सारा दीदार ने दूसरे हाफ में दो गोल दागकर अपनी टीम को विजयी शुरुआत दिलाई.

पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच मुकाबला बराबरी का रहा और कोई गोल नहीं हुआ. हालांकि, दूसरे हाफ में ईरान ने आक्रामक रुख अपनाते हुए खेल पर पकड़ बना ली. 64वें मिनट में मेलिका मोतेवालीताहेर के क्रॉस पर ज़हरा ग़नबरी का हेड पोस्ट से टकराया, लेकिन रिबाउंड पर सारा दीदार ने शानदार कलाबाजी से पहला गोल दागा. दस मिनट बाद, 74वें मिनट में भारत की रतनबाला देवी की गलती का फायदा उठाकर दीदार ने दूसरा गोल भी कर दिया. इस बार उन्होंने गेंद को नीचे की दिशा में शॉट मारते हुए जाल में पहुंचाया. भारत ने मैच में काफी संघर्ष किया और पूरे 89 मिनट तक गोल के करीब नहीं पहुंच सकी. एकमात्र सटीक प्रयास लिंडा कॉम सेर्टो की फ्री-किक के रूप में आया, जिसे ईरानी गोलकीपर रहा यज़दानी ने बेहतरीन तरीके से बचा लिया. ईरान तीसरे गोल के भी करीब पहुंचा, लेकिन फतेमेह शाबान ग़ोहरूद का शॉट अतिरिक्त समय में पोस्ट से टकरा गया.

अफगानी गेंदबाज इस्मत को आईसीसी की फटकार

एजेंसियां ।दुबई

अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज इस्मत आलम को आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के चलते आधिकारिक फटकार दी गई है. यह मामला जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के दौरान सामने आया, जब इस्मत ने गेंदबाज़ी के बाद बल्लेबाज़ की ओर अनुचित तरीके से गेंद फेंकी. आईसीसी की धारा 2.9 के अनुसार, मैच के दौरान खिलाड़ी पर या उसके पास खतरनाक ढंग से गेंद फेंकना दंडनीय अपराध है. यह घटना 90वें ओवर में हुई, जब इस्मत ने फील्डिंग करते हुए गेंद को जिम्बाब्वे के बल्लेबाज तफदज्वा त्सिगा के बहुत करीब फेंका. हालांकि इस्मत ने अपनी गलती स्वीकार कर ली, जिसके चलते कोई औपचारिक सुनवाई नहीं की गई. उन्हें एक डिमेरिट प्वाइंट भी दिया गया है, जो उनके 24 महीनों के अनुशासनिक रिकॉर्ड में पहला है. लेवल 1 के उल्लंघन के तहत खिलाड़ी को फटकार, मैच फीस का 50% तक जुर्माना और एक या दो डिमेरिट अंक मिल सकते हैं. मैच की बात करें तो अफगानिस्तान की टीम पहली पारी में सिर्फ 127 रन पर ढेर हो गई, जिसमें रहमानुल्लाह गुरबाज (37) और अब्दुल मलिक (30) ही कुछ रन बना सके. जिम्बाब्वे के ब्रैड इवांस ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 5 विकेट झटके. इसके जवाब में जिम्बाब्वे ने पहली पारी में 359 रन बनाकर मजबूत बढ़त हासिल की.

आईसीसी रैंकिंग : जसप्रीत बुमराह टेस्ट गेंदबाजों में शीर्ष पर पहुंच गए

एजेंसियां ।दुबई

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईसीसी पुरुष टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान बनाए हुए हैं, लेकिन पाकिस्तान के नौमान अली ने अपने शानदार प्रदर्शन के चलते उनसे दूरी घटा ली है. नौमान अली ने हाल ही में लाहौर में पाकिस्तान की जीत में 10 विकेट लेकर करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की और चार पायदान की उछाल के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं. नौमान अब बुमराह से केवल 29 अंक पीछे हैं, जिससे टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में रोमांच बना हुआ है. इसके अलावा, शाहीन अफरीदी भी पाकिस्तान की दूसरी पारी में चार विकेट लेकर तीन पायदान ऊपर चढ़कर 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं. वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में, भारत के मोहम्मद सिराज 17वें स्थान पर बने हुए हैं, जबकि अफगानिस्तान के राशिद खान इस फॉर्मेट में शीर्ष पर हैं.
पाकिस्तानी बल्लेबाजों की बात करें तो, मोहम्मद रिजवान चार पायदान ऊपर होकर 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं, बाबर आजम दो पायदान चढ़कर 22वें स्थान पर हैं, और सलमान आगा आठ पायदान की छलांग लगाकर 30वें स्थान पर पहुंच गए हैं. टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के जो रूट शीर्ष पर कायम हैं. साउथ अफ्रीका के रयान रिकेल्टन ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में 71 रन बनाकर पहली बार शीर्ष 50 में जगह बनाई है, जबकि टोनी डी जोरजी के शतक ने उन्हें 54वें स्थान तक पहुंचाया है. ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान मिशेल मार्श ने भारत के खिलाफ वनडे में शानदार प्रदर्शन कर बल्लेबाजी रैंकिंग में दो पायदान ऊपर चढ़कर 42वें स्थान पर कब्जा किया है.

सम्मान | रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नीरज को किया मानद उपाधि से सम्मानित

नीरज चोपड़ा बने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल

एजेंसियां ।नई दिल्ली

भारत के गौरव और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है. यह सम्मान उन्हें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी की उपस्थिति में एक विशेष समारोह के दौरान प्रदान किया गया. समारोह के दौरान नीरज चोपड़ा सेना की वर्दी में नजर आए और सैन्य गरिमा में उनका यह स्वरूप बेहद प्रेरणादायक था.

सेना से पहले भी जुड़ावः नीरज चोपड़ा इससे पहले भारतीय सेना में सूबेदार मेजर के पद पर कार्यरत थे. सेना और देश के प्रति उनकी निष्ठा को देखते हुए उन्हें प्रादेशिक सेना में मानद लेफ्टिनेंट कर्नल का पद दिया गया है. यह उपाधि राष्ट्रपति द्वारा प्रादेशिक सेना विनियम 1948 के पैरा-31 के अंतर्गत 16 अप्रैल 2025 से प्रभावी मानी गई है. इससे पहले भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को भी 2011 में यह मानद उपाधि प्राप्त हो चुकी है.

ओलंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शनः हरियाणा के पानीपत जिले के खंडरा गांव से ताल्लुक रखने वाले 27 वर्षीय नीरज चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था. इसके बाद पेरिस ओलंपिक 2024 में उन्होंने रजत पदक हासिल कर देश का नाम एक बार फिर रोशन किया. लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले वे पहले भारतीय एथलीट हैं. हालांकि, मौजूदा सत्र नीरज चोपड़ा के लिए कुछ खास नहीं रहा. वे इस बार डायमंड लीग खिताब नहीं जीत पाए और विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक का बचाव नहीं कर सके. उन्होंने 84.03 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया, लेकिन फाइनल प्रयासों के लिए क्वालिफाई नहीं कर सके. नीरज चोपड़ा को लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि मिलना न केवल उनके खेल में उत्कृष्ट योगदान का सम्मान है, बल्कि यह भारतीय सेना और युवा पीढ़ी के बीच देशभक्ति और समर्पण का संदेश भी है. यह उपलब्धि नीरज के करियर में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ती है और आने वाले वर्षों में उनके प्रदर्शन को और अधिक प्रेरणा देगी.

एशेज सीरीज: रिकी पोंटिंग ने बताया किसे मिलेगा फायदा

एजेंसियां ।नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 21 नवंबर से शुरू होने वाली बहुप्रतीक्षित एशेज सीरीज से पहले टीम चयन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं. खासकर सैम कोंस्टास और मार्नस लाबुशेन को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है. पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि इन दोनों बल्लेबाजों में से किसे प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जाए, यह चयनकर्ताओं के लिए सबसे कठिन फैसला हो सकता है. ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी क्रम में उस्मान ख्वाजा के साथ ओपनिंग और टॉप ऑर्डर में एक मजबूत बल्लेबाज़ की जरूरत है. सैम कोंस्टास ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भाग लिया था, लेकिन घरेलू क्रिकेट में शुरुआती दो मैचों में प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर पाए. इससे उनकी जगह को लेकर सवाल उठ रहे हैं. पोंटिंग ने आईसीसी से बातचीत में कहा, "सैम कोंस्टास वर्तमान सेटअप का हिस्सा हैं, लेकिन उन्हें अपने मौकों का पूरा फायदा उठाना चाहिए था. एशेज से पहले चार पारियां और होंगी, जिनसे तस्वीर थोड़ी साफ हो सकती है." वहीं मार्नस लाबुशेन, जो पिछले कुछ समय से फॉर्म में नहीं थे, अब घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. पोंटिंग के मुताबिक, "लाबुशेन ने अपनी पिछली छह पारियों में चार शतक लगाए हैं. वह रन बनाने को लेकर आश्वस्त नजर आ रहे हैं. अगर वह इसी तरह प्रदर्शन करते रहे, तो उन्हें नज़रअंदाज़ करना मुश्किल होगा.

न्यूज अपडेट

उपमुख्यमंत्री सम्राट ने राजद उम्मीदवार खेसारी लाल को बताया नाचनेवाला

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को छपरा विधानसभा क्षेत्र के रिविलगंज में आयोजित एक चुनावी सभा के दौरान महागठबंधन समर्थित राजद के उम्मीदवार और भोजपुरी अभिनेता शत्रुघ्न कुमार उर्फ खेसारी लाल यादव पर तीखा हमला बोला. उन्होंने मंच से अपने संबोधन में कहा कि पूर्व के प्रत्याशी को जब डॉ. सीएन गुप्ता ने हरा दिया, तो अब एक नाचने वाले को उम्मीदवार बना दिया गया है. सम्राट चौधरी ने सभा में केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि गांव-गांव तक बिजली, सड़क और पानी पहुंचाया गया है. सरकार यह सुनिश्चित करने में जुटी है कि युवाओं को राज्य में ही रोजगार मिले और वे नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि देने वाले बनें. उन्होंने सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए लोगों से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पक्ष में मतदान करने की अपील की. वे छपरा विधानसभा सीट से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन समर्थित भाजपा की उम्मीदवार छोटी कुमारी के लिए चुनाव प्रचार करने रिविलगंज पहुंचे थें.

मोहनिया से राजद उम्मीदवार श्वेता सुमन का नामांकन हो गया रद्द

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की मोहनिया (एससी) विधानसभा सीट से उम्मीदवार श्वेता सुमन का नामांकन पत्र रद्द हो गया है. श्वेता सुमन ने मोहनिया (एससी) विधानसभा सीट से अनुसूचित जाति के प्रमाण-पत्र के आधार पर नामांकन दाखिल किया था. लेकिन भाजपा ने दावा किया कि श्वेता सुमन मूल रूप से उत्तर प्रदेश की निवासी हैं और उनका जन्मस्थान भी उत्तर प्रदेश है. उनके पति का नाम विनोद राम है.भाजपा नेता विंध्याचल राय ने निर्वाचन विभाग को आवेदन देकर नामांकन रद्द करने की मांग की थी. निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार, किसी राज्य में आरक्षित एससी सीट से चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार को उसी राज्य की अनुसूचित जाति का सदस्य होना अनिवार्य है. श्वेता सुमन के पास उत्तर प्रदेश की 'रविदास' जाति का प्रमाण-पत्र है, जो बिहार में अनुसूचित जाति सूची में शामिल नहीं है. नामांकन रद्द होने के बाद श्वेता सुमन ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भाजपा और उनके उम्मीदवार को हमसे डर था इसलिए साजिश के तहत मेरा नामांकन रद्द कर दिया गया.

सुगौली विधानसभा में वीआईपी और राजद प्रत्याशी चुनावी दौड़ से बाहर हुए

मोतिहारी। बिहार विधानसभा चुनाव में गठबंधन दलों के बीच सीटों के बंटवारे में हुई देरी अब प्रत्याशियों पर भारी पड़ रही है. मढ़ौरा में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की प्रत्याशी सीमा सिंह बिना चुनाव लड़े ही बाहर हो गईं, वहीं सुगौली विधानसभा से विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रत्याशी और वर्तमान विधायक शशि भूषण सिंह का नामांकन भी खारिज कर दिया गया है. चुनाव आयोग के अनुसार वीआईपी एक निबंधित लेकिन मान्यता प्राप्त नहीं पार्टी है, इसलिए इसके प्रत्याशियों को नामांकन के समय 10 प्रस्तावकों की आवश्यकता होती है. लेकिन शशि भूषण सिंह, राजद का हिस्सा मानते हुए सिर्फ एक प्रस्तावक के साथ नामांकन दाखिल कर बैठे. जांच के दौरान यह कमी पाई गई और उनका नामांकन रद्द कर दिया गया. वहीं राजद के बागी उम्मीदवार ओमप्रकाश चौधरी का नामांकन भी अमान्य करार दिया गया है. उन्होंने नामांकन पत्र में कई आवश्यक कॉलम खाली छोड़े थे, जिससे उनका नामांकन तकनीकी आधार पर खारिज कर दिया गया.

पीके ने भाजपा पर लगाया जन सुराज प्रत्याशियों को धमकाने का आरोप, कहा

भाजपा को जन सुराज से डर लगने लगा है

शुभम संदेश। पटना

बिहार विधानसभा उपचुनावों को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है. जन सुराज अभियान के संस्थापक और रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने सोमवार को शेखपुरा हाउस में प्रेस कांफ्रेंस कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए. उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं ने जन सुराज पार्टी के प्रत्याशियों को डराकर, धमकाकर और दबाव डालकर नामांकन वापस लेने को मजबूर किया है. प्रशांत किशोर ने इस दावे के समर्थन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान के साथ उम्मीदवारों की मुलाकात की तस्वीरें भी सार्वजनिक की हैं. प्रशांत किशोर ने कहा कि भाजपा को जन सुराज से डर लगने लगा है, इसलिए अब वह लोकतंत्र के विरुद्ध कार्य कर रही है. उन्होंने दावा किया कि भाजपा की छवि बन गई है कि ₹कोई भी जीते, सरकार वही बनाएंगे₹, लेकिन अब जन सुराज को वोटकटवा बताने वाली भाजपा को असल में चुनौती जन सुराज से ही मिल रही है. प्रशांत किशोर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में तीन प्रमुख मामलों का जिक्र किया. पहला मामला दानापुर का है, जहां जन सुराज से अखिलेश उर्फ मुकुल शाह को टिकट मिला था. लेकिन उन्होंने नामांकन नहीं किया. भाजपा ने कहा कि उन्हें राजद के गुंडों ने बंधक बना लिया है, जबकि तस्वीरों से स्पष्ट है कि वे गृह मंत्री अमित शाह और धर्मेंद्र प्रधान के साथ थे. पीके ने सवाल उठाया कि एक सामान्य व्यवसायी को अगर देश का गृह मंत्री बुलाकर बैठा रहा है, तो वह क्या कर पाएगा?

दूसरा मामला बक्सर के ब्रह्मपुर का है. यहां जन सुराज के प्रत्याशी डॉ. सत्य प्रकाश तिवारी, जो एक प्रतिष्ठित डॉक्टर हैं, ने तीन दिन प्रचार किया और अचानक नामांकन वापस ले लिया. धर्मेंद्र प्रधान की उनके साथ ली गई तस्वीर सार्वजनिक करते हुए किशोर ने कहा कि केंद्रीय मंत्री का एक उम्मीदवार से नामांकन के बाद मिलना दबाव की राजनीति का संकेत है. तीसरा मामला गोपालगंज का है, जहां जन सुराज के प्रत्याशी डॉ. शशि शेखर सिन्हा, जो बड़े डॉक्टर और वरिष्ठ नेता रघुनाथ पांडेय के दामाद हैं, ने चुनाव प्रचार के बाद अचानक नामांकन वापस ले लिया. किशोर ने कहा कि उन्होंने फोन पर बताया था कि भाजपा के स्थानीय नेता दबाव बना रहे हैं, लेकिन वे पार्टी के साथ हैं. दो घंटे बाद उन्होंने नामांकन वापस ले लिया और फोन स्विच ऑफ कर दिया.

प्रशांत किशोर ने चुनाव आयोग से पूछा कि क्या वह इस पूरे घटनाक्रम पर नजर नहीं रख रहा है? उन्होंने कहा कि 14 प्रत्याशियों को धमकियां मिली हैं, जिनमें से तीन ने नामांकन वापस लिया है. हालांकि 240 प्रत्याशी अब भी मजबूती से मैदान में डटे हैं. उन्होंने कहा कि कुम्हरार से प्रो. केसी सिन्हा को भी धमकियां दी गईं, लेकिन वह डटे रहे. एक अन्य मामला वाल्मीकिनगर का है, जहां एक पूर्व शिक्षक को टिकट दिया गया है. पीके ने बताया कि दो साल पहले उन्होंने इस्तीफा देकर जन सुराज का साथ दिया था, लेकिन अब प्रशासन कह रहा है कि उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ है, इसलिए वह चुनाव नहीं लड़ सकते. प्रशांत किशोर ने कहा कि यह लोकतंत्र पर हमला है और अगर भाजपा को वाकई भरोसा है कि जनता उनके साथ है, तो वह इस तरह की दबाव की राजनीति से क्यों डर रही है? उन्होंने चुनाव आयोग से इन मामलों की जांच करने और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने की मांग की.

बिहारशरीफ सीट पर महागठबंधन में अंदरुनी टकराव के आसार

नालंदा। जिले की बिहारशरीफ विधानसभा सीट इस बार महागठबंधन के भीतर संघर्ष का केन्द्र बन गई है. नामांकन वापसी की अवधि पूरी होने के बाद कांग्रेस के उमैर खान और भाकपा के शिवकुमार यादव दोनों ही प्रत्याशी चुनावी मैदान में डटे हुए हैं. इससे महागठबंधन के तालमेल और समन्वय पर संकट गहरा गया है. भाकपा के शिवकुमार यादव ने बुधवार को राजद कार्यालय पहुंचकर जिलाध्यक्ष अशोक कुमार हिमांशु से मुलाकात की और राजद से समर्थन की मांग की. यादव ने कहा कि पहले कांग्रेस प्रत्याशी के नाम वापस लेने का आश्वासन मिला था, लेकिन अब तक स्थिति स्पष्ट नहीं हुई है. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे में मामला सुलझा नहीं तो वे प्रचार से कांग्रेस के झंडे और तस्वीरें हटा देंगे. शिवकुमार यादव ने यह भी कहा कि अगर तेजस्वी यादव कांग्रेस प्रत्याशी को महागठबंधन का आधिकारिक उम्मीदवार घोषित करते हैं, तो वे चुनाव से पीछे हटने को तैयार हैं, अन्यथा मुकाबला अब दोस्ताना नहीं बल्कि खुला होगा. राजद जिलाध्यक्ष अशोक कुमार हिमांशु ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व से अभी कोई निर्देश नहीं मिला है और दोनों पक्षों की बात महागठबंधन के वरिष्ठ नेताओं तक पहुंचा दी गई है. विश्लेषकों के अनुसार, महागठबंधन के दो उम्मीदवारों के कारण वोट बंटाव होने से एनडीए को फायदा हो सकता है. इस तरह बिहारशरीफ विधानसभा सीट न केवल चुनावी मुकाबले का हिस्सा बल्कि महागठबंधन की एकता और नेतृत्व क्षमता की परीक्षा बन चुकी है.

फर्जी वीडियो से कटहरा के रामपुर में बढ़ा तनाव एआईएमआईएम प्रत्याशी पर प्राथमिकी दर्ज

वैशाली। जिले के कटहरा थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर की मस्जिद से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इलाके में तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई. वीडियो में दावा किया गया था कि मस्जिद में तोड़फोड़ और मारपीट हुई है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया. पुलिस जांच में सामने आया कि वायरल वीडियो पूरी तरह फर्जी है. दरअसल, मस्जिद के सामने कुछ युवकों के बीच मामूली कहासुनी हुई थी, जिसे बढ़ा-चढ़ाकर और तोड़-मरोड़कर वीडियो तैयार किया गया. दोनों समुदायों के प्रबुद्ध लोगों ने भी घटना का खंडन करते हुए पुलिस को लिखित आवेदन दिया.

दीपावली और चुनाव को देखते हुए बिहार सरकार का बड़ा फैसला

कर्मचारियों को अग्रिम वेतन भुगतान करने का आदेश

शुभम संदेश। पटना

बिहार सरकार ने दीपावली, छठ पर्व और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को ध्यान में रखते हुए एक बड़ा प्रशासनिक निर्णय लिया है. वित्त विभाग के माध्यम से सभी विभागों के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को अक्टूबर 2025 माह का वेतन 21 अक्टूबर से अग्रिम भुगतान करने का आदेश जारी किया गया है. यह कदम त्योहारों के मद्देनज़र आम लोगों को आर्थिक सहूलियत देने और चुनाव पूर्व प्रशासनिक व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है. निर्वाचन आयोग ने भी इस निर्णय पर अपनी सहमति दे दी है, लेकिन इस शर्त पर कि आदर्श आचार संहिता का पूरी तरह पालन हो और इसका कोई राजनीतिक लाभ न उठाया जाए. इससे पहले भी चुनावी वर्षों में त्योहारों को देखते हुए इस तरह के निर्णय लिए जाते रहे हैं, लेकिन इस बार चुनाव आयोग की अतिरिक्त सतर्कता को देखते हुए विशेष सावधानी बरती जा रही है.

इस बीच माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देशित किया है कि उनके अधीनस्थ सभी माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों की संख्यात्मक जानकारी तीन दिनों के भीतर गूगल शीट या क्यूआर कोड के माध्यम से अपलोड की जाए. इस आदेश को निदेशक सज्जन आर. ने पत्र के माध्यम से जारी किया है. माना जा रहा है कि यह कवायद आगामी चुनाव में संभावित ड्यूटी लगाने और मानव संसाधन का आकलन करने की दृष्टि से की जा रही है. इसमें कर्मियों की उपस्थिति, नियुक्ति की स्थिति और स्कूल स्तर की जानकारी भी शामिल हो सकती है. चुनाव की तैयारियों के मद्देनज़र जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सभी चिकित्सकों, पदाधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं. अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अविलेस कुमार ने राज्य मुख्यालय के निर्देश पर यह आदेश जारी किया है. हालांकि पत्र में यह स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी को विशेष परिस्थितियों में अवकाश की आवश्यकता होगी, तो उस पर विचार किया जा सकता है. यह निर्णय चुनाव के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू बनाए रखने और किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए लिया गया है. सरकार के इन निर्णयों से साफ है कि बिहार प्रशासन और चुनाव आयोग राज्य में निष्पक्ष और व्यवस्थित चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहे हैं, साथ ही त्योहारों के दौरान आम जनता की सुविधा का भी ध्यान रखा जा रहा है.

नीतीश के महिला प्रत्याशी को माला पहनाने पर मच गया बवाल, राजद ने उठाए सवाल

मुजफ्फरपुर। बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान एक बार फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विवादों में घिर गए हैं. मामला मुजफ्फरपुर का है, जहां वे जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की एक महिला प्रत्याशी के लिए समर्थन जुटाने पहुंचे थे. प्रचार कार्यक्रम के दौरान जब सीएम नीतीश कुमार ने महिला प्रत्याशी को मंच पर माला पहनाई, तो यह दृश्य सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया. दरअसल, परंपरा के अनुसार जदयू में पुरुष प्रत्याशियों को मंच पर माला पहनाई जाती है, जबकि महिला प्रत्याशियों को माला हाथ में देकर आशीर्वाद देने की व्यवस्था रही है. इस दौरान जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा मंच पर मौजूद थे और उन्होंने इशारा किया कि माला हाथ में दी जाए. बावजूद इसके, मुख्यमंत्री ने महिला प्रत्याशी को गले में माला पहना दी. इस पूरी घटना का वीडियो जदयू के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव प्रसारित हो रहा था. वीडियो के वायरल होते ही राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी. राजद ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मुख्यमंत्री पद की गरिमा बार-बार तार-तार हो रही है और अब कोई भी मुख्यमंत्री को सार्वजनिक रूप से टोक देता है. राजद ने संजय झा द्वारा नीतीश कुमार का हाथ पकड़कर उन्हें रोकने की तस्वीर साझा करते हुए सवाल उठाया कि क्या नीतीश कुमार अब मुख्यमंत्री बनने योग्य रह गए हैं? पार्टी ने यह भी दावा किया कि नीतीश कुमार से सबसे ज्यादा उनकी अपनी पार्टी के नेता असहज और डरे हुए हैं, क्योंकि उन्हें नहीं पता कि वे कब क्या कर बैठें. इस घटना ने बिहार की सियासत में एक बार फिर गरमाहट ला दी है.

निर्दलीय प्रत्याशी की गाड़ी से पिस्टल और राइफल बरामद

सीवान। जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां चुनाव से पहले सुरक्षा जांच के दौरान एक निर्दलीय प्रत्याशी की गाड़ी से अवैध हथियार बरामद किए गए हैं. यह मामला महाराजगंज अनुमंडल के अंतर्गत मलमलिया मेन रोड का है, जहां वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने यह कार्रवाई की. जानकारी के अनुसार, महाराजगंज से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे पुरानी बाजार निवासी राज किशोर गुप्ता की स्कॉर्पियो गाड़ी की पुलिस ने तलाशी ली. तलाशी के दौरान वाहन से एक पिस्टल और एक राइफल बरामद हुई. पूछताछ में जब प्रत्याशी से हथियारों के दस्तावेज मांगे गए, तो वे वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके. इसके बाद पुलिस ने दोनों हथियार जब्त कर लिए और मामले की जांच शुरू कर दी है. चुनाव को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है और सभी प्रकार के वाहनों की सघन जांच की जा रही है.

कारोबार

सचिन तेंदुलकर का संदेश: पुराना सोना बदलो, देश को मज़बूत बनाओ

नयी दिल्ली। भारत में सोने की बढ़ती कीमतों के बीच क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर ने एक अहम आर्थिक संदेश दिया है. तनिष्क के नए विज्ञापन में सचिन लोगों से अपील कर रहे हैं कि वे अपना पुराना सोना बदलकर नया गहना खरीदें. उनका तर्क है कि इससे भारत को विदेशी सोने के आयात पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी. भारत हर साल बड़ी मात्रा में सोना आयात करता है, जिससे व्यापार घाटा (ट्रेड डेफिसिट) बढ़ता है. इसका सीधा असर रुपये की कीमत और महंगाई पर पड़ता है. अगर लोग पुराने गहनों को एक्सचेंज कर नया सोना खरीदेंगे, तो आयात घटेगा और विदेशी मुद्रा की बचत होगी. भारत और चीन मिलकर दुनिया का आधा सोना खरीदते हैं.

सात साल बाद इक्विटी म्यूचुअल फंड्स का रिटर्न नेगेटिव, निवेशक सतर्क

नयी दिल्ली। 2018 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है जब ज्यादातर इक्विटी म्यूचुअल फंड स्कीमें एक साल के रोलिंग रिटर्न के आधार पर निगेटिव ज़ोन में पहुंच गई हैं. इलारा कैपिटल के हालिया आंकड़ों के अनुसार, निवेशकों ने बीते कुछ वर्षों में शेयर बाजार में जमकर निवेश किया, खासकर चुनिंदा सेक्टर्स में, लेकिन इसके बावजूद वे व्यापक स्तर पर आई गिरावट की मार से नहीं बच सके हैं. रोलिंग रिटर्न वह मीट्रिक होता है जिससे पता चलता है कि कोई फंड किसी विशेष अवधि में लगातार कैसा प्रदर्शन कर रहा है. यह निवेशकों को लॉन्ग-टर्म में फंड की स्थिरता और भरोसेमंद रिटर्न का अंदाजा देता है. लेकिन अगस्त 2025 में हालात ने नया मोड़ ले लिया.

भारत की पीएलआई स्कीम को लेकर चीन ने डब्ल्यूटीओ में की शिकायत, कहा

स्कीम से चीन के उत्पादों को नुकसान होता है

एजेंसी। नयी दिल्ली

चीन ने भारत की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम पर विवाद उठाते हुए वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूटीओ) में शिकायत दर्ज कराई है. चीन का आरोप है कि भारत की पीएलआई योजनाएं विशेष रूप से इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, ऑटोमोबाइल्स और अडवांस्ड केमिस्ट्री सेल बैटरी के क्षेत्र में घरेलू उत्पादों को प्राथमिकता देकर 'चीन से आने वाले माल के साथ भेदभाव' करती हैं. चीन ने इन कदमों को 'व्यापार के नियमों का उल्लंघन' बताते हुए डब्ल्यूटीओ के विवाद निपटारे की व्यवस्था के तहत भारत से बातचीत की मांग की है.

डब्ल्यूटीओ ने 20 अक्टूबर को जारी संदेश में कहा कि चीन ने भारत के तीन प्रमुख कदमों — अडवांस्ड केमिस्ट्री सेल बैटरी स्टोरेज के लिए पीएलआई, ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री के लिए पीएलआई, तथा इलेक्ट्रिक कारों के उत्पादन को बढ़ावा देने वाली स्कीम — पर सवाल उठाए हैं. चीन का तर्क है कि भारत की ये नीतियां आयातित उत्पादों के मुकाबले देश में बने उत्पादों को असमान लाभ पहुंचाती हैं, जिससे चीन के उत्पादों को नुकसान होता है. चीन की यह शिकायत ऐसे समय में आई है जब यूरोपियन यूनियन ने चीन में बनी इलेक्ट्रिक वाहनों पर 27% टैरिफ लगा दिया है, जिससे चीनी कंपनियां अपनी बिक्री बढ़ाने के लिए भारत जैसे अन्य बाजारों में कदम बढ़ा रही हैं. भारत ने बैटरी स्टोरेज के लिए पीएलआई स्कीम जून 2021 में शुरू की थी, जिसमें कंपनियों को इंसेंटिव पाने के लिए दो साल के भीतर मैन्युफैक्चरिंग शुरू करनी होती है और कम से कम 25% घरेलू वैल्यू एडिशन की शर्त होती है. इसी प्रकार, सितंबर 2021 में ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स के लिए पीएलआई स्कीम और मार्च 2023 में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को बढ़ावा देने वाली योजना शुरू की गई थी. चीन ने कहा है कि भारत के ये कदम विदेशी निवेश आकर्षित करने और देश में मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने के उद्देश्य से हैं, लेकिन इन योजनाओं में जो इंसेंटिव दिए जाते हैं, वे घरेलू उत्पादन की शर्तों से जुड़े हैं. यह शर्तें स्वदेशी माल पर खर्च को इंसेंटिव की पात्रता से जोड़ती हैं, जिससे आयातित चीनी माल के लिए प्रतिस्पर्धा कठिन हो जाती है.

चीन का कहना है कि भारत की यह नीति 'सब्सिडीज एंड काउंटरवेलिंग मेजर्स एग्रीमेंट', 'जनरल एग्रीमेंट ऑन टैरिफ्स एंड ट्रेड 1994', और 'ट्रेड रिलेटेड इनवेस्टमेंट मेजर्स एग्रीमेंट' के दायित्वों के अनुरूप नहीं है. चीन ने दावा किया कि भारत की पीएलआई स्कीम के कारण उसे मिलने वाले लाभ या तो खत्म हो जाते हैं या काफी कम हो जाते हैं, जो व्यापार के नियमों का उल्लंघन है.

भारत की पीएलआई स्कीमों का मकसद घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना और आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है, खासकर इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और बैटरी के क्षेत्र में वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच. हालांकि चीन की शिकायत डब्ल्यूटीओ में इस मामले को लेकर भारत और चीन के बीच वार्ता का रास्ता खोलती है, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक विवाद सुलझाने के प्रयास शुरू हो सकते हैं. इस बीच, भारत सरकार ने पीएलआई योजनाओं को निरंतर बढ़ावा दिया है ताकि देश में नवीनतम तकनीक और उत्पादन क्षमता को बढ़ाया जा सके, जो देश के आर्थिक विकास और पर्यावरण के लिहाज से भी अहम है. चीन की डब्ल्यूटीओ शिकायत से यह क्षेत्र और अधिक चर्चा में आ गया है और आने वाले समय में इसके परिणाम वैश्विक व्यापार पर भी प्रभाव डाल सकते हैं.

सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत में गिरावट जारी

नयी दिल्ली। दिवाली और धनतेरस के पहले सर्राफा बाजार में मजबूती का लगातार नया रिकार्ड बनाने के बाद अब चांदी की कीमत में गिरावट का रुख बन गया है. पिछले कुछ दिनों के दौरान चांदी के भाव में औसतन 20,000 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक की गिरावट दर्ज की जा चुकी है. दिल्ली में चांदी की कीमत एक दिन में ही 8 हजार रुपये प्रति किलोग्राम टूट कर 1,63,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है. इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता, जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 1,62,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है. वहीं, बेंगलुरु में चांदी 1,63,900 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 1,62,000 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है. अगर चेन्नई और हैदराबाद की बात करें, तो यहां चांदी की कीमत 27 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक टूट चुकी है. 15 अक्टूबर को हैदराबाद और चेन्नई में चांदी की कीमत जोरदार छलांग लगा कर 2,07,700 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर तक पहुंच गई थी, जो अब घटकर 1,80,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है. बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि पिछले दिनों अंतरराष्ट्रीय बाजार और घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत में आई जोरदार तेजी के बाद अब जम कर मुनाफा वसूली शुरू हो गई है. इसके साथ ही लंदन के इंटरनेशनल सिल्वर मार्केट में पिछले दो सप्ताह से जारी चांदी की सप्लाई में आई कमी भी अब काफी हद तक नियंत्रित हो चुकी है.

बदलाव के आसार : भारत रूस से धीरे-धीरे तेल आयात कम करने पर सहमत हो सकता है

नयी दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच एक अहम ट्रेड डील को लेकर व्यापक बातचीत जारी है, जो दोनों देशों के व्यापार संबंधों में बड़ा बदलाव ला सकती है. सूत्रों के मुताबिक, इस डील के तहत अमेरिका भारत से आयात होने वाले सामान पर लगने वाला भारी टैक्स 50% से घटाकर 15-16% तक कर सकता है. यह भारतीय निर्यातकों के लिए बड़ी राहत साबित हो सकती है, खासकर ऐसे समय में जब वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता बनी हुई है. रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते के तहत भारत रूस से धीरे-धीरे तेल आयात कम करने पर सहमत हो सकता है. वर्तमान में भारत अपनी कुल जरूरत का लगभग 34% कच्चा तेल रूस से आयात करता है और रूस उसका सबसे बड़ा क्रूड सप्लायर है. अमेरिका, जो इस रूसी तेल खरीद को लेकर असहमत रहा है, पहले ही भारत के कई उत्पादों पर 25% का अतिरिक्त टैरिफ लगा चुका है. इस डील में एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारत अमेरिका से नॉन-जीएम (जेनेटिकली मॉडिफाइड नहीं) मक्का और सोयाबीन खली के आयात को बढ़ाने की अनुमति दे सकता है. यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है जब अमेरिका को चीन से मक्का निर्यात में भारी गिरावट का सामना करना पड़ रहा है.

भारत में एफडीआई में आई है तेज उछाल, अप्रैल-जुलाई 2025-26 में 208% की बढ़ोतरी दर्ज हुई

नयी दिल्ली। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में इस वित्त वर्ष की शुरुआत में जोरदार उछाल देखने को मिला है. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के ताजा मासिक बुलेटिन के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जुलाई अवधि में शुद्ध एफडीआई 208.57% बढ़कर 10.8 अरब डॉलर पहुंच गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में मात्र 3.5 अरब डॉलर था. इस दौरान सकल एफडीआई में भी 33.2% की वृद्धि दर्ज की गई, जो 37.7 अरब डॉलर रहा. पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जुलाई अवधि में भारत में कुल 28.3 अरब डॉलर का एफडीआई आया था. आरबीआई ने बताया कि सिंगापुर, अमेरिका, मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात और नीदरलैंड इस दौरान एफडीआई के प्रमुख स्रोत रहे, जिनकी कुल निवेश में 76% हिस्सेदारी रही. निवेश का बड़ा हिस्सा विनिर्माण, कंप्यूटर सेवाओं, व्यावसायिक सेवाओं, संचार, वित्तीय सेवाओं, निर्माण और बिजली उत्पादन क्षेत्रों में आया, जिनका कुल एफडीआई में 74% योगदान रहा. हालांकि, जुलाई में एफडीआई 11.11 अरब डॉलर के चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचा, लेकिन अगस्त में इसमें गिरावट आई और यह घटकर 6 अरब डॉलर रह गया. साथ ही, इस अवधि में विदेशी कंपनियों की ओर से मुनाफे की वापसी (रेपेट्रिएशन) भी 30% बढ़कर 4.9 अरब डॉलर हो गई, जिससे शुद्ध एफडीआई में 61.6 करोड़ डॉलर की निकासी दर्ज की गई.

चीन की इकॉनमी में संकट | बढ़ता कर्ज और रियल एस्टेट बुलबुला फूटने का खतरा मंडराया

दस वर्षों में चीन के कर्ज में 78% की तेजी आई

एजेंसी। नयी दिल्ली

चीन, जो दो दशकों से दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में उभरा है, आज एक गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रहा है. हाल के आंकड़ों के अनुसार, इस फाइनेंशियल ईयर की दूसरी तिमाही में चीन का कुल कर्ज उसकी जीडीपी के 336% तक पहुंच चुका है, जो अर्थव्यवस्था के लिए एक चेतावनी की घंटी है. इसका मतलब है कि अगर चीन 1 डॉलर की वस्तु बनाता है, तो उस पर 3.36 डॉलर का कर्ज जुड़ा हुआ है. यह स्थिति चीन के इतिहास में पहले कभी नहीं देखी गई है और यह देश की आर्थिक स्थिरता के लिए खतरा बनती जा रही है. पिछले दस वर्षों में चीन के कर्ज में 78% की तेजी आई है, जिसमें सबसे अधिक बढ़ोतरी सरकार के कर्ज में हुई है. नॉन-फाइनेंशियल कॉरपोरेट्स का डेट-टू-जीडीपी रेश्यो पिछले एक दशक में 142% तक बढ़ गया है, जबकि सरकार का कर्ज 93% तक बढ़ा है. परिवारों का कर्ज 60% और फाइनेंशियल कॉरपोरेट्स का कर्ज 41% तक बढ़ा है. तुलना करें तो जापान का डेट-टू-जीडीपी रेश्यो 264% है, जिसे वह दशकों से संभाल रहा है, लेकिन चीन के लिए यह नई और चुनौतीपूर्ण स्थिति है.

चीन की इकॉनमी को सबसे बड़ा झटका रियल एस्टेट सेक्टर से लगा है, जो देश की कुल जीडीपी का लगभग एक तिहाई हिस्सा है. रियल एस्टेट संकट के कारण कई बिल्डर दिवालिया हो चुके हैं और निर्माण कार्य ठप हो गए हैं. सरकार ने इस संकट से निपटने के लिए कई उपाय किए, लेकिन फिलहाल कोई भी ठोस परिणाम सामने नहीं आ सके हैं. इस संकट के चलते चीन की पूरी आर्थिक प्रणाली के टूटने का खतरा बढ़ गया है. इसके अलावा, अमेरिका के साथ चल रहा व्यापार युद्ध (ट्रेड वॉर) चीन की आर्थिक गतिविधियों को और भी प्रभावित कर रहा है. अमेरिकी प्रतिबंधों और टैरिफ की वजह से चीन की निर्यात क्षमता कमजोर हुई है, जिससे आर्थिक वृद्धि पर दबाव बढ़ा है. वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा के इस दौर में चीन को कई मोर्चों पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है.

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर चीन ने जल्द ही अपने कर्ज के बोझ को कम नहीं किया और रियल एस्टेट संकट का स्थायी समाधान नहीं निकाला, तो उसकी आर्थिक विकास दर में और गिरावट आ सकती है. इससे न केवल चीन बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी गंभीर प्रभाव पड़ सकता है. इस स्थिति में चीन के लिए सबसे बड़ी चुनौती है कि वह आर्थिक सुधारों को लागू कर कर्ज को नियंत्रित करे और निवेश के लिए स्थिर माहौल बनाए. अगर चीन ने यह सफलता हासिल कर ली, तो वह अपनी आर्थिक गति को फिर से पटरी पर ला सकता है, लेकिन अगर यह बुलबुला फूट गया तो इसका असर दुनिया भर की मार्केट्स और आर्थिक स्थिरता पर भारी पड़ेगा. चीन के लिए यह वक्त निर्णायक है, जब उसे अपनी वित्तीय और आर्थिक नीतियों को मजबूती से लागू करना होगा ताकि विश्व की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी के तौर पर उसकी पकड़ मजबूत बनी रहे.

2025 में हेनकेन की बिक्री घटने की आशंका

नयी दिल्ली। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी बीयर निर्माता कंपनी हेनकेन ने चेतावनी दी है कि 2025 में उसकी बीयर की बिक्री घट सकती है. कंपनी ने आर्थिक अनिश्चितता और कमजोर मांग को इसकी प्रमुख वजह बताया है. हेनकेन ने अपनी बिक्री (वॉल्यूम) की भविष्यवाणी को फिर से घटा दिया है. कंपनी के सीईओ डॉल्फ वान डेन ब्रिंक ने कहा कि तीसरी तिमाही में हालात और खराब हुए हैं, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि स्थिरता लौटते ही मांग में सुधार आएगा. इससे पहले जुलाई में जब हेनकेन ने कहा था कि उसकी वार्षिक बिक्री स्थिर रहेगी, तो उसके शेयर 8% से ज्यादा गिर गए थे. अब कंपनी ने स्पष्ट किया है कि 2025 में बिक्री थोड़ी घटेगी और मुनाफा भी पूर्वानुमानित सीमा के निचले स्तर पर रहेगा. विश्लेषकों के अनुसार, हेनकेन का सालाना मुनाफा लगभग 3.9% बढ़ सकता है, जबकि बीयर की बिक्री में 1.8% की गिरावट आ सकती है.

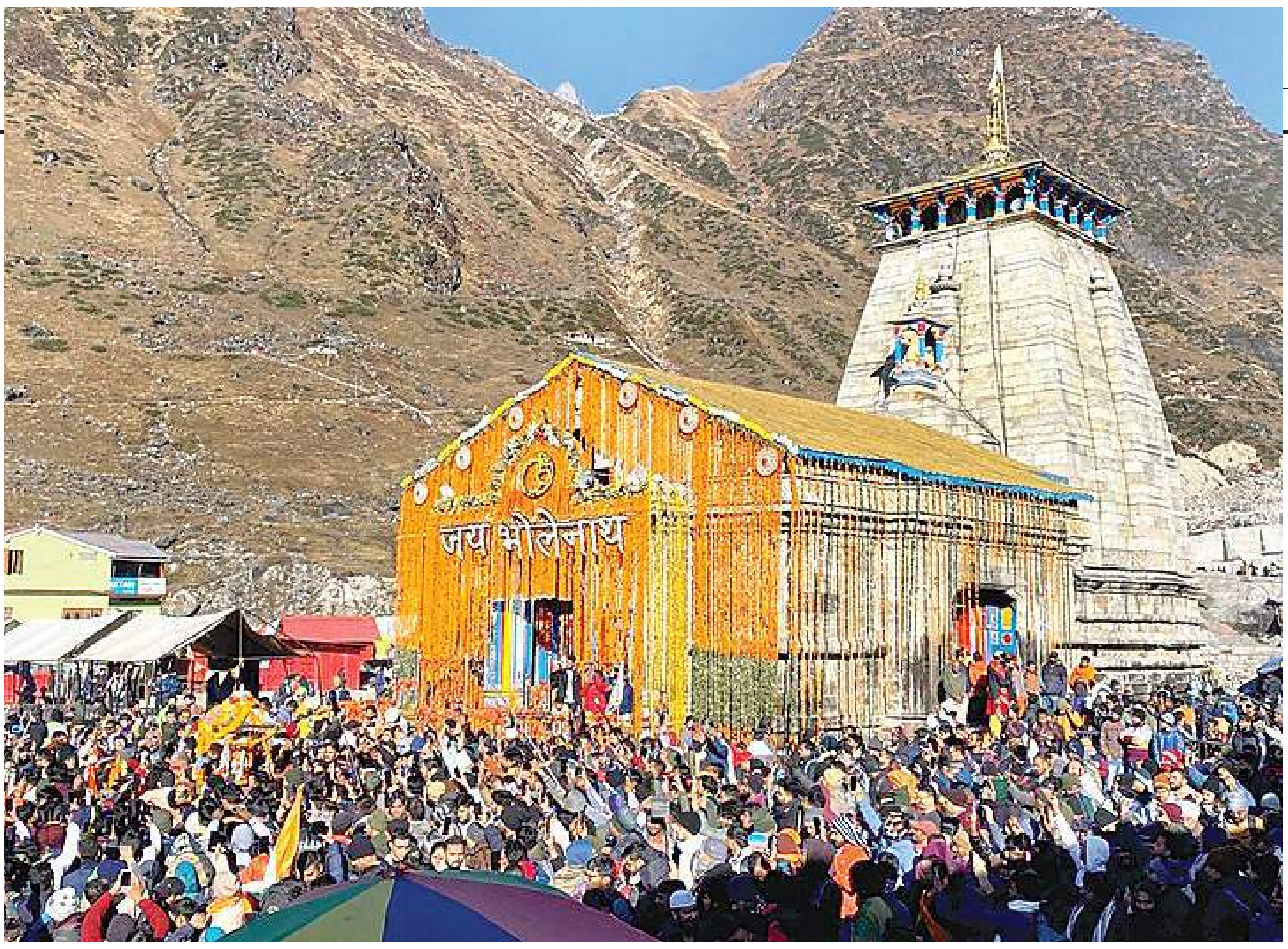

न्यूज अपडेट

मथुरा में मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतरे, आगरा-दिल्ली रेल मार्ग प्रभावित

आगरा। मथुरा में वृंदावन रोड व आझही स्टेशन के बीच मंगलवार रात मालगाड़ी के बारह डिब्बे पटरी से उतर जाने के बाद रेलवे ट्रैक की अप एंड डाउन की लगभग सभी लाइनों पर रेल यातायात ठप हो गया. इसकी वजह से कई ट्रेनों को रद्द करना पड़ा या ट्रेनों के मार्ग परिवर्तित किए गए. कई ट्रेनों को मथुरा पहुंचने से पहले ही आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर रोक लिया गया. मथुरा रेल हादसे के बाद आगरा-दिल्ली रेल मार्ग की कई गाड़ियों को निरस्त कर दिया गया है और कई का मार्ग बदला गया है. शताब्दी, वंदे भारत समेत कई ट्रेनें निरस्त करने से यात्रियों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. रुट बदलने के बाद यात्रा में कई घंटे का इजाफा हुआ है जो यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बना है. दुर्घटना स्थल पर अप एंड डाउन की तीन लाइन अभी काफी हद तक प्रभावित है.

पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान के बीच व्यापारिक गतिविधियां पूरी तरह ठप

पेशावर। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हाल ही में हुए संघर्ष विराम समझौते के बावजूद व्यापारिक गतिविधियां अभी भी ठप रहने से दोनों पक्षों को भारी नुकसान हो रहा है. विदेश मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के खैबर जिले से अफ़ग़ानिस्तान के साथ होने वाली व्यापारिक गतिविधियां अभी भी पूरी तरह बंद हैं. पारगमन व्यापार के निलंबन से ट्रकों में लदे सामान पहले ही खराब हो चुके हैं. सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2 अरब डॉलर से ज़्यादा है, जो चार प्रमुख सीमा चौकियों, तोरखम, चमन, गुलाम खान और खारलाची के ज़रिए होता है. पाकिस्तान अफ़ग़ानिस्तान से सालाना 76 करोड़ डॉलर से ज़्यादा का सामान आयात करता है, जबकि अफ़ग़ानिस्तान को पाकिस्तान से 1.54 अरब डॉलर का निर्यात होता है.

गतिमान, शताब्दी, वंदे भारत और ताज एक्सप्रेस रद्द, कई गाड़ियों के रूट बदले

झांसी। मंगलवार देर रात झांसी-दिल्ली रेलवे ट्रैक पर मालगाड़ी पटरी से उतर जाने के चलते यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गया. रेलवे ने नई दिल्ली से चलकर रानी कमलापति जाने वाली शताब्दी एक्सप्रेस और हजरत निजामुद्दीन से चलकर खजुराहो जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेनें रद्द कर दी हैं और कुछ ट्रेनों का रूट डाइवर्ट किया है. इसके अलावा कई ट्रेनों को दूसरे स्टेशनों पर खड़ा किया गया था, जो अब 6 से 9 घंटे की देरी से झांसी पहुंच रही हैं. मंगलवार रात मथुरा के पास वृंदावन रोड और अझाई स्टेशन के बीच कोयले की मालगाड़ी के 13 वैगन पटरी से उतर गए हैं. जिसके चलते दिल्ली-मुम्बई रूट का यातयात बुरी तरह प्रभावित हो गया है. यहां रेल अफसरों को सूचना मिली तो उन्होंने स्थिति की जानकारी कर जो ट्रेन जहां चल रही थी, उसे वहीं रोक दिया.

अरुणाचल में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में उल्फा (आई) का एक उग्रवादी ढेर

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के नामसाई जिले में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में प्रतिबंधित यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम- इंडिपेंडेंट (उल्फा-आई) का एक कैडर मारा गया है. यह मुठभेड़ 21 अक्टूबर की रात को तब शुरू हुई जब असम राइफल्स के जवानों ने 6 माइल के पास लगभग सात उल्फा (आई) उग्रवादियों के एक ग्रुप से मुठभेड़ की. गुवाहाटी स्थित सेना के पीआरओ ने बुधवार को आधिकारिक बयान में बताया कि प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम- इंडिपेंडेंट (उल्फा-आई) कथित तौर पर असम में काकोपाथर आर्मी कैंप पर हाल ही में हुए हमले से जुड़ा था. मारे गए उग्रवादी की पहचान इवान आसोम के तौर पर हुई है, जिसे कोंटी आसोम और अभिकेश्वर मोरान के नाम से भी जाना जाता था. मुठभेड़ के बाद, सैनिकों को मारे गए उग्रवादी के पास से एक एचके राइफल, एक हैंड ग्रेनेड और एक बैग मिला. मुठभेड़ के दौरान उल्फा (आई) के बाकी सदस्य अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहे.

17 स्थानों पर मॉडल छठ घाट बना रही रेखा सरकार : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि पिछली सरकार के छठ पूजा पर लगाए गए प्रतिबंधों को हटाकर दिल्ली की भाजपा सरकार इस बार भव्य तरीके से छठ पर्व मनाने जा रही है. मुख्यमंत्री ने बुधवार को दिल्ली सचिवालय में प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि सरकार यमुना के प्रवेश स्थान पल्ला गांव से लेकर कालिंदी कुंज तक 17 स्थानों पर मॉडल छठ घाट बना रही है. शहर के अंदर भी छठ कार्यक्रमों के लिए अभी तक सरकार के पास एक हजार से ज्यादा आवेदन आ चुके हैं, जबकि पिछली बार 929 स्थानों पर छठ कार्यक्रम हुए थे. मुख्यमंत्री ने कहा कि 17 मॉडल छठ घाटों के साथ-साथ जितने भी छठ कार्यक्रमों के आवेदन आएंगे, वहां दिल्ली सरकार सभी (टेंट, बिजली, स्वच्छता और शौचालय) व्यवस्थाएं देगी. हर जिले और उपजिले में एक मॉडल छठ घाट बनाया जाएगा. उन्होंने कहा कि छठव्रतियों के लिए पूरी दिल्ली में भव्य स्वागत द्वार बनाए जाएंगे.

बाबा केदार की डोली 25 अक्तूबर को ओंकारेश्वर मंदिर में विराजमान होगी

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए गुरुवार 23 अक्टूबर की सुबह 8.30 बजे बंद कर दिए जाएंगे. बाबा केदार की पंचमुखी चल उत्सव विग्रह डोली धाम से अपने शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ के लिए प्रस्थान करेगी. डोली रात्रि प्रवास के लिए अपने पहले पड़ाव रामपुर पहुंचेगी. बाबा केदार की डोली शीतकालीन पूजा-अर्चना के लिए 25 अक्तूबर को ओंकारेश्वर मंदिर में विराजमान होगी.

- वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आज सुबह 8:30 बजे बंद होंगे केदारनाथ धाम के कपाट

इसके बाद अगले छह माह तक बाबा केदार के भक्त इसी स्थान पर अपने आराध्य के दर्शन कर पूशा-अर्चना कर सकेंगे. केदारनाथ धाम में कपाट बंद करने की प्रक्रिया सुबह 4 बजे से शुरू हो जाएगी. मुख्य पुजारी बागेश बाबा केदार की विशेष पूजा-अर्चना करेंगे और अन्य धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया जाएगा. इसके बाद बाबा केदार के स्वयंभू लिंग को समाधि रूप दिया जाएगा और तय समय पर केदारनाथ मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे और ताला सील करने के बाद चॉबी ऊखीमठ के उप जिलाधिकारी को सौंप दी जाएगी. साथ बाबा केदार की पंचमुखी चल उत्सव विग्रह डोली मंदिर की परिक्रमा कर अपने अपने धाम से अपने शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ के लिए प्रस्थान करेगी. केदारपुरी से रुद्रा प्वाइंट, लिनचोली, रामबाड़ा, भीमबली, जंगलचट्टी, चीरबासा, गौरीकुंड, सोनप्रयाग होते हुए बाबा केदार की पंचमुखी चल उत्सव विग्रह डोली रात्रि प्रवास के लिए अपने पहले पड़ाव रामपुर पहुंचेगी. शुक्रवार को बाबा केदार की डोली द्वितीय पड़ाव विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी में प्रवास करेगी और 25 अक्टूबर को बाबा केदार अपने शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में छह माह की शीतकालीन पूजा-अर्चना के लिए विराजमान होगे.

पाक में जैश के जिहाद के नए प्रशिक्षण कार्यक्रम से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

प्रशिक्षण का मूल उद्देश्य महिलाओं को आतंकवाद के लिए तैयार करना है

एजेंसी।इस्लामाबाद

कट्टरपंथी संगठन जैश ए- मोहम्मद (जेईएम) ने अपनी महिला विंग 'तुफत अलमुमिनात' के माध्यम से एक नया ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है, जिससे सुरक्षा एजेंसियों में चिंता बढ़ गई है. संगठन ने इस यूनिट के तहत 'जमात उलमुमिनात' नामक पाठ्यक्रम की घोषणा की है, जो 8 नवंबर से लाइव ऑनलाइन लेक्चर के रूप में चलाया जाएगा. जेईएम के प्रचार नेटवर्क के अनुसार यह कार्यक्रम ₹इस्लामी शिक्षाओं और महिला सशक्तिकरण₹ पर आधारित होगा, जबकि खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इसका असल उद्देश्य महिलाओं को हिंसा और आतंकवाद के लिए तैयार करना व भर्ती करना है.

ऑनलाइन पाठ्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रतीकात्मक रूप से 500 रुपये शुल्क तय किया गया है और रोजाना 40 मिनट का प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जाएगा. कार्यक्रम का ज़ोर कथित धार्मिक शिक्षा और विचारधारात्मक प्रशिक्षण पर बताया गया है, लेकिन एजेंसियों के अनुसार इसमें महिलाओं को लॉजिस्टिक सपोर्ट, डिजिटल प्रचार, और फंडरेज़िंग के लिये प्रशिक्षित करने के तत्व भी शामिल हो सकते हैं. सुरक्षा अधिकारियों का अनुमान है कि ऑनलाइन माध्यम के जरिए ब्रेनवॉश कर महिलाओं को आरेखित रोल—जहां वे न केवल समर्थक बनें बल्कि सक्रिय सहयोगी या स्वयंघाती हमलावर बन सकती हैं—इसका प्रमुख जोखिम है. जेईएम के प्रमुख मसूद अजहर का नाम बारबार चर्चा में रहा है; संगठन की स्थापना उन्होंने 2000 में की थी और यह समूह जम्मूकश्मीर को भारत से अलग कर इस्लामी शासन स्थापित करने के लक्ष्य के लिये सक्रिय रहा है. समूह पर आरोप हैं कि वह 2001 के भारतीय संसद हमले, 2016 के पठानकोट एयरबेस हमले और 2019 के पुलवामा हमले जैसी बड़ी घटनाओं में शामिल रहा. संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका ने जेईएम को आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया हुआ है. वक्त के साथ संगठन ने ऑनलाइन और डिजिटल प्लेटफॉर्मों का उपयोग बढ़ाया है और अब महिला केंद्रित ऑनलाइन प्रशिक्षण इसके संचालन का नया आयाम माना जा रहा है.

सुरक्षा विश्लेषकों का कहना है कि ऑनलाइन सत्रों के जरिए फंडरेज़िंग के प्रयास भी सक्रिय किए जा सकते हैं; हाल में मसूद अजहर द्वारा बहावलपुर में दान की अपील का हवाला देते हुए कहा गया है कि यह पहल संगठन के वित्तीय स्रोतों को मजबूत करने का एक तरीका भी हो सकती है.

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि डिजिटल प्लेटफ़ॉर्मों पर चलने वाली ऐसी क्लासें पारंपरिक जिहादी रिक्रूटिंग से अधिक खतरनाक हो सकती हैं क्योंकि वे व्यापक दर्शक तक पहुंचती हैं और बड़े पैमाने पर प्रभाव डाल सकती हैं. विशेष एजेंसियों और साइबर टीमों से आग्रह है कि वे ऐसे नेटवर्क्स की निगरानी और ब्लैकलिस्टिंग पर कड़े कदम उठाएँ, साथ ही स्थानीय समुदायों और महिलाओं के बीच जागरूकता बढ़ाई जाए ताकि संवेदनशील व्यक्तियों को ऐसी प्रोपगैंडा से बचाया जा सके. राजनीतिक और सुरक्षा विश्लेषकों का निष्कर्ष है कि हिंसा और आतंकवाद के विरुद्ध सतर्कता, डिजिटल साक्षरता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग ही इस खतरे का प्रभावी जवाब हो सकते हैं. सरकारी और सुरक्षा संस्थाओं द्वारा त्वरित और पारदर्शी कार्रवाइयों की आवश्यकता दिखाई देती है ताकि किसी भी संभावित आतंकवादी गतिविधि को शुरूआत में ही रोका जा सके.

मप्र के गौतमपुरा में हिंगोट युद्ध परंपरा दहकती ज्वाला के साथ हुई जीवंत

एजेंसियां ।इंदौर

मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के गौतमपुरा कस्बे में मंगलवार देरशाम वार्षिक हिंगोट युद्ध परंपरा दहकती ज्वाला के साथ जीवंत हो उठी. दिवाली के दूसरे दिन मनाया जाने वाला यह आयोजन इस बार भी रोमांच, श्रद्धा और खतरे का मिश्रण लेकर आया. आग से जलते हिंगोट (बारूद भरे फल) जब हवा में तीरों की तरह उड़े तो कस्बा तालियों और नारों से गूंज उठा. दूर-दूर से आए हजारों दर्शक मैदान के किनारों पर खड़े इस अद्भुत दृश्य के साक्षी बने. जैसे ही सूरज क्षितिज के पार गया, ढोल की तालों और नारों की गूंज के बीच दो परंपरागत दल मैदान में उतरे गौतमपुरा का तुर्रा दल और पास के रूणजी गांव का कलंगी दल. कुछ ही क्षणों में दोनों ओर से बारूद से भरे हिंगोटों की बरसात शुरू हो गई. आग की लपटों से घिरे ये फल जब हवा में उड़े तो रात के अंधेरे में ऐसा प्रतीत हुआ मानो आसमान खुद जल उठा हो. दर्शकों में रोमांच और भय का मिश्रण एक साथ दिखाई देता. कोई "तुर्रा की जय!" के नारे लगाता, तो कोई कलंगी की बहादुरी पर तालियां बजाता.

करीब डेढ़ घंटे तक चला यह आग का खेल इस बार भी घायल और झुलसे लोगों की खबरें लेकर लौटा. ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर वंदना केसरी के अनुसार, लगभग 35 लोगों को मामूली चोटें आईं, जिनका इलाज मौके पर ही कर दिया गया, जबकि पांच को देपालपुर के स्वास्थ्य केंद्र और चार को इंदौर के महावीर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. कभी ये 250 साल पहले मुगलों को परास्त करने के लिए शुरू हुआ था. लेकिन आज ये एक परंपरा के रूप में हर साल होता है और अपने आस-पास के वातावरण को उत्साह से भर देता है.

दो गांवों में परंपरागत होड़दरअसल, हिंगोट युद्ध में परंपरागत रूप से दो दल आमने-सामने होते हैं; गौतमपुरा का तुर्रा दल और रूणजी गांव का कलंगी दल. सूर्यास्त के बाद दोनों दल टोटेम, निशानों और नारों के साथ युद्ध मैदान में उतरते हैं. हिंगोट असल में बेलनुमा फल होते हैं जिन्हें सुखाकर उनमें बारूद भरा जाता है.

चीन का नया स्टील्थ ड्रोन जीजे-एक्स ने उड़ान भरा

नयी दिल्ली। चीन ने एक बार फिर अपनी सैन्य तकनीक से दुनिया का ध्यान खींचा है. उसका नया स्टील्थ फ्लाइंग-विंग ड्रोन, जिसे अनौपचारिक रूप से जीजे-एक्स कहा जा रहा है, पहली बार उड़ान भरते देखा गया है. यह बिना पायलट वाला अगली पीढ़ी का बमवर्षक माना जा रहा है, जिसकी झलक चीनी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. द वॉर जोन की रिपोर्ट के मुताबिक, यह ड्रोन आकार और डिजाइन में अमेरिकी बी-21 रेडर से मेल खाता है. इसकी पंख फैलाव लगभग 42 मीटर है, जो इसे अब तक के सबसे बड़े स्टील्थ ड्रोनों में से एक बनाता है. जीजे-एक्स का आकार और संभावित क्षमता अमेरिका के रणनीतिक बमवर्षकों को चुनौती दे सकते हैं.

बांग्लादेश में 15 सैन्य अधिकारियों को जेल भेजा

ढाका। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 (आईसीटी-1) ने 15 मौजूदा सैन्य अधिकारियों को जेल भेजने का आदेश दिया. इन सभी पर जुलाई विद्रोह के दौरान हत्या करने और दो लोगों को गायब करने का आरोप है. आईसीटी-1 के आदेश के बाद इन सभी सैन्य अफसरों को वैन से जेल ले जाया गया. इन सैन्य अधिकारियों को कड़ी सुरक्षा के बीच आज सुबह करीब 7:00 बजे आईसीटी-1 के सामने पेश किया गया. बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार के पोर्टल पर प्रसारित रिपोर्ट के अनुसार, इन 15 अफसरों को पहले बांग्लादेश की सेना ने हिरासत में लिया. इसके बाद सभी को कड़ी सुरक्षा के बीच आज सुबह लगभग सात बजे आईसीटी-1 मुख्यालय ले जाया गया. मुख्यालय के आसपास बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी), रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) और पुलिस का कड़ा पहरा रहा. आईसीटी-1 का आदेश आते ही सैन्. अधिकारियों को हरे रंग की एसी सुविधा वाली विशेष जेल वैन में ले जाया गया. मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने आईसीटी-1 की कार्यवाही के बाद संवाददाताओं को बताया कि आज की सुनवाई के बाद न्यायाधिकरण ने सभी 15 अधिकारियों को जेल भेजने का आदेश दिया.

आतंकवाद का प्रचार पत्रकारिता नहीं: इजरायल

तेल अवीव। इजराइल ने कतर से संचालित अंतरराष्ट्रीय टीवी चैनल अल जजीरा और आतंकवादी समूह हमास के गठजोड़ का खुलासा करते हुए आरोप लगाया है कि चैनल खासतौर पर गाजा पट्टी में युद्ध के दौरान हमास के दुष्प्रचार का माध्यम बना और उसके आतंकियों को मनोवैज्ञानिक संबल देता रहा. अल जजीरा के लिए काम करने वालों में हमास के आतंकी और रॉकेट लॉन्चर बनाने वाले तक शामिल रहे. इसे किसी भी तरह से ईमानदार और तटस्थ पत्रकारिता नहीं कहा जा सकता. इजराइल के मीर अमेट खुफिया और आतंकवाद सूचना केंद्र (इजराइली खुफिया विरासत और स्मारक केंद्र) ने साक्ष्यों के साथ 20 अक्टूबर को एक वृत्तचित्र में दोनों के संबंधों और सहयोग का पर्दाफाश करते हुए संगीन आरोप जड़े हैं. इजराइल सरकार के एक्स पर आधिकारिक एकाउंट पर एक पोस्ट में यह जानकारी 21 अक्टूबर को साझा की गई.

पीएम पर हमला करने वाले को 21 साल की सजा

बांस्का बिस्त्रिका (स्लोवाकिया)। स्लोवाकिया की एक अदालत ने मंगलवार को प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर गोली चलाने वाले आरोपित जुराज सिंटुला को आतंकवाद का दोषी करार देते हुए 21 साल की जेल की सजा सुनाई. 72 वर्षीय सिंटुला ने मई 2024 में हंडलोवा शहर में फिको पर करीब एक मीटर की दूरी से पांच गोलियां चलाई थीं, जिनमें चार फिको को लगीं. फिको को पेट, कूल्हे, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई थीं. अदालत में सिंटुला ने माना कि उसने गोली चलाई, लेकिन उसका उद्देश्य फिको को मारना नहीं, बल्कि उनकी नीतियों को रोकना था. उसने अदालत के बाहर कहा कि वह फैसले के खिलाफ अपील करेगा, क्योंकि यह "अन्यायपूर्ण" है. इस हमले ने स्लोवाक समाज में गहरी राजनीतिक विभाजन रेखा उजागर कर दी.

चाबहार बंदरगाह की भंडारण क्षमता पचास फीसदी बढ़ेगी

तेहरान। भारत के लिए रणनीतिक महत्व रखने वाले ईरान के चाबहार बंदरगाह की भंडारण क्षमता को पचास फीसदी और बढ़ाया जाएगा ताकि इससे क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को मजबूती मिल सकें. महत्वपूर्ण ईरान के परिवहन एवं शहरी विकास मंत्रालय के उप मंत्री तथा बंदरगाह एवं मैरीटाइम संगठन के प्रबंध निदेशक सईद रसूली ने इस आशय की औपचारिक घोषणा की. शहीद बेहेश्ती बंदरगाह के बुनियादे ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं के अवलोकन के दौरान रसूली ने कहा, ₹चाबहार में चल रही विकास और निर्माण परियोजनाओं में कुल सार्वजनिक और निजी निवेश 240 खरब रियाल यानि करीब अड़तालीस करोड़ डालर से अधिक पहुंच गया है जो आवश्यक वस्तुओं की भंडारण क्षमता में पचास फीसदी बढ़ोत्तरी का मार्ग प्रशस्त कर रहा है.

ओली के कार्यकर्ता आगजनी के आरोप में गिरफ्तार

काठमांडू। पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली की पार्टी से जुड़ा निकट का कार्यकर्ता ही पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी के घर में आगजनी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. जेन जी प्रदर्शन के दौरान अन्य नेताओं के साथ पूर्व राष्ट्रपति के निजी घर में आग लगा दी गई थी. घटना के समय पूर्व राष्ट्रपति घर में मौजूद थीं. गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान सोनम थेबे के रूप में हुई है, जो वर्तमान में काठमांडू के धूम्बराही में रह रहा है. इस व्यक्ति के ओली की पार्टी के युवा संगठन युवा संघ का सक्रिय कार्यकर्ता होने की जानकारी पुलिस ने दी है. काठमांडू पुलिस प्रवक्ता एसपी पवन भट्टराई के अनुसार, थेबे को सोमवार को महाराजगंज क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया था. थेबे को फिलहाल जिला पुलिस थाना में रखा गया है और छठ के बाद अदालत खुलने पर उसका रिमांड लिया जाएगा. एसपी भट्टराई ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि थेबे ने पूर्व राष्ट्रपति भंडारी के घर पर आगजनी हमले में अग्रणी भूमिका निभाई थी.

व्हाइट हाउस के पास सुरक्षा द्वार पर कार घुसा दी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास व्हाइट हाउस के पास एक सुरक्षा द्वार पर कार घुसाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. यह वाकया मंगलवार रात का है. अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के अधिकारी इस घटना की जांच कर रहे हैं. दक्षिण-पश्चिम में 17वीं और ई स्ट्रीट स्थित सुरक्षा द्वार पर हुई इस वारदात से सुरक्षा अधिकारी अचरज में हैं. एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने बताया कि मंगलवार रात व्हाइट हाउस के पास एक सुरक्षा द्वार पर कार घुसाने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है. यह घटना रात लगभग 10:37 बजे व्हाइट हाउस के दक्षिण-पश्चिम में 17वीं और ई स्ट्रीट स्थित एक सुरक्षा द्वार पर हुई.

बीएनएम ने पाकिस्तान को बताया आतंकी मुल्क

क्वेटा/वाशिंगटन। बलोच नेशनल मूवमेंट (बीएनएम) ने मीडिया को जारी बयान में कहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में व्हाइट हाउस के सामने जागरुकता अभियान आयोजित किया गया. कार्यकर्ताओं ने बलोचिस्तान के झारी क्षेत्र में मानवाधिकारों के उल्लंघन और वर्तमान स्थिति उजागर करने वाले पर्चे वितरित किए. इस अभियान का नेतृत्व बीएनएम अमेरिका के अध्यक्ष सामी बलोच ने किया. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है. झारी क्षेत्र में सेना लगातार आम लोगों पर जुल्म-ओ- सितम ढा रही है. सामी बलोच ने कहा कि बलोचिस्तान में मानवीय संकट बढ़ता जा रहा है.

ऑपरेशन सिंदूर: भारतीय सशस्त्र बलों की अदम्य वीरता, साहस और रणनीतिक कौशल का प्रमाण

ऑपरेशन अत्यंत गोपनीय, हाई-टेक और ज्वाइंट मिशन था

एजेंसी।नयी दिल्ली

भारत के राजपत्र में हाल ही में प्रकाशित ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों के वीरों की अद्भुत वीरता और रणनीतिक कौशल का विवरण सामने आया है. यह ऑपरेशन एक अत्यंत गोपनीय, हाई-टेक और ज्वाइंट मिशन था, जिसमें भारतीय वायुसेना और सेना ने मिलकर पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों और सुरक्षा नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया. रिपोर्ट के अनुसार, ऑपरेशन में राफेल स्क्वाड्रन, एसयू-30 एमकेआई जेट्स और एम777 अल्ट्रालाइट आर्टिलरी यूनिट्स ने एकजुट होकर दुश्मन पर सटीक और निर्णायक हमले किए. ग्रुप कैप्टन रंजीत सिंह सिद्धू, जो पश्चिमी सीमा पर राफेल स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर थे, ने खुद दुश्मन के गहन सुरक्षा वाले हवाई क्षेत्र में डीप स्ट्राइक मिशन का नेतृत्व किया. उनके नेतृत्व में स्क्वाड्रन ने पाकिस्तान के मजबूत एयर डिफेंस नेटवर्क के बावजूद कई महत्वपूर्ण ठिकानों पर सफलतापूर्वक हमले किए. सिद्धू ने 'बियॉन्ड-विजुअल-रेंज' मिसाइलों का कुशलतापूर्वक उपयोग करते हुए अपने विमानों की सुरक्षा और मिशन की सफलता सुनिश्चित की. इसी प्रकार, ग्रुप कैप्टन मनीष अरोड़ा ने बिना किसी एस्कॉर्ट के दुश्मन के अत्यंत सुरक्षित ठिकानों को निशाना बनाया. उन्होंने कम ऊंचाई पर उड़ान भरकर और दुश्मन के कई रडार लॉक और मिसाइल हमलों के बावजूद महत्वपूर्ण लक्ष्य को बड़ी तेजी से तबाह कर दिया. ग्रुप कैप्टन अनीमेश पाटनी ने स्ट्रेटेजिक सरफेस-टू-एयर मिसाइल यूनिट का सफलतापूर्वक कमांड किया, जिससे दुश्मन की मिसाइल हमलों को विफल किया गया और वायुसेना के विमानों की सुरक्षा बनी रही.

इसके अलावा, विंग कमांडर जॉय चंद्रा, ग्रुप कैप्टन कुणाल कालरा, स्क्वाड्रन लीडर सार्थक कुमार, रिजवान मलिक और सिद्धांत सिंह जैसे अन्य वायुसेना अधिकारियों ने भी दुश्मन के कमांड, कंट्रोल और सुरक्षा नेटवर्क को भारी नुकसान पहुंचाया. जमीनी मोर्चे पर, 302 मीडियम रेजिमेंट के कर्नल कोशंक लांबा ने एम777 अल्ट्रालाइट हॉवित्जर बैटरी की तैनाती की जिम्मेदारी संभाली. उन्होंने कम समय में तोपखाने की बैटरियों को युद्ध के लिए तैयार किया और प्रभावी गोलाबारी से आतंकवादी ठिकानों का सफाया किया. 1988 इंडिपेंडेंट मीडियम बैटरी के कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल सुशील बिष्ट ने भी सैटेलाइट की मदद से रात भर की योजना बनाकर दुश्मन के मजबूत ठिकानों पर सटीक गोलाबारी की, जिससे सफलता सुनिश्चित हुई. इस तरह ऑपरेशन सिंदूर ने भारतीय सशस्त्र बलों की रणनीतिक दक्षता, साहस और समन्वय की मिसाल पेश की है, जो अब भारत के राजपत्र में वीरता के गौरवशाली अध्याय के रूप में दर्ज हो चुका है.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 **(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार).**
आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेल: shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.